हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आज

सात समंदर पार परचम लहरा रही भारत की प्राचीन योग विद्या, धर्म की सीमाएं भी तोड़ी

न सरहद, न धर्म...हर कोई समझ रहा योग का मर्म

कभी यह सूफी की तस्लीम बना, कभी जैन मुनि का ध्यान,
कभी बुद्ध का मौन बना, कभी शिव की समाधि का ज्ञान।
न मंदिर मांगे, न मस्जिद पुकारे, न गिरजाघर का राग,
योग वो धड़कन है, जो सबके भीतर करता जाग।

प्राचीन भारत की प्राचीन विद्या...योग। सुगठित निरोगी काया और व्याधियों को स्वमेव समाप्त करने की क्षमता विकसित करने वाली इस देसी विद्या का कायल आज पूरी दुनिया है। इसने सीमाएं तोड़ी, देश की, धर्म की। जाति-मजहब से परे भारतीय ही नहीं, विदेशी नागरिकों ने भी भारत की इस अद्भुत, अलौकिक विद्या को न केवल आत्मसात किया, बल्कि इसे जन जन तक पहुंचाने का बीड़ा भी उठाया। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर हरिभूमि ऐसे ही कर्मयोगियों को सामने ला रहा है, जिन्होंने भारत के गौरवशाली इतिहास का हिस्सा रहे योग को न केवल अपने स्वस्थ जीवन का आधार बनाया, बल्कि इसके जरिए उन्होंने देश से बाहर विदेश में भी इसका परचम लहराया। खास यह है कि भारत की इस विद्या की बारीकियां उन्होंने यहीं रहकर सीखीं और फिर सरहद पार इसका विस्तार जारी रखा।

यह खबर चीन से

चीन में 30 से ज्यादा केंद्र खोले, हजारों को सिखाया योग

चीनियों के सेलिब्रिटी बने योग गुरु सोहन फुजीयन प्रांत के जियामिन द्वीप में मुख्यालय

सुनील शर्मा ⏭ ललितपुर (उप्र)

योग की भाषा नहीं होती। योग को प्रकट करने के लिए शब्दों का आसरा नहीं चाहिए। योग सांसों के साथ संवाद की कला है। योग ध्यान और मौन का माध्यम है। योग समाधि की राह बताता है। योग जीवन जीने की कला सिखाता है। योग देश की सीमाओं से परे है। इस भाव को सार्थक किया है बुंदेलखंड के सोहन ने। चीन में बेहद मशहूर हैं। चीन के साथ-साथ दुनिया के कई अन्य देशों में उनका 'सोहन योगा' प्रसिद्ध हो चुका है। उन्होंने पिछले 20 साल में चीन के अलग-अलग शहरों में 30 योग केंद्र स्थापित कर वहां के लाखों लोगों को सीधे तौर पर ⏭ शेष पेज 7 पर

कई भाषाएं जानते हैं पर बुंदेली से खास लगाव

सोहन सिंह बताते हैं कि कक्षा 12 के बाद उन्होंने सागर विश्वविद्यालय में बीएससी में दाखिला लिया था। बीएससी बायोलॉजी में पूरा किया। उस समय जॉब की तलाश थी। वहां से इंदौर जाकर एप्टेक से कम्प्यूटर का डिप्लोमा किया। एमसीएम में एडमिशन लिया। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर में वे पहले बैच के छात्र रहे हैं। सोहन कहते हैं कि गरीबी का दबाव था, और इसी बीच मैंने रिस्क लिया और विदेश में जॉब खोजी। सागर में एक प्रोफेसर ने योग के प्रति और दिलचस्पी बढ़ा दी। उन्होंने कहा कि अगर अपने लेफ्ट और ⏭ शेष पेज 7 पर

माताजी परमेश्वरी देवी जी का निधन

वैदिक पथ के पथिक चौधरी मित्रसेन आर्य की धर्मपत्नी व हरियाणा के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु की माता थी परमेश्वरी देवी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

वैदिक पथ के पथिक स्व. चौधरी मित्रसेन आर्य की धर्मपत्नी एवं पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु समेत नौ पुत्र-पुत्रियों की माताजी परमेश्वरी देवी जी का शुक्रवार को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वो बीते कुछ दिनों से बीमार चल रही थीं। उन्होंने दिल्ली में अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार शनिवार सुबह 10 बजे गांव खांडा खेड़ी में किया जाएगा। परमेश्वरी देवी अपने पीछे 6 बेटों और 3 बेटियों का भरापूरा परिवार छोड़ गईं। बेटों में कैप्टन रुद्रसेन, वीरसेन, व्रतपाल, कैप्टन अभिमन्यु, मेजर सतपाल और देव सुमन शामिल हैं, जबकि, बेटियों में दया, बिमला और मधु हैं।

यह दुःखद खबर कैप्टन अभिमन्यु ने खुद सोशल मीडिया पर साझा की। उन्होंने लिखा, मेरी माता का प्रेम, त्याग और उच्च संस्कार परिवार व समाज के बीच सदैव अमिट रहेंगे। उनकी दी हुई सीख और आशीर्वाद हमेशा साथ रहेंगे। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर की गई पोस्ट में कैप्टन अभिमन्यु ने लिखा- बड़े ही भारी मन से सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूज्य माता परमेश्वरी देवी अपनी सांसारिक यात्रा पूर्ण कर आज ईश्वर के श्रीचरणों में विलीन हो गईं। उन्होंने लिखा- उनका प्रेम, स्नेह, त्याग और उच्च संस्कार परिवार व समाज के बीच सदैव अमिट रहेंगे। उनकी कमी कभी पूरी नहीं हो सकेगी, लेकिन उनकी दी हुई सीख और आशीर्वाद सदा हमारे साथ रहेंगे। उनका अंतिम संस्कार शनिवार, 21 जून को सुबह 10 बजे हमारे पैतृक गांव खांडा खेड़ी में होगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें।

याद रहे माता परमेश्वरी देवी जी आर्य समाज सेवा में हमेशा अग्रणी रहती थी। उन्होंने आर्य समाज से जुड़े सामाजिक कार्यों में सक्रिय भूमिकाएं निभाईं। वो आर्य समाज के साथ-साथ खेती और समाज उत्थान में विशेष रुचि रखती थी। उनका हर संभव प्रयास रहता था कि हर जरूरतमंद की यदासंभव मदद की जाए। कल उनके अंतिम संस्कार में देशभर की अनेक राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक हस्तियां हिस्सा लेंगी।

बच्चों को किया शिक्षित

परमेश्वरी देवी औपचारिक रूप से ज़्यादा पढ़ी-लिखी नहीं थीं, इसके बावजूद भी उन्होंने अपने सभी बच्चों को अच्छी शिक्षा देकर शिक्षित किया। परिवार को एकजुट रखकर अच्छे संस्कार दिए। परमेश्वरी देवी की शादी स्वर्गीय चौधरी मित्र सेन आर्य के साथ 1948 में हो गई थी। काम के सिलसिले में 1961 में स्वर्गीय ⏭ शेष पेज 7 पर

स्मृति शेष ... देखें पेज 10 पर

सीएम साय ने दी श्रद्धांजलि

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने माता जी परमेश्वरी देवी जी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

कहानी पोलैंड के योग गुरु की, भारत के अलग-अलग राज्यों में भ्रमण कर सीखी योग की बारीकियां

56 बरस पहले योग खींच लाया था भारत, अमेरिका से आईटी स्टडी, इसे किनारे कर सूर्य नमस्कार पर दशकों शोध

इंफर्मेशन टेक्नोलॉजी में मास्टर की उपाधि, लेकिन अध्यापन के लिए चुना योग

पोलैंड के रहने वाले डॉ. क्रिज्सटॉफ स्टेक को योग उस वक्त भारत खींच लाया था, जब हमारे देश में भी इसका अधिक प्रचार-प्रसार नहीं हुआ था। 1968 में भारत आने से लेकर अब तक वे ना केवल पोलैंड के विवि में छात्रों को योग सिखाते हुए इस कला का प्रचार-प्रसार कर रहे हैं, बल्कि इसके कई आसानों पर उन्होंने वैज्ञानिक शोध भी किया। अपने रिसर्च के आधार पर वे सूर्य नमस्कार और अष्टांग आसन को सर्वाधिक लाभप्रद मानते हैं। अपनी युवास्था में भारत आने वाले डॉ. क्रिज्सटॉफ स्टेक वर्तमान में पोलैंड में जान डलुगोज विश्वविद्यालय में कॉलेजियम मेडिकम में वरिष्ठ व्याख्याता हैं।

रुचि वर्मा ⏭ रायपुर

डॉ.स्टेक बताते हैं कि उन्होंने टीनएज में अपने एक अंकल से योग के बारे में सुना था। यहां से उनके मन में योग को जानने-समझने की इच्छा उत्पन्न हुई। उस वक्त इंटरनेट, यू-ट्यूब या सीखने के उतने साधन नहीं थे, जितने वर्तमान में मौजूद हैं। इसलिए चीजों को गहराई से सीखने के मकसद से उन्होंने भारत का रूख किया। यहां से योग की बारीकियां सीखने के बाद वे अमेरिका चले गए। वहां उन्होंने इनफर्मेशन टेक्नोलॉजी में डिग्री हासिल की। इसके बाद वे पौलेंड लौट गए। यहां जब वे प्राध्यापक के रूप में अपना कॅरियर शुरू कर रहे थे, तब उनके पास दो विकल्प थे-प्रथम इंनफर्मेशन टेक्नोलॉजी जिसकी उपाधि उन्होंने अमेरिका से ली थी, में अध्यापन कार्य करना तथा द्वितीय योग के क्षेत्र में आगे बढ़ना। उस वक्त योगा में मास्टर की उपाधि नहीं होने के कारण उन्होंने आईटी में अध्यापन कार्य प्रारंभ किया। मन योगा में रमा रहा। ⏭ शेष पेज 7 पर

यह खबर पोलैंड से

30 से अधिक बार भारत का दौरा, बिताए 10 वर्ष

1968 में योग सीखकर अपने देश लौट जाने के बाद भी डॉ. क्रिज्सटॉफ स्टेक का योग और भारत से प्रेम खत्म नहीं हुआ। इसके बाद भी भारत आते रहे। यहां उन्होंने अलग-अलग राज्यों के आश्रम में रहकर विभिन्न आसनों में विशेषज्ञा हासिल की। अपने शोध कार्य के लिए भी वे नियमित रूप से भारत आते रहे। 1968 से लेकर अब तक वे 30 से अधिक बार भारत का दौरा कर चुके हैं। इन सभी दौरों को मिलाकर उन्होंने भारत में 10 वर्ष बिताए हैं।

बनारस, राजस्थान की योग संस्कृति ने खींचा

डॉ.स्टेक ने महाराष्ट्र के कैवल्यधाम योग संस्थान से योग की शुरुआती शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से एमपीएड किया। राजस्थान विश्वविद्यालय से योग में एमफिल की उपाधि हासिल की। इसके ⏭ शेष पेज 7 पर

यह खबर थाईलैंड से

पुरी के डॉ. अदरीश थाईलैंड के महिदोल विश्वविद्यालय हैं पदस्थ

ज्ञान का पिटारा लेकर पहुंचे सात समंदर पार और बन गए गुरु, 32 बरस में 64 देशों में बांटा ज्ञान

पुरी के नंदा गोसाई योग के मौन साधक हैं डॉ. अदरीश ब्रम्हदता। योग आश्रम से जुड़े परिवार से मिले ज्ञान को उन्होंने दुनियाभर में फैलाने का जैसे बीड़ा उठा रखा है।

विकास शर्मा ⏭ रायपुर

कई देशों में योग विद्या की ट्रेनिंग देते हुए वे योग गुरू बन गए। अभी वे थाईलैंड के महिदोल विश्वविद्यालय में विद्यार्थियों को जीवन में योग के साथ आयुर्वेद की महत्ता बता रहे हैं। उन्होंने आस्ट्रेलिया, न्यूयार्क, कनाडा, टोकियो, चाइना जैसे देशों में जाकर योग का अलख जगाया है। उनका कहना है, योग फिटनेस, तनावमुक्त होने का रामबाण नुस्खा है, साथ ही यह जीवन के कष्टों को दूर करने के साथ आत्मा को शुद्ध करने का सशक्त माध्यम भी है।

डॉ. अदरीश ब्रम्हदत्ता ने बताया कि पहले योग को हिडन साइंस माना जाता था। धीरे-धीरे इसे भारत समेत पूरी दुनिया ने दर्शन विज्ञान के रूप में स्वीकारा। भारत के साथ दूसरे देशों के लोग भी योग की महत्ता को स्वीकारते हैं। इसका प्रमाण है, वर्ष ⏭ शेष पेज 7 पर

कैरियर की अपार संभावनाएं

डॉ. अदरीश बताते है कि योग में कैरियर की अपार संभावनाएं हैं। युवा अभी इंजीनियरिंग, चिकित्सा जैसे क्षेत्र में अपना भविष्य तलाशते हैं। जिस तरह योग विज्ञान की तरफ दुनियाभर से लोग आकर्षित हो रहे हैं उससे आने वाले दिनों मे योग गुरुओं की मांग काफी अधिक होने की संभावना बन रही है। विश्वविद्यालय में योग सीखने के बाद उनके कई छात्र अलग-अलग सेक्टरों में जाकर लोगों को योग सीखा रहे हैं। उन्होंने कहा कि योग की पढ़ाई के साथ योग ⏭ शेष पेज 7 पर

अमेरिकी डॉ. माइकल ने पत्नी डा. पाइगी बुश संग सीखा भारत में योग, विश्व में फैलाया

यह खबर अमेरिकी से

सचिन सिंह बैस/भोपाल। भारतीयों से योग सीखकर पारंगत हुए विदेशी योग गुरु अब भारत में साधकों को योग क्रिया सीखा रहे हैं। अमेरिका के बुश दंपती ने ऋषिकेश केश्री विश्वनाथ संस्कृत महाविद्यालय के छात्रों को भावातीत योग के गुर सिखाए। उन्होंने छात्रों को योग के फायदे बताते हुए योगाभ्यास पर जोर दिया। अमेरिका निवासी डॉ. माइकल बुश और उनकी पत्नी डा.पाइगी बुश वर्ष 1970 में पहली बार ⏭ शेष पेज 7 पर

जॉर्डन के केमरान ने योग सीखा नाम बदलकर रखा केवलानंद

यह खबर जॉर्डन से

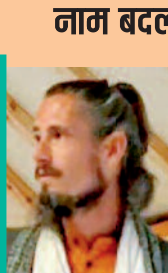

संदीप दुबे/रायसेन। एक योगी हैं डॉ. उपेंद्र बाबू खत्री, जिन्होंने बौद्ध विश्व विद्यालय सांची से योग की शिक्षा ग्रहण की तथा यहीं पर पदस्थ होकर सैकड़ों लोगों को योग की शिक्षा दे रहे हैं,जिसमें कई विदेशी जो कि दूसरे धर्मों से ताल्लुक रखते हैं शामिल हैं। उनके कई शिष्य आज देश विदेश में योग की शिक्षा दे रहे हैं। डॉ. खत्री ने बताया कि वह देश में सांची यूनिवर्सिटी के अलावा कई सेमिनारों में प्रशिक्षण ⏭ शेष पेज 7 पर

न पूजा की जरूरत, न प्रार्थना की बात, योग तो है बस भीतर की शांत सौगात। ना कोई पंथ, ना संप्रदाय का नाम, योग करता है सबको संतुलित करने का काम।

योग धर्म से बंधा नहीं है। योग ग्रंथों के बंधन से मुक्त है। योग का अर्थ ही है जोड़ना। योग सबको बांधे रखता है। योग कोई व्रत नहीं है, न कोई प्रार्थना है। योग जीवन शैली है। जब मन भटके, तन थके और आत्मा में ठहराव न हो तब योग ही कहता है कि खुद के भीतर झांको। तुम्हारा शरीर ही असली मंदिर है। यही तीर्थ है। योग को अपनाकर इंसान धर्म के साथ खुद से जुड़ता है। हरिभूमि ने ऐसे योग गुरुओं की कहानियां तलाश कीं, जिन्होंने अपने धर्म के साथ-साथ योग को अंगीकार किया। विशेषकर मुस्लिम धर्म से जुड़े योग गुरुओं की कहानियां। जिन्होंने कहा योग को मजहब से जोड़ना ठीक नहीं है। योग जीवन जीने की कला है, यह जिंदगी को खूबसूरत बनाता है। यह सबका है, सबको योग से जुड़ना चाहिए।

योग ने भगाया रोग और अब इसके मुरीद हुए अमीन बन गए गुरु

जगदलपुर। बस्तर संभाग मुख्यालय जगदलपुर में योग गुरू बाबा रामदेव और श्रीश्री रविशंकर के हजारों की संख्या में योग साधक हैं, जो नियमित रूप से योग करते हैं। इनमें कुछ दूसरे सम्प्रदाय के भी योगाचार्य सम्मलित हैं। खासकर मुस्लिम, ईसाई। शहर के एक मुस्लिम युवा मोहम्मद अमीन लीला 21 सालों से श्रीश्री रविशंकर से जुड़े

हुए हैं और अब वह अंतर्राष्ट्रीय योग प्रशिक्षक बन गए हैं। वे योग से जुड़ने के पूर्व एक गंभीर बीमारी आईबीएस से पीड़ति थे। नियमित योग और सुदर्शन क्रिया, सूर्य नमस्कार व अन्य प्राणायाम करने के बाद आज पूरी तरह स्वस्थ्य हैं। एक अन्य मुस्लिम योगाचार्य शमीम शेख भी श्रीश्री रविशंकर से जुड़कर 2024 से नियमित योग करते हैं। मुस्लिम युवती आलिया सिद्दकी और ईसाई युवती कांति मसीह बाबा रामदेव के पतंजलि योग समिति से जुड़कर प्रांत प्रमुख डॉ मनोज पाणिग्राही के मार्गदर्शन में नियमित प्राणायाम योग प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

डॉक्टर ने कहा था जीवनभर दवाई खानी पड़ेगी

मोहम्मद अमीन लीला पिछले 21 वर्षों से आर्ट ऑफ लिविंग संस्था से जुड़े हुए हैं और योग और हैप्पीनेस के अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण भी हैं। अमीन ने बताया, वह आईबीएस नामक बीमारी से ग्रसित थे और साथ ही अवसाद से पीड़ित भी थे। सुदर्शन क्रिया योग प्राणायाम और मेडिटेशन के माध्यम पूरी तरह से स्वस्थ्य हो गए। उन्होंने हरिभूमि को बताया, डॉक्टर ने उन्हें कहा था जीवन भर दवाइयां खानी पड़ेगी, लेकिन योग ने जीवन आसान कर दिया। अब आमीन हजारों लोगों के जीवन में योग ध्यान और आर्ट ऑफ लिविंग के माध्यम से, हर वर्ग के शीघ्र लेकर परिवर्तन ला रहे हैं।

बच्चों को स्कूल में सिखा रहे हैं योग, वे कहते हैं- इसे धर्म से बांधना ठीक नहीं

अब्दुल अंसारी
अशोकनगर जिले के चंदेरी मिडिल स्कूल के शिक्षक

मनोज जैन ▶▶| अशोकनगर

अशोकनगर जिले के चंदेरी मिडिल स्कूल के शिक्षक अब्दुल अंसारी इसका जीता जागता प्रमाण हैं। उन्होंने योग को अपनाने के साथ एक शिक्षक के रूप में और एक आमजन के रूप में लोगों को प्रोत्साहित किया है। उन्होंने 2017 में भोपाल में जाकर एक माह की ट्रेनिंग कर प्रशिक्षण भी लिया। उस समय प्राइमरी स्कूल के बच्चों को योग की शिक्षा देते थे। वर्तमान में मिडिल स्कूल के बच्चों को शिक्षा दे रहे हैं। वह सभी प्रकार के योग के साथ आसन कराते हैं और यही कारण है कि उनके स्कूल के जूनियर वर्ग में दो बच्चों का सिलेक्शन योग प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद राज्य स्तर पर हुआ।

उन्होंने माधव महाविद्यालय चंदेरी में शिक्षा ग्रहण की और चंदेरी के सरस्वती विद्यालय में होने वाली कई प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग लिया। जब उनसे इस बारे में चर्चा की गई तो उनका कहना था जाति और धर्म का योग से कोई लेना देना नहीं है हमें योग को लेकर जातियों धर्म से अलग रखकर देखा जाना चाहिए। योग जीवन जीने की कला है यह सभी को करना चाहिए। इसे किसी धर्म और मजहब से नहीं जोड़ा जाना चाहिए। योग है तो जीवन है और अब योग ही जीवन का आधार है। वह अब तक सैकड़ो बच्चों को योग का प्रशिक्षण दे चुके हैं और लगातार प्रशिक्षण प्रदान कर रहे हैं। वह कहते हैं और मानते हैं योग ने लोगों की जीवन शैली को बदला है।

जसविंदर कौर भी सिखा रही हैं योग

मुंगावली के भुजरिया तालाब परिसर में जसविंदर कौर लोगों को योग का प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं। इस योग के आयोजन में हर वर्ग के लोग भाग ले रहे हैं। इसमें सभी वर्गों को उनके द्वारा बुलाया गया है न कोई जाति है न कोई धर्म है। उन्होंने कहा कि सरस्वती स्कूल में भी सुबह 8 से 9 बजे तक योग का प्रशिक्षण देती हैं और भुजरिया तालाब पर सुबह 6 से 7 बजे प्रशिक्षण प्रदान करती हैं। वह शासकीय माध्यमिक विद्यालय में शिक्षक हैं। उनका कहना है कि योग जीवन जीने की कला है। जब आपकी आत्मा और अंतर्मन को योग सकारात्मक से भर देता है तब हमें नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति मिलती है और सकारात्मक ऊर्जा से हमारा जीवन बदलता है।

एक हजार शिक्षकों व करीब 3 हजार से ज्यादा विद्यार्थियों को सिखा चुके हैं योग

सैयद शफाकत हुसैन कादरी
गंजबासौदा के योग गुरु

वे कहते हैं कि हम भारतीय का हर पर्व त्यौहार न केवल पूर्ण वैज्ञानिक है बल्कि मानव कल्याण के लिए प्रकृति सम्मत

अंशुमन नितिन यादव ▶▶| गंजबासौदा

गंज बासौदा नगर के एक मुस्लिम युवा ने योग के प्रचार-प्रसार और गांव गांव व जन जन तक पहुंचाने जो अलख जगाई, उसकी मिसाल अनूठी ही है। मुस्लिम समुदाय से आने वाले इस योग प्रेमी युवा की प्रसिद्धी आज योग गुरू के रूप में है। वे पूरे मध्यप्रदेश में योग गुरू सैयद शफाकत हुसैन कादरी के नाम से जाने पहचाने जाते हैं। उनके द्वारा अब तक लगभग एक हजार शिक्षक और तीन हजार से अधिक विद्यार्थियों को योग प्रशिक्षण दिया जा चुका है। मध्यप्रदेश में सरकार द्वारा 2007 से सूर्य नमस्कार प्राणायाम योगाभ्यास का आयोजन किया जा रहा है। कादरी के अनुसार वे पहले दिन से ही इस योगाभ्यास सूर्य नमस्कार प्राणायाम आसन से जुडकर इसका प्रचार प्रसार और प्रशिक्षण देने वाले मुसलमान योग गुरू हैं। भोपाल मे आयोजित विश्व योग सम्मेलन मे भी वे भाग ले चुके है। उनको अब तक सरकार द्वारा योग के क्षेत्र मे योगदान देने पर गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, बासौदा गौरव सम्मान, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस, 12 जनवरी सूर्य नमस्कार दिवस स्वामी विवेकानंद जयंती युवा दिवस पर सम्मानित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त विभिन्न सामाजिक सास्कृतिक संस्थाऔ द्वारा निरंतर उनको सम्मानित व विभूषित किया जाता आ रहा है। योग के अलावा भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार में भी उनका योगदान अतुलनीय है। एमए संस्कृत व योग मे विभिन्न डिग्री प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुके कादरी भारतीय धर्म संस्कृति के पर्व त्यौहार का वैज्ञानिक कारण व निदान के लिए भी बहुत प्रसिद्ध हैं। उनका कहना है हम भारतीय का हर पर्व त्यौहार न केवल पूर्ण वैज्ञानिक है बल्कि मानव कल्याण के लिए प्रकृति सम्मत रचा गया है।

योग हमारी नमाज का अनिवार्य अंग हम उसमें कई आसन करते हैं

कादरी ने बताया कि योग भारत की सबसे प्राचीन विद्या है जो मानव कल्याण के लिए महर्षि पतंजली द्वारा प्रतिपादित की गई। योग का अर्थ जोड़ना होता है। अब जिसका अर्थ ही जोड़ना है, वो लोगों को अलग अलग तो कर ही नही सकता। योग न केवल देश धर्म की सीमाओं से परे है बल्कि जाति वर्ग पंथ समुदाय लिंग सभी से परे है । योग न केवल मानव को मानव से जोड़ता है बल्कि मानव को उसके रचयिता परमपिता परमात्मा से भी जोड़ता है। कादरी का स्पष्ट कहना है इस्लाम की नमाज और कुछ नही रब से जोड़ने का योग ही है। योगाभ्यास प्रतिदिन हर एक मनुष्य के लिऐ अनिवार्य है। खडे होना ताड़ासन, झुकना पादाहस्तासन, शशकासन, वज्रासन, ग्रीवा संचालन क्रिया यही तो योग है और यह सब नमाज के अनिवार्य अंग। योग का सबसे महत्वपूर्ण अंग है ध्यान जो सभी धर्म मे कामन है हर धार्मिक विश्वास मे ध्यान जरूरी है।

योग ने मुझे खड़ा होना सिखाया, मैं इसे मजहब से कैसे जोड़ सकता हूं

मोहम्मद वसीम
पुराना भोपाल

मधुरिमा राजपाल ▶▶| भोपाल

पुराना भोपाल निवासी मोहम्मद वसीम ने कहा कि मुझे अनुवांशिक रूप से कमर की ऐसी बीमारी थी जिस वजह से मेरी कमर झुकी हुई थी और इस बीमारी की वजह से हमारी 6 पीढ़ियों के सदस्यों की कष्टप्रद मृत्यु हुई। मैं और मेरी बहन हम दोनों ही इस कमर दर्द से परेशान थे। इसमें मेरी हालत यूं थीं कि मैं बिस्तर पर लेट भी नहीं पाता था, क्योंकि मैं

दीवार से टिककर ही सो पाता था। ऐसे में दर्द की वजह से मेरी आंखों से आंसू बहते थे। लेकिन फिर मुझे किसी ने योगाचार्य पवनगुरु का नाम बताया। जहां मैं गया और उन्होंने मेरी सभी रिपोर्ट देखी और मुझे योग और प्राणायाम का रास्ता सुझाया। आज योग करते हुए मुझे 25 साल हो गए है और मेरी कमर एकदम सही हो गई है और मुझे काफी स्वास्थ्य लाभ हुआ, या यूं कह सकते हैं कि मुझे नया जीवन मिल गया। ऐसे में योग ने मुझे जीवन दिया है। मुझे खड़ा होना सिखाया है तो इसे मैं मजहब से तो जोड़ ही नहीं सकता। उन्होंने कहा कि इसके लिए मैं रोजाना करीब 2 घंटे तक प्राणायाम, योगाभ्यास, आसन और अन्य कई योग मुद्राओं को करता हूं साथ ही अपने परिवार वालों को भी सिखाता हूं ताकि हमारी पीढ़ियां से चली आ रही अनुवांशिक बीमारी से वे दूर रहें।

नेपाल की माया तमांग यूं तो बुद्धिस्ट हैं...पहले मेरी गर्दन अकड़ी हुई थी और मेरी पीठ झुक गई थी, अब मेरा शरीर लचीला

मैं नेपाल में एक योगाभ्यास का प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करूंगी

नेपाल की माया तमांग यूं तो बुद्धिस्ट हैं। वह पेशे से वरिष्ठ साफ्टवेयर डेवलपर हैं। माया का काम ही स्क्रीन के सामने बहुत ज्यादा समय बिताना होता है। माया कहती हैं कि ऐसे में शारीरिक व्यायाम का समय ही नहीं था। धीरे-धीरे शरीर में जकड़न होने लगा, जिसकी वजह से तनाव और चिड़चिड़ापन बढ़ने लगा। इसका असर मेरे काम पर भी पड़ने लगा। इस बीच मैंने योग की ऑनलाइन क्लास शुरू कर दी। अब मेरे जीवन का पसंदीदा हिस्सा सुबह का योग सत्र है। मैंने इसी साल फरवरी से योगाभ्यास प्रारंभ किया। पहले मेरी गर्दन अकड़ी हुई थी और मेरी पीठ झुक गई थी। मैं काम के बाद सुस्त महसूस करती थी। लेकिन मुझे लगता है कि मेरा शरीर लचीला हो गया है।

शुरू में मेरे लिए योग आसन करना बहुत मुश्किल था। लेकिन धीरे-धीरे योग मुद्रा को करने से पहले योग गुरु ने नींव तैयार करना सीख दिया। अब हम बहुत सारे स्ट्रेच करते हैं जो योग मुद्रा करने में मदद करते हैं। मुझे हर दिन शरीर के अलग-अलग हिस्सों पर ध्यान केंद्रित करना पसंद हैं। अब मैं ईमानदारी से कह सकती हूं कि हमने अपनी अकड़न वाली गर्दन और झुकी हुई पीठ को अलविदा कह दिया है। उम्मीद है जल्द ही मैं भी नेपाल में एक योगाभ्यास का प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करूंगी।

दरअसल, योग गुरु संदीप लोवंशी के ऑनलाइन योग क्लास में करीब 80 लोग अलग-अलग देशों से जुड़े हैं। वे दिनभर में 5 घंटे क्लास लेते हैं। संदीप कहते हैं कि योग का शाब्दिक अर्थ ही है -जोड़ना।

अब अहमदाबाद में योग सेंटर खोलकर लोगों को योग से निरोगी बना रहे

एस. अलफिया अनवी
अहमदाबाद निवासी

अहमदाबाद निवासी एस. अलफिया अनवी ने डॉ. खत्री से योग की शिक्षा ली और अब अहमदाबाद में योग सेंटर खोलकर सैकड़ों लोगों को योग से निरोग रहने के गुण सिखा रही हैं। उनका कहना हैकि योग केवल व्यायाम नहीं है बल्कि एक साधना है, जिससे हम शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करते हैं। ईसाई धर्म के केरल निवासी तरंग तिमोरी ने सांची यूनिवर्सिटी से योग का कोर्स पूरा किया और अब छत्तीसगढ के रायपुर में लोगों को योग सिखा रहे हैं। जब उनसे जब इस प्रतिनिधि ने बात की तो उन्होंने बताया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं है यह हमारे अंदर प्रविष्ट चेतना को जगाने का एक माध्यम है, जिससे हमारा जुड़ाव ईश्वर से हो सकता है। हमारे अंदर शारीरिक, मानसिक आदि बीमारियों का भी योग के द्वारा उपचार किया जा सकता है। ऐसे उदाहरण बताते हैं कि योग अब धर्म और देश की सीमाएं तोड़ मानव मात्र के लिए स्वस्थ्य जीवन का आधार बन रहा है।

10 साल से लगातार करते आ रहे योग, दूसरों को देते हैं प्रेरणा

मोहम्मद शफीक खान
राजगढ़ की बाबा बदख्शानी दरगाह शरीफ के सदर रहे

योग स्वस्थ मानसिकता एवं स्वच्छ व्यवहार करने का एक माध्यम

मुकेश कुमार शर्मा ▶▶| ब्यावरा

राजगढ़ निवासी और देश में प्रसिद्ध बाबा बदख्शानी दरगाह शरीफ के पिछले 2 सालों से सदर रहे मोहम्मद शफीक खान के जिन्होने पीएम मोदी के 2015 के विश्व योग दिवस मनाने का समर्थन करते हुए योग करना शुरू किया जो आज तक जारी है। मोहम्मद शफीक शासकीय सेवा पीडब्ल्यूडी में कर्मचारी होते हुए भी पिछले 10 साल में योग करना नहीं भूलते हैं बल्कि जिले में आसपास लगने वाले योग शिविरों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। जिले में अपनी एक अलग पहचान रखने वाले शफीक का मानना है कि योग किसी धर्म या संप्रदाय का नहीं है यह तो स्वस्थ मानसिकता एवं स्वच्छ व्यवहार करने का एक माध्यम है इससे इंसान की उग्रता समाप्त होती है और वह चिंतन व मननशील बनता है। शफीक मोहम्मद आगे बताते हैं कि उनके परिवार के कई सदस्यों ने योग को दैनिक तौर पर अपनाया है और वह प्रयास भी करते है कि उनके समाज के लोग भी स्वस्थ जीवन एवं मजबूत मष्तिस्क के लिए योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं।

हेल्दी रहने सीख रही थी योग, ऐसा हुआ झुकाव कि डा. यास्मीन ने इसी पर हासिल कर लिया ज्ञान

डॉ. यास्मीन खान
आयुर्वेद कालेज में एनाटॉमी की शिक्षक व योग शिक्षक

हर धर्म के लोगों ने समझा योग का महत्व, पूरे परिवार के साथ करती हैं नियमित योग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

स्वस्थ जीवन का सूत्र बन चुका योग अब धर्म अथवा मजहब से ऊपर उठ चुका है। इसकी वास्तविकता को सभी ने स्वीकारा है। शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय में शरीर रचना विभाग की शिक्षक डॉ. यास्मीन खान इसकी प्रत्यक्ष उदाहरण हैं। हेल्दी जीवन की खातिर उन्होंने योग क्लास ज्वाइन किया और उसमें ऐसी रमी की मणिपुर चक्र विषय पर पीएचडी तक कर लिया। अब कालेज में होने वाली योग संबंधी सभी गतिविधियों में उनकी बराबर की भागीदारी होती है।

डॉ. यास्मीन का कहना है कि योग के जरिए ही स्वस्थ्य जीवन की कल्पना की जा सकती है। इससे स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन की प्राप्ति होती है। इसके महत्व को उनका पूरा परिवार समझ चुका है और सभी नियमित रूप से योगाभ्यास करते हैं। उन्होंने बताया कि उनके पति डॉ. फैजान खान जिला अस्पताल में फिजियोथैरेपिस्ट हैं। उनका काम भी कहीं ना कहीं योग से जुड़ा हुआ है इसलिए योगाभ्यास में उनकी बराबर की भागीदारी होती है। शुरुआती दौर में उन्होंने योग को केवल स्वस्थ रहने के लिए अपनाया था मगर योगाभ्यास के दौरान उन्हें जीवन में इसकी अहमियत का पता चला। योग के प्रति उनका झुकाव इतना अधिक बढ़ा कि उन्होंने अपनी पीएचडी के लिए मणिपुर चक्र अथवा सौर जाल चक्र को विषय बनाया। उन्होंने बताया कि योग और तंत्र में शरीर के सात ऊर्जा केंद्र होते हैं जिसमें से तीसरा मणिपुर चक्र होता है। यह नाभि के पीछे स्थित होता है और अग्नि तत्व से जुड़ा है, जो शक्ति, आत्मविश्वास और पाचन से संबंधित है। इस तरह योग के विभिन्न आसन शरीर के साथ मन को भी स्वस्थ रखने में सहायक होता है इसके माध्यम स्वस्थ जीवन और स्वस्थ समाजाज का सपना साकार होता है। डॉ. यास्मीन आयुर्वेद महाविद्यालय में होने वाले योग से संबंधित तमाम कार्यक्रमों में भागीदारी निभाती है और लोग को इसका महत्व समझाने का प्रयास करती हैं।

कई बीमारियों में मददगार

उन्होंने बताया कि योग के जरिए शरीर को फिट रखा जा सकता है इसके साथ ही इसके माध्यम से कई तरह की बीमारियों को भी नियंत्रित किया जा सकता है। आयुर्वेद के साथ एलोपैथी से संबंधित की विभागों में भी अब योग को महत्व दिया जाता है। हृदय, श्वांस, पेट सहित विभिन्न शारीरिक समस्या को इसके माध्यम से नियंत्रित किया जा सकता है।

रायपुर, शनिवार 21 जून 2025 | आषाढ़ कृष्ण पक्ष एकादशी | वर्ष : 23, अंक : 334 | पृष्ठ : 14+8 = 22 मूल्य : 5.00** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

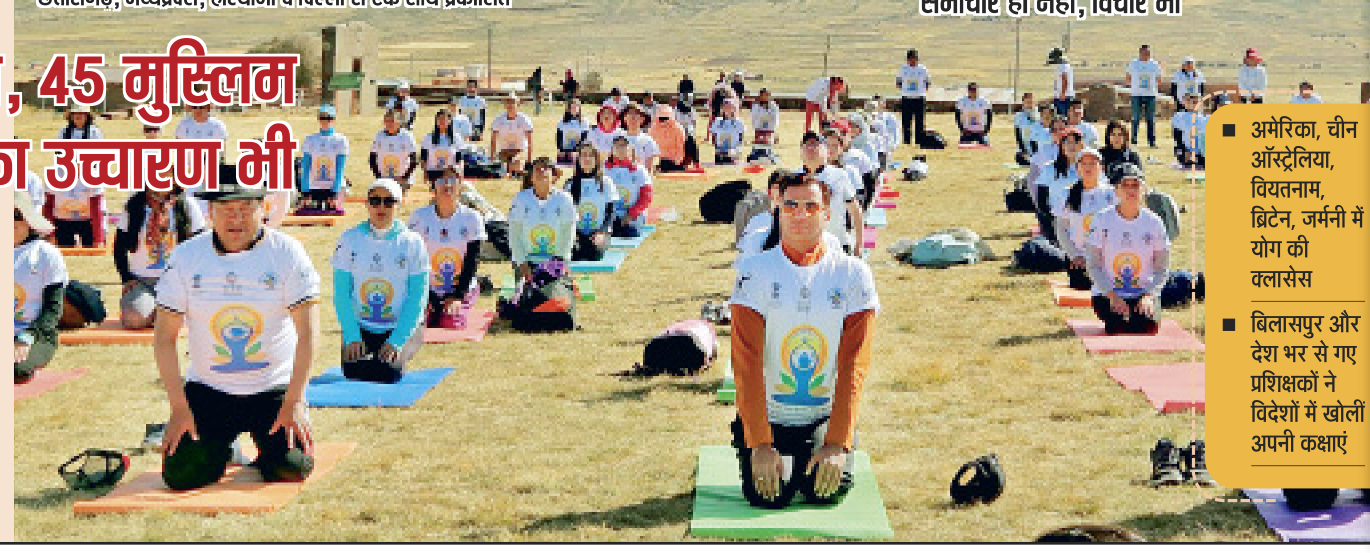

बड़ी कंपनियां भी अपना रही योग

अमेरिका के शिकागो में व्हलर्पुल कंपनी में सीनियर मैनेजर आलोक सक्सेना खुद एक योग टीचर हैं। उन्होंने पहले योग सीखा और अब आनलाइन के साथ ही आफलाइन भी क्लासेस ले रहे हैं। साइंस कालेज बिलासपुर से पढ़कर निकले आलोक पिछले 20 सालों से अमेरिका में परिवार सहित निवास कर रहे हैं। आलोक के अनुसार अमेरिका की बड़ी-बड़ी कंपनियां भी अब योग को अनिवार्य मान रही हैं। आलोक के मुताबिक कंपनियों का ▶▶|शेष पेज 7 पर

170 से ज्यादा देशों में योग, 45 मुस्लिम देशों ने भी अपनाया, ऊं का उच्चारण भी

- अमेरिका, चीन ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, ब्रिटेन, जर्मनी में योग की क्लासेस
- बिलासपुर और देश भर से गए प्रशिक्षकों ने विदेशों में खोली अपनी कक्षाएं

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

योग दिवस

आज योग 170 से अधिक देशों में प्रचलित है। योग का विश्व के 85% से अधिक क्षेत्र में अभ्यास किया जाता है। भारत ने योग के रूप में जो स्वास्थ्य और कल्याण की पूंजी विश्व को दी है, उसे वैश्विक स्तर पर अपनाया जा रहा है। पिछले दस वर्षों में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस ने अभूतपूर्व विस्तार देखा है और योग अब राष्ट्र के साथ ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुका है। अमेरिका, चीन, ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम, ब्रिटेन, जर्मनी में योग की कक्षाओं में होने वाली युवाओं ▶▶|शेष पेज 7 पर

मोनिका ने कराया विश्व में योग का पहला पेटेंट

अब तक 38 पेपर का प्रकाशन, केन्द्र में हिंदू मुस्लिम, सिख, ईसाई कर रहे अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

देश भर में योग गुरू के रूप में पहचान बना चुकी शहर की डा मोनिका पाठक ने सिर्फ योग विषय पर ही 38 पेपर पब्लिश किया है। मोनिका फिलहाल अटल यूनिवर्सिटी में योग अनुदेशक हैं। वे शहर में कई जगहों पर योग की क्लासेस लेतीं हैं। फिलहाल कंपनी गार्डन में उनका शुद्ध योग केन्द्र संचालित है। इस केन्द्र में हिंदूओं के साथ ही मुस्लिम और ईसाई में योगा करते पहुंचते हैं। मोनिका के मुताबिक इस केन्द्र में 6 साल से लेकर 70 साल के लोग योगा करने पहुंचे हैं। सभी ऊं का उच्चारण करते हैं क्यों कि ऊं किसी धर्म विशेष का नहीं है। यह अं उ और म से मिलकर बना है। इस केन्द्र में सद्भावना के साथ ही भोजन मंत्र भी कराया जाता है।

- योग से 9 वर्षों से जुड़ी मोनिका ने डिजाइन त्राटक स्टैंड और यूटिलिटी अष्टांग योग के आठ प्रहार का पेटेंट कराया
- बिलासपुर में संचालित करती हैं शुद्ध योग केन्द्र, 6 साल से लेकर 70 साल के लोग योगा करने नियमित पहुंच रहे हैं

मोनिका बताती हैं कि पहले वह क्रिकेट के नेशनल प्लेयर थीं। इसी बीच ऋषिकेष जाना हुआ। वहां योग के बारे में जाना तो बस जुड़ सी गई। पतंजलि केन्द्र से योग की डिग्री लेने के बाद कई जगहों पर इसका प्रशिक्षण दिया। 2016 में बिलासपुर में इसका सेंटर खोला गया। मोनिका बताती हैं कि बहन श्रीमती मृदुला पाठक शर्मा भी योग से लंबे समय से जुड़ी हैं और वे बिलासपुर के डीपी कालेज में योग अनुदेशक हैं। उनकी बेटी श्यांभवी शर्मा 12 साल की हैं और वह योगा में नेशनल चैंपियन हैं। श्यांभवी तो साढ़े तीन साल की उम्र से योगा कर रही हैं। मोनिका के मुताबिक उनके पिता मदन पाठक (63 साल) और माता ▶▶|शेष पेज 7 पर

योग ने बदला जीने का नजरिया

योगा को नियमित दिनचर्या में शामिल कर चुकी तनवी, तोशीबा, तमन्ना, ताहिरा, अर्शी, थामस, तनवीर, रजिया बेगम बताती हैं कि अगर योग करते हुए समय बिताते हैं, तो आपको जिंदगी के प्रति नया नजरिया मिलता है। आप जान पाते हैं कि छोटे बच्चों, युवा और बढ़ती उम्र के लोगों की लाइफ में क्या बदलाव आ रहे हैं और उन्हें किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता हैं। इससे परिवार के सदस्यों के बीच नजदीकियां बढ़ती हैं। जब आप फैमिली के साथ योग करना शुरू करते हैं, तो छोटे बच्चे भी इस आदत को फालो ▶▶|शेष पेज 7 पर

छग के उत्तरी इलाके में जमकर बारिश

मैनी नदी में बाढ़, दो महिलाएं और दो बच्चे बहे, तलाश जारी

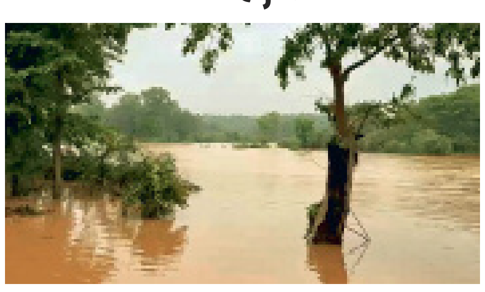

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सीतापुर

क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से नदी नाले उफान पर हैं। इस बीच मैनी नदी में अचानक आई बाढ़ में एक ही परिवार के चार लोग बह गए। बाढ़ में बहने वालों में दो महिलाएं और दो बच्चे शामिल हैं। परिवार के सभी सदस्य गांव के समीप मौजूद मैनी नदी किनारे खुखड़ी बीनने गए हुए थे, इसी दौरान अचानक बाढ़ आ गई और उन्हें संभलने का मौका नहीं मिला। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ▶▶|शेष पेज 7 पर

पूर्व मंत्री ने की कलेक्टर से बात

मैनी नदी में ढोढागांव के दो महिलाओं और दो बच्चों समेत चार लोगों के बहने की सूचना मिलने के बाद पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने तत्काल सरगुजा कलेक्टर एवं सीतापुर एसडीएम से फोन में चर्चा कर नदी में गोताखोर टीम को सक्रिय करने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने पीड़ति परिवार को हर सम्भव मदद एवं जल्द से जल्द खोजबीन करने की चर्चा की।

25 साल में पहली बार ऐसी बाढ़

मैनी नदी में आई बाढ़ ने विकराल रूप ले लिया है। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से नदी का जलस्तर बढ़ रहा था और गुरुवार को भी नदी में कमर तक ही पानी था। गांव के बुजुर्गों का कहना है कि नदी में लगभग 20 से 25 साल बाद इस तरह से अचनका बाढ़ आई है। इस घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है और पूरा गांव महिलाओं और बच्चों की तलाश में जुटा हुआ है। ग्रामीणों को कुछ कपड़े ही मिले हैं लेकिन यह भी पुष्टि नहीं हो पाई है कि कपड़े बहने वाले बच्चों या महिलाओं के थे।

इजरायल ने की जमकर बमबारी, ईरानी परमाणु वैज्ञानिक की मौत, ईरान ने भी मचा दी तबाही

चीन के 3 मिस्ट्री कार्गो प्लेन ईरान में उतरे, हथियार सप्लाई का अंदेशा!

एजेंसी ▶▶| तेलअवीव-तेहरान

इजरायल-ईरान युद्ध के बीच चीन के तीन कार्गो विमान मिड-एयर ट्रांसपोंडर बंद कर ईरान पहुंच ने के बाद आशंका जताई जा रही है कि चीन ने इजरायल-ईरान युद्ध में चुपचाप एंट्री ले ली है। ड्रैगन के 3 मिस्ट्री कार्गो प्लेन तेहरान पहुंचने के बाद यूए वइजरायल की टेंशन बढ़ गई है। हालांकि इन एयरक्राफ्ट में क्या था, इसका खुलासा अभी तक नहीं हो पाया है लेकिन समझा जा रहा है कि इन विमानों में हथियारों की सप्लाई की गई है। कयास यह भी लगाए जा रहे हैं कि क्या चीन ने ईरान को कोई हथियार या फिर एयर डिफेंस सिस्टम सप्लाई किया है। इजरायल के खिलाफ युद्ध में चीन और रूस, ईरान के पक्ष में खड़े दिखाई पड़ रहे हैं। इजरायल ने गुरुवार से लेकर शुक्रवार तक अपने 60 फाइटर जेट से ईरान पर मिसाइलों की बारिश कर दी।

अमेरिका इन हमलों में शामिलः ईरान

ईरान के विदेश मंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि मिसाइल क्षमताओं को लेकर कोई बातचीत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि ईरान का मिसाइल सिस्टम एक डिफेंसिव पावर है और उसका उद्देश्य किसी पर आक्रमण करना नहीं है। उन्होंने अमेरिका को इज़रायल का साझेदार और हमलावर गतिविधियों में सहयोगी बताया। अराघची ने ट्रंप के बयानों का हवाला देते हुए कहा कि ट्रंप ने खुद स्वीकार किया है कि 'ये हमने यह किया' जिससे साफ है कि अमेरिका सीधे इन हमलों में शामिल है।

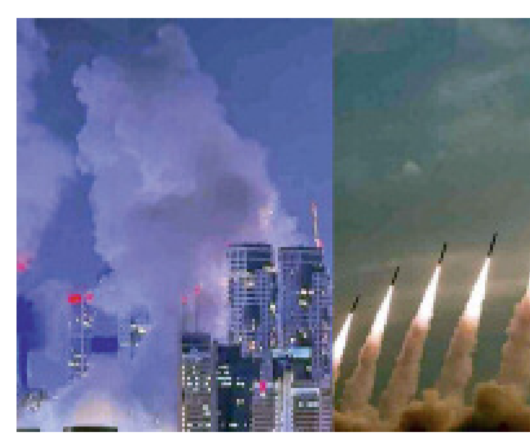

ईरान ने खोला भारत के लिए अपना एयरस्पेस

इजराइल-ईरान जंग के बीच भारतीय छात्रों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने की कवायद तेज हो गई है। ईरान ने भारतीयों को सुरक्षित निकालने के लिए अपना एयरस्पेस खोल दिया है। अभी तक 600 भारतीय छात्रों को मशहद में सुरक्षित ठिकानों पर पहुंचाया गया है। 500 कश्मीरी छात्र हैं। यह भारतीय छात्रों का दूसरा समूह है जिसे तुर्कमेनिस्तान ले जाया जाएगा। यहां से वे दिल्ली के लिए उड़ान भरेंगे।

ट्रम्प बोले- दो हफ्तों में लेंगे फैसला

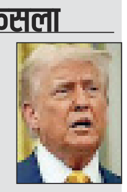

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि वे दो हफ्तों में फैसला लेंगे कि अमेरिका, इजराइल और ईरान संघर्ष में शामिल होगा या नहीं। इससे पहले माना जा रहा था कि अमेरिका इस हफ्ते तक ईरान के साथ संघर्ष में शामिल हो जाएगा लेकिन ट्रम्प के बयान से जाहिर है कि इजराइल को लड़ाई अकेली ही लड़नी होगी।

नेतन्याहू ने कहा- परमाणु ढांचे नष्ट करेंगे

इजरायल, ईरान के परमाणु और मिसाइल बुनियादी ढांचे को खत्म करने के लिए आगे बढ़ रहा है, उन्होंने ट्रंप को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल कैट्ज ने कहा कि ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को 'अब और जिंदा रहने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

अमेरिका को अपूरणीय क्षति होगी : खामेनेई

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई ने ट्रंप की सरेंडर वाली अपील को खारिज करते हुए चेतावनी दी कि किसी भी अमेरिकी सैन्य हस्तक्षेप से निस्संदेह अपूरणीय क्षति होगी। ईरान ने ज़ोर देकर कहा कि अमेरिका के साथ कोई बातचीत संभव नहीं जब तक इज़रायल के हमले बंद नहीं होते।

पीडब्लूडी और बिजली कंपनी के अफसर रिश्वत के साथ धरे गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने बस्तर तथा मुंगेली में दो अलग-अलग कार्रवाई करते हुए पीडब्लूडी के ईई तथा विद्युत विभाग के जेई को रिश्वत लेने के ▶▶|शेष पेज 7 पर

बिजली चोरी का आरोप 15 हजार घूस लेते धरा गया

मुंगेली, पाली निवासी नंद कुमार साहू की शिकायत पर एसीबी की टीम ने लोरमी सीएसपीडीसीएल के कनिष्ठ अभियंता कृष्ण कुमार गुप्ता को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। नंद कुमार ने बिलासपुर एसीबी में जेई के खिलाफ लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। नंद कुमार के अनुसार उसने अपने घर में मीटर लगाने आवेदन लगाया था। इस पर जेई ▶▶|शेष पेज 7 पर

एअर इंडिया ने चार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों समेत आठ उड़ान रद्द कीं

मुंबई। एअर इंडिया ने रखरखाव और परिचालन संबंधी कारणों से चार अंतरराष्ट्रीय उड़ानों सहित आठ उड़ान शुक्रवार को रद्द कर दीं। एअर इंडिया ने कहा कि यात्रियों को जल्द से जल्द उनके गंतव्य स्थल तक पहुंचाने के लिए उसकी टीम वैकल्पिक व्यवस्था कर रही हैं। उसने यात्रियों को टिकट रद्द कराने पर पूरा पैसा लौटाने या पूरक व्यवस्था की पेशकश भी की है। जिन अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द किया गया है, उनमें दुबई से चेन्नई के लिए एआई906, दिल्ली से मेलबर्न के लिए एआई308, मेलबर्न से दिल्ली के लिए एआई309 और दुबई से हैदराबाद के लिए एआई2204 शामिल हैं।

मुठभेड़ में 8 लाख की ईनामी महिला नक्सली शांति मारी गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मोहला

मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले से सटे बस्तर के छोटेबेठिया थाना क्षेत्र में सुबह नक्सलियों और सुरक्षा बल के जवानों के साथ हुई मुठभेड़ में 8 लाख की ईनामी वर्दीधारी महिला नक्सली शांति मारी गई है। वहीं दो बंदूक असलाह सहित भारी मात्रा में नक्सल सामग्री बरामद किए हैं। शुक्रवार सुबह छोटेबेठिया थाना क्षेत्र के कोतरी नदी पार के ग्राम आमाटोला ▶▶|शेष पेज 7 पर

यह हथियार हुए बरामद

मुठभेड़ में वर्दी धारी महिला नक्सली के शव के साथ-साथ 303 रायफल 1 नग, देशी बीजीएल लांचर 1 नग, 303 7 नग, वाकीटॉकी 1 नग, पिट्ठू 2 नग, बैटरी मोबीइल चार्जर 2 नग ,नक्सल साहित्य, दवाइयां तथा भारी मात्रा में अन्य दैनिक उपयोगी सामाग्री बरामद किए गए हैं।

स्मार्ट छत्तीसगढ़

तकनीक, सुविधा और करियर का संगम...

छत्तीसगढ़ की तस्वीर अब बदल रही है। इंटरनेट से लेकर होम थिएटर तक, फ्रिज से लेकर वॉटर प्यूरीफायर तक और शिक्षा से लेकर सुरक्षा तक — हर क्षेत्र में स्मार्ट समाधान उपलब्ध हैं। यह बदलाव केवल उपभोक्ताओं के जीवन को बेहतर नहीं बना रहा, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था और जीवनशैली को भी एक नया आयाम दे रहा है।

आज का उपभोक्ता समझदार है- वह गुणवत्ता, सुविधा और सेवाओं को बराबर महत्व देता है। और बाजार अब तैयार है उसे हर उस चीज़ की पेशकश करने के लिए जो उसे स्मार्ट, सुरक्षित और बेहतर जीवन दे सके।

छत्तीसगढ़ अब तेजी से डिजिटल, स्मार्ट और सुविधाजनक जीवनशैली की ओर बढ़ रहा है। चाहे बात हो घर की ज़रूरतों की या छात्रों के भविष्य की — हर दिशा में नये विकल्प उभरकर सामने आ रहे हैं। इस बदलाव में तकनीक, घरेलू उपकरण, सुरक्षा व्यवस्था और कोचिंग संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

इंटरनेट और कनेक्टिविटी: अब हर कोना कनेक्टेड

आज के डिजिटल युग में तेज़ इंटरनेट कोई विलासिता नहीं, बल्कि ज़रूरत बन चुका है। छत्तीसगढ़ के छोटे-बड़े शहरों और कस्बों में अब ऑप्टिकल फाइबर के ज़रिए हाई-स्पीड इंटरनेट की सुविधाएं मिल रही हैं। लोकल इंटरनेट सर्विस प्रोवाइडर, CATV समाधान और डिजिटल वायरिंग सिस्टम लोगों के घरों तक स्मार्ट कनेक्टिविटी पहुँचा रहे हैं।

ऑनलाइन पढ़ाई, वर्क फ्रॉम होम, ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म और स्मार्ट होम डिवाइसेज़ अब इन्हीं नेटवर्क के भरोसे हैं। इसी के साथ, घरेलू नेटवर्क की सुरक्षा और स्टेबिलिटी के लिए क्वालिटी केबल्स और उपकरण भी उपलब्ध हैं।

घर बने स्मार्ट और आरामदायक

घरेलू जीवन को बेहतर बनाने के लिए स्मार्ट होम एप्लायंसेज़ की मांग तेज़ी से बढ़ी है। Samsung, LG, Whirlpool, Godrej जैसे विश्वसनीय ब्रांड अब नए जमाने के तकनीकी सुविधाओं से लैस फ्रिज, वॉशिंग मशीन, माइक्रोवेव ओवन और एयर-कंडीशनर पेश कर रहे हैं।

MI, OnePlus, Haier और TCL जैसे ब्रांड भी अब किफायती रेंज में स्मार्ट LED TV और होम थिएटर सिस्टम लेकर आ रहे हैं, जिससे हर घर सिनेमाघर का मज़ा ले सकता है। आज का उपभोक्ता केवल प्रोडक्ट नहीं, एक बेहतर अनुभव चाहता है — और यही अनुभव इन ब्रांड्स द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है।

गर्मी से राहत: AC और स्टेबलाइज़र की बढ़ती ज़रूरत

छत्तीसगढ़ की तपती गर्मी में अब हर घर में एसी और स्टेबलाइज़र की माँग ज़बरदस्त बढ़ी है। इन्वर्टर टेक्नोलॉजी, डुअल-कूल और एनर्जी-सेविंग फीचर्स वाले AC अब ग्राहकों की पहली पसंद बन रहे हैं।

इन्हें सुरक्षित रूप से चलाने के लिए ज़रूरी है भरोसेमंद वोल्टेज स्टेबलाइज़र, जो इलेक्ट्रॉनिक्स की उम्र बढ़ाने में मदद करते हैं। बाजार में उपलब्ध उच्च गुणवत्ता वाले स्टेबलाइज़र अब गर्मी में बिना रुकावट कूलिंग अनुभव देने में मदद कर रहे हैं।

इलेक्ट्रिकल और सुरक्षा समाधान: आज की प्राथमिकता

घर की सुरक्षा अब पहले से कहीं ज़्यादा जरूरी हो गई है। CCTV कैमरा सिस्टम, डोर लॉक अलार्म, सेंसर और रिमोट मॉनिटरिंग वाले उपकरण अब छोटे घरों से लेकर बड़े व्यवसायों तक पहुंच चुके हैं।

उच्च गुणवत्ता वाले वायर, स्विच, MCB, इनवर्टर और अन्य इलेक्ट्रिकल आइटम्स की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है — जो न सिर्फ सुविधा बढ़ाते हैं बल्कि सुरक्षा भी सुनिश्चित करते हैं।

शुद्ध जल, स्वस्थ जीवन

बढ़ते प्रदूषण और मिलावट के दौर में वॉटर प्यूरीफायर अब हर रसोई का हिस्सा बन गया है। RO, UV और UF तकनीक से लैस वाटर प्यूरीफायर घर में शुद्ध पानी की गारंटी देते हैं। ग्राहकों की बढ़ती जागरूकता और स्वास्थ्य के प्रति चिंता के चलते इन उपकरणों की मांग लगातार बढ़ रही है।

शिक्षा और करियर: BRDS जैसी कोचिंग संस्थाएं उम्मीद की किरण

घर की भौतिक सुविधाओं के साथ-साथ भविष्य निर्माण में भी छत्तीसगढ़ आगे बढ़ रहा है। BRDS (Bhanwar Rathore Design Studio) जैसे संस्थान अब रायपुर समेत कई शहरों में डिज़ाइन, आर्किटेक्चर और फैशन को लेकर करियर की नई संभावनाओं के दरवाज़े खोल रहे हैं।

NATA और JEE Paper-2 जैसी परीक्षाओं के लिए BRDS न केवल शैक्षणिक मार्गदर्शन देता है, बल्कि छात्र की क्रिएटिविटी और सोच को भी दिशा देता है। आज के छात्र न केवल डॉक्टर या इंजीनियर बनना चाहते हैं, बल्कि आर्किटेक्ट, डिजाइनर और इनोवेटर बनने का सपना भी देख रहे हैं — और ऐसे में BRDS जैसे संस्थान उनके सपनों को उड़ान दे रहे हैं।

ITM UNIVERSITY®

B+ ACCREDITED 2024

www.itmuniversity.org

Experiential Learning at its BEST

#JiyoJeetKar

Join ITM University - NAAC B+ Accredited - #1 University in C.G.

Why ITM University?

100% Job Placement Assistance | 25 Global Collaborations | 950+ Corporate Recruiters | 10,000+ Alumni Network

- Opportunity to get placed in Tier-I Cities of India.
- Industry Experienced Professors.
- Bus Services from Raipur, Durg, Bhilai & Rajim.
- 25 Acres of Lush Green Campus with Hi-Tech Labs.
- Separate Hostels for Boys & Girls.

Awards & Ranking

RANKED No. 1 By UniRank, 2024

Green Champion Award By Ministry of Education

RANKED Gold Band Grade Under OBE Rankings 2023

RANKED No. 1 in Chhattisgarh and 13TH in India the Band Promising Category by ARIIA

4 Star Rating by Institution Innovation Council, Ministry of Education, Govt of India

Some of our Top Recruiters

accenture, PlanetSpark, ITC Limited, Godrej, Dainik Bhaskar Group, HYATT, Radisson Hotel, Muthoot Finance, Nilon's, lenskart, IndusInd Bank, P&G, TITAN EYE+, Tech Mahindra

Admissions Open 2025

BBA
- Digital Marketing
- Marketing
- Entrepreneurship
- Human Resource

- **BBA** in Banking and Finance
- **BBA** in Supply Chain & Logistic Management

MBA *iConnect*
Dual Specialization
- Human Resource
- Marketing
- Finance
- Business Analytics
- Entrepreneurship & Family Business

B.Com (Hons.)
- Marketing
- Entrepreneurship
- Banking
- Finance

B.Tech C.S.E.
- CTIS: Cloud Technology & Information Security
- Artifical Intelligence & Machine Learning (AI & ML)
- Data Science.

BCA
- CTIS: Cloud Technology & Information Security
- MAIS: Mobile Application & Information Security

B.Sc (Hons.)
- Microbiology
- Biotechnology

M.Sc
- Microbiology

MCA

BBA LL.B (Hons.)
- Crime & Criminology
- Intellectual Property laws
- Business Law

LLM

B.Sc. IHTM
(International) Hospitality and Tourism Management

B.A. (Hons.)
- Psychology

Ph.D
In Various Disciplines

B. Tech Lateral Entry Available

Placement Highlights

12 LPA IDBI BANK | 10 LPA LIDO | 8 LPA APPCINO

7.2 LPA jaro education | 6.6 LPA PlanetSpark | International Placement DUBAI GRAND HYATT

Admission Enquiry: +91 98265 98201 / 02

Admission Offices

Campus : ITM University, Uparwara, Atal Nagar, Nava Raipur, C.G.

Raipur : 3rd Floor, Shyam Plaza, Pandri, Raipur, C.G.

Bhilai : Shop No. 172, Chouhan Estate, G.E. Road, Bhilai. C.G.

SCAN THE QR CODE TO APPLY ONLINE

स्वास्थ्य जागरूकता का वैश्विक अभियान योग

आज दुनिया योगमय होगी। संयुक्त राष्ट्र में विश्व योग दिवस मनाया जाएगा। भारत ने जब 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने के लिए वर्ष 2014 में संयुक्त राष्ट्र में वकालत की थी, तब से अब तक योग दिवस एक अंतरराष्ट्रीय उत्सव व स्वास्थ्य जागरूकता का वैश्विक अभियान बन चुका है। पहला योग दिवस वर्ष 2015 में मनाया गया था। दुनिया ने खुले मन से भारत के योग को अपनाया और अच्छे स्वास्थ्य में योग के योगदान को समझा। भारत 191 देशों में योग दिवस कार्यक्रम आयोजित करेगा। इस अवसर पर शनिवार को विश्वभर के 1,300 से अधिक स्थानों पर 2,000 से अधिक योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों से देश की प्राचीन परंपरा और सौम्य ताकत को प्रदर्शित किया जाएगा। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर) के अनुसार, पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चायोग भी इस अवसर पर इस्लामाबाद में योग कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस बार अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की 10वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है। आईसीसीआर 'योग बंधन' नामक विशेष कार्यक्रम भी आयोजित कर रही है, जिनमें ब्राजील, अर्जेंटीना, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया, श्रीलंका, इंडोनेशिया, सिंगापुर और दक्षिण कोरिया सहित 15 देशों के 17 योग गुरुओं और प्रशिक्षकों की भागीदारी रहेगी। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य समारोह आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में होगा। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) भी देशभर में 81 स्मारक स्थलों पर योग सत्र आयोजित करेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अहमदाबाद के निकट प्रतिष्ठित बावड़ी 'अडालज वाव' में आयोजित कार्य्रकम में शामिल होंगे। 21 जून को सभी एएसआई स्थलों पर जनता के लिए प्रवेश निःशुल्क रहेगा। हजारों प्रतिभागी ऐतिहासिक स्थलों जैसे पुराना किला (दिल्ली), गोल गुम्बज (कर्नाटक), कोणार्क सूर्य मंदिर (ओडिशा), चित्तौड़गढ़ किला (राजस्थान), एलीफेंटा गुफाएं (महाराष्ट्र) और एएसआई के 76 अन्य स्थलों पर योग का अभ्यास करने के लिए एकत्रित होंगे। संस्कृति मंत्रालय आज देशभर में 100 प्रसिद्ध स्थलों और 50 अन्य सांस्कृतिक स्थलों पर योग सत्र आयोजित करेगा, जिनमें यूनेस्को के कुछ विरासत स्थल भी शामिल हैं। यूनेस्को के जिन विश्व धरोहर स्थलों में योग सत्र आयोजित किए जाएंगे, उनमें चराईदेव मोइदम (असम), रानी की वाव और धोलावीरा (गुजरात), हम्पी और पट्टाडकल (कर्नाटक), खजुराहो स्मारक समूह और सांची स्तूप (मध्य प्रदेश), कोणार्क का सूर्य मंदिर (ओडिशा), एलीफेंटा गुफाएं (महाराष्ट्र) और तंजावुर का बृहदीश्वर मंदिर (तमिलनाडु) शामिल हैं। मंत्रालय के मुताबिक, प्रमुख सांस्कृतिक और ऐतिहासिक स्थल जैसे गोलकुंडा किला और सालारजंग संग्रहालय (हैदराबाद), हुमायूं का मकबरा, पुराना किला और सफदरजंग मकबरा (दिल्ली), जलियांवाला बाग (पंजाब), चित्तौड़गढ़ और कुंभलगढ़ किले (राजस्थान), लेह पैलेस (लद्दाख), परी महल (श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर), बेकल किला (केरल), और हजारद्वारी तथा कूच बिहार पैलेस (पश्चिम बंगाल) जैसे अन्य स्थलों पर भी योग सत्र आयोजित किए जाएंगे। कोरोना के बाद योग ने लोगों को स्वस्थ रखने में अहम भूमिका निभाई है। आज योग लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा है। देश के अनेक योग मनीषियों ने इसे आम लोगों तक ले जाने में अहम भूमिका निभाई है। आज हम योग को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लें।

योग दिवस
अखिलेश आर्येन्दु

> वैदिक दर्शन के सबसे महत्वपूर्ण, उपयोगी और सर्वहितकारी हिस्से के रूप में योगासन, ध्यान, ज्ञान और अध्यात्म-विज्ञान बताया गया है। शास्त्रकारों के मुताबिक योग ऐसी जीवन-क्रिया व पद्धति है जिसका महत्व और उपयोग जाग्रत अवस्था में तो है ही, नींद और समाधि लगाने के समय भी है। सेहतमंद रहने का इससे बेहतर उपाय दूसरा कोई नहीं है। ऋषि पतंजलि ने इसे वेद से निकालकर योगदर्शन के जरिए इसका विस्तार किया और इसे सर्वसुलभ, सर्वहितकारी, सर्वगुणात्मक और परम व्यावहारिक बना दिया। शरीर की सारी क्रियाएं और जीवन-व्यवहार पूरी तरह संतुलित होता है, वह व्यक्ति सेहतमंद है और जो सेहतमंद है वही सुखी है।

योग ने सिखाया जीने का तरीका

आज योग दिवस दुनियाभर में मनाया जा रहा है। बेहतर सेहत, सुख, शांति और मूल्यपरक जिंदगी जीने का तरीका योग के जरिए ही सीखा जा सकता है। यही वजह है कि 21वीं शताब्दी में बेहतर सेहत, वैचारिक शांति और मन में शांति की सुलभता के मद्देनजर योगासन और ध्यान की पद्धतियों, इसकी उपयोगिता और फायदे को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा होती आई है। वैदिक दर्शन के सबसे महत्वपूर्ण, उपयोगी और सर्वहितकारी हिस्से के रूप में योगासन, ध्यान, ज्ञान और अध्यात्म-विज्ञान बताया गया है। शास्त्रकारों के मुताबिक योग ऐसी जीवन-क्रिया व पद्धति है जिसका महत्व और उपयोग जाग्रत अवस्था में तो है ही, नींद और समाधि लगाने के समय भी है। सेहतमंद रहने का इससे बेहतर उपाय दूसरा कोई नहीं है। ऋषि पतंजलि ने इसे वेद से निकालकर योगदर्शन के जरिए इसका विस्तार किया और इसे सर्वसुलभ, सर्वहितकारी, सर्वगुणात्मक और परम व्यावहारिक बना दिया। अक्षरों को शब्दों में और शब्दों को श्लोकों के माध्यम से जन-जन को उपलब्ध कराकर शरीर, मन, प्राण, आत्मा और चेतना को पवित्र, शक्तिशाली, निरोग और जाग्रत कर दिया। वैदिक ऋषि परम्परा में मानव जीवन की पूर्णतः के लिए जो चार पुरुषार्थ बताए गये हैं उनमें धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष हैं।

अष्टांग योग के जरिए इन चारों पुरुषार्थों को जिंदगी का हिस्सा बनाकर जीवन को पूर्णता दिलाई जा सकती है। ये चारों पुरुषार्थ वैदिक धर्म ग्रंथों में वर्णित हैं, लेकिन दूसरे मजहबी किताबों में इसे अलग तरह से समझाया गया गया है। इसलिए विश्व ने जब 21 जून 2015 को योग दिवस मनाना शुरू किया तो उसे कोई विशेष समस्या नहीं हुई। क्योंकि योगासन शरीर, मन और आत्मा के सेहतमंद होने का सूत्र, विधि और क्रिया हर व्यक्ति के लिए फायदेमंद और उपयोगी लगी।

आज दुनिया के तकरीबन 200 देश योगासन और ध्यान की तमाम विधियों को अपना चुके हैं। भारत योग के जरिए फिर विश्व गुरु बनने की राह पर आगे बढ़ चुका है। एक दशक में दुनिया का हर इंसान योग को अपने लिए सुखदायी और शांतिपरक अनुभव कर रहा है। उपनिषदों में मानव को जिन आदर्शों के साथ सार्थक जीवन जीने का उपदेश दिया गया है, उनके सूत्र के रूप में 'असतो मा सद्गमय, तमसो मा ज्योतिर्गमय और मृत्युर्मा अमृतम गमय है, इन्हें जानना जरूरी है। योगदिवस को विश्व स्तर पर मनाने का प्रयोजन यह भी रखा गया कि इसके जरिए विश्व सभी लोग आपस में जुड़ेंगे ही नहीं बल्कि हर तरह की जटिलाओं, समस्याओं, बीमारियों और संकटों से मुक्त होकर जीवन को सौ से भी अधिक वर्ष तक जीने के लिए खुद को तैयार करेंगे। वैदिक परंपरा सनातन और चिर नवीन कही जाती है। इस परंपरा में योग सहित जितना वैदिक ज्ञान उपलब्ध है वह जितना पुरातन है उतना ही चिर नवीन भी। महर्षि चरक ने मन को इंद्रिय एवं विषयों से अलग होकर आत्मा में स्थिर होना योग कहा है। वशिष्ठ संहिता के अनुसार मन को शांत करने का सबसे बेहतर तरीका योग के जरिए ही जाना जा सकता हैं। अमरकोश में योग को ध्यान और संगति का वाचक माना गया है। भगवान कृष्ण गीता में कहते हैं, समत्वं योग उच्यते, यानी कर्म की सफलता और असफलता में निष्काम भाव से कर्म करना योग है। आधुनिक जीवनशैली अर्थप्रधान होने

की वजह से हम खुद पर ध्यान नहीं दे पाते हैं। इसलिए शरीर, मन, प्राण व आत्मा सभी स्तरों पर हमारा संतुलन बिगड़ा रहता है। आयुर्वेद के अनुसार देश-दुनिया का हर व्यक्ति किसी न किसी बीमारी या परेशानी से जूझ रहा है। अपनी समस्याओं का हल वह खुद से खुद में न ढूंढकर किसी अस्पताल या डॉक्टर के जरिए ढूंढता रहता है यानी जीवन में द्वंद्व के हालात हमेशा बने रहते हैं। इन हालात से बिना किसी आर्थिक दबाव के निपटने के लिए योगासन-ध्यान से बेहतर कोई उपचार या समाधान नहीं है। हमारी जिंदगी समस्याओं का पिटारा बन गई है। ये समस्याएं या दुश्वारियां योग-साधना के जरिए बेहतर तरीके से खत्म या कम की जा सकती हैं।

अष्टांगयोग के जरिए शारीरिक, मानसिक, आत्मिक, पारिवारिक व सामाजिक समस्याओं या परेशानियों से मुक्त हुआ जा सकता है। शरीर सभी साधनों और साध्यों (उद्देश्यों) का आधार है। और शरीर, मन, प्राण को सेहतमंदक, पवित्र, तन्दुरुस्त और संतुलित होना जरूरी है, क्योंकि सभी सफलताएं इनके सेहतमंद होने से ही मिल सकती हैं। आयुर्वेद के अनुसार जिसका वात, पित्त व कफ संतुलित है, जठराग्नि भी संतुलित हो, शरीर को धारण करने वाली सात धातुएं-रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा और वीर्य का अनुपात सम हो, दश इंद्रियां, मन और आत्मा और मल-मूत्र की प्रवृति ठीक हों, वह सेहतमंद व्यक्ति कहा जाता है। शरीर की सेहतमंदता मन और आत्मा से जुड़ी हुई है। इसलिए योगदर्शन में ऋषि पतंजलि ने योग के आठों अंगों में पहले पांच अंग (बाह्य अंग) शरीर, मन, प्राण की सेहतमंदता से जोड़ा हैं और तीन अंग (आंतरिक अंग) आत्मा की उन्नति और मोक्ष से ताल्लुक रखते हैं। योग में बताया गया है- षड्कर्म के लिए उत्साह और उल्लास जरूरी है। पूरे मनोवेग से शरीर, मन, प्राण और आत्मा को पवित्र और शक्तिशाली बनाने का संकल्प जरूरी है। षट्कर्म के अंतर्गत नेति-धौति से शरीर शुद्धि, आसन से शारीरिक व मानसिक रोग से छुटकारा और प्राणायाम से शरीर में हल्कापन और निरोगता, प्रत्याहार से मन की शुद्धि और स्थिरता, ध्यान से आत्मदर्शन और समाधि से दुख या आवागमन से मुक्ति। षट्कर्म का साधक व्यक्ति अपना तो कल्याण करता है ही, परिवार, समाज, दर्शन और विज्ञान की उन्नति होती है। योग-ध्यान के अभ्यास के जरिए कई प्रकार की ऊर्जाएं वातावरण से हासिल की जा सकती हैं। इसमें कुछ ऊर्जा शरीर में खर्च हो जाती है और कुछ ऊर्जा संग्रहित होती रहती हैं। हमारे शरीर में 12 अलग-अलग प्रकार के मुख्य मेरीडियन हैं जिसके द्वारा शरीर के अलग-अलग तरह के अवयवों तक ऊर्जा प्रवाहित होती है। जिस अवयव में ऊर्जा का प्रवाह उचित मात्रा में होता है, वह अवयव सेहतमंद रहता है और जिस अवयव में ऊर्जा का प्रवाह कम या अधिक होता है या अवरोध हो जाता है, उस अवयव में बीमारी पैदा हो जाती है। यह ऊर्जा का प्रवाह समुचित मात्रा में है या नहीं या अवरोध पूरी तरह से है इसे बायोफीड बेक ऊर्जा मापने वाले यंत्र द्वारा मापा जाता है। साथ ही ऊर्जा प्रवाह को इस यंत्र द्वारा संतुलित भी किया जा सकता है। ह

मारी जिंदगी का मकसद सबसे पहले खुदं को सेहतमंद रखते हुए दूसरों को भी सेहतमंद और सुखी रखने का होना चाहिए। यह तभी संभव है जब हमारा मन, चित्त, हृदय और आत्मा सभी पवित्र और संतुलित होंगे। हमारे अंदर मनस चेतना और आत्म चेतना दोनों पूरी तरह जाग्रत और शक्तिशाली होंगे। कहने का भाव यह है कि शरीर की सारी क्रियाएं और जीवन-व्यवहार पूरी तरह संतुलित होता है, वह व्यक्ति सेहतमंद है और जो सेहतमंद है वही सुखी है। त्याग की प्रबल और अहंकार विहीन भावना, ज्ञान की अहंकार रहित भावना और धन की अहंकार रहित भावना से यदि हमारा जीवन सिंचित है तो, हम मानव जीवन के परम लक्ष्य मोक्ष पाने के अधिकारी बन सकते हैं।

(लेखक चिंतक व पर्यावरण संरक्षक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष
श्वेता गोयल

वैश्विक संकटों के दौर में जीवन का संबल है योग

आज की भागदौड़ भरी दुनिया में जब तनाव, अवसाद, चिंता और रोगों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, तब योग न केवल एक शारीरिक अभ्यास के रूप में बल्कि मानसिक और आत्मिक शांति का मार्ग बन चुका है। वर्ष 2025 में 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' की थीम के साथ जब 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जा रहा है तो यह अवसर पूरी दुनिया को यह संदेश देता है कि योग स्वास्थ्य, संतुलन और आत्म-साक्षात्कार के लिए एक सार्वभौमिक समाधान है। योग अब केवल भारत की सांस्कृतिक धरोहर नहीं रहा बल्कि विश्व स्तर पर यह एक व्यापक स्वास्थ्य पद्धति के रूप में स्वीकार किया जा चुका है। विश्व के 170 से अधिक देशों में 21 जून को योग दिवस मनाना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि योग ने जाति, धर्म, राष्ट्र की सीमाओं को लांघकर मानवता को एक सूत्र में बांधने का कार्य किया है। योग के नियमित अभ्यास से केवल शरीर ही नहीं बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा भी संयमित होती है। शरीर को रोगमुक्त रखने, मानसिक विकारों को नियंत्रित करने और ऊर्जा के संतुलन को बनाए रखने के लिए योग जितना सरल है, उतना ही गहन भी। यह प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणाली आज के वैज्ञानिक युग में भी एक भरोसेमंद चिकित्सा विकल्प के रूप में प्रतिष्ठित हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से जब 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग दिवस के प्रस्ताव को केवल 90 दिनों में 177 देशों के समर्थन के साथ पारित किया गया था तो यह स्पष्ट था कि योग अब वैश्विक मानवता के स्वास्थ्य और कल्याण का पथ बन चुका है। योग अब एक वैश्विक आंदोलन का रूप ले चुका है, जिसका उद्देश्य है स्वास्थ्यपूर्ण जीवन, मानसिक संतुलन और आध्यात्मिक उन्नति। योगासनों और प्राणायाम की विधियां शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने की सबसे सहज और सुलभ प्रणाली हैं। प्राचीन ऋषियों द्वारा रचित यह प्रणाली केवल आसनों तक सीमित नहीं बल्कि जीवनशैली में संतुलन का विज्ञान है। आधुनिक विज्ञान भी अब इस बात को स्वीकार कर चुका है कि योग तनाव से राहत, रक्तचाप नियंत्रण, श्वसन क्रिया सुधार, इम्युनिटी बूस्ट और मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में अत्यंत उपयोगी है। विभिन्न योगासन जैसे भुजंगासन, सर्वांगासन, ताड़ासन, हलासन, त्रिकोणासन, धनुरासन, मकरासन, मंडूकासन, पश्चिमोत्तानासन, पवनमुक्तासन, नौकासन, गोमुखासन, उष्ट्रासन, विश्रामासन इत्यादि न केवल शारीरिक बल प्रदान करते हैं बल्कि शरीर के अंगों को सुचारू रूप से कार्य करने में भी सहायता करते हैं। योग गुरुओं का भी यह मानना है कि योग केवल एक स्वास्थ्य पद्धति नहीं बल्कि जीवन जीने की कला है। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करता है। योग हमें यह सिखाता है कि जीवन केवल भौतिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं बल्कि आंतरिक सुख और मानसिक संतुलन ही असली सफलता है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी अब योग के प्रभावों को स्वीकार करता है। अमेरिका, यूरोप, जापान, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में योग अब चिकित्सीय दृष्टिकोण से अपनाया जा रहा है। विशेष रूप से मानसिक रोग, अवसाद, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, मोटापा, थकान, नींद की कमी, थायरॉयड, मधुमेह और यहां तक कि कैंसर तक के मामलों में योग को सहायक चिकित्सा के रूप में अपनाया जा रहा है। इतना ही नहीं, योग से न केवल रोगों की रोकथाम होती है बल्कि यह व्यक्ति को एक बेहतर मानव बनने की दिशा में भी अग्रसर करता है। योग से आत्म-अनुशासन, संयम, सहनशीलता और शांति का विकास होता है। जब व्यक्ति भीतर से शांत और संतुलित होता है, तभी वह समाज और विश्व में भी शांति और संतुलन ला सकता है। इसीलिए योग केवल एक व्यक्तिगत अभ्यास नहीं बल्कि सामाजिक और वैश्विक स्वास्थ्य की दिशा में एक क्रांतिकारी परिवर्तन है। हर व्यक्ति को न केवल अपने स्वास्थ्य के लिए बल्कि सम्पूर्ण मानवता की बेहतरी के लिए योग अपनाना चाहिए। आज जरूरत इस बात की है कि योग को महज योग दिवस तक सीमित न रखते हुए उसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाएं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की 11वीं वर्षगांठ एक बार फिर हमें यह याद दिलाती है कि शरीर और मन दोनों के स्वास्थ्य के लिए योग अनिवार्य है। योग को जीवनशैली में शामिल कर हम न केवल बीमारियों से दूर रह सकते हैं बल्कि अपने अंदर की ऊर्जा को भी पुनः जाग्रत कर सकते हैं। इसलिए, आइए, इस योग दिवस पर हम सब यह संकल्प लें कि न केवल स्वयं के बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में योग को शामिल कर हम एक स्वस्थ, समृद्ध और शांतिपूर्ण विश्व की ओर कदम बढ़ाएं।

(लेखिका शिक्षण क्षेत्र से जुड़ी हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन का प्रथम अनुबंध किसको माना है?

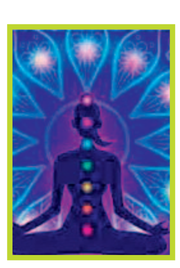

संकलित
दर्शन

अनुबंध चतुष्टय में 'अधिकारी' को प्रथम अनुबंध स्वीकार किया गया है। मानव की आध्यात्मिक और लौकिक यात्रा के निर्विघ्न संचालन में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। लोक में इसके लिए योग्यता या पात्रता पद का प्रयोग होता है, जिसका तात्पर्य है, किसी कार्य के निष्पादनार्थ पात्रता प्राप्त करना। सामान्यतः प्रत्येक कार्य के लिए प्रत्येक व्यक्ति पात्र नहीं होता। इसलिए अनधिकारी व्यक्ति द्वारा किया गया कार्य सफल और लोकमंगलकारी हो, यह आवश्यक नहीं, परंतु अधिकारी (पात्र) व्यक्ति द्वारा किया गया प्रत्येक कार्य सफल भी होता है और लोकमंगलकारी भी। इसलिए अधिकारी आत्मिक और जागतिक कल्याण का मार्ग प्रशस्त करने वाला मानव जीवन का प्रथम अनुबंध है। इसीलिए इसे शास्त्रों में विशेष महत्व दिया गया है। वेदांत में अधिकारी को परिभाषित करते हुए कहा गया-जिसने विधिवत ज्ञान प्राप्त कर काम्य एवं निषिद्ध कर्मों का परित्याग कर दिया है। नित्य, नैमित्तिक और उपासनादि कर्म करने से जिसकी बुद्धि परिष्कृत और अंतःकरण निर्मल हो चुका है, ऐसा पापरहित व्यक्ति ही विशिष्ट ज्ञान का अधिकारी है। विश्वामित्र आदि ऋषियों ने अधिकारी समझकर ही राम को विविध आयुध प्रदान किए, जिससे उनका दुरुपयोग न हो सके। जैसे अधिकारी व्यक्ति का ज्ञान लोकमंगल के लिए होता है, उसी प्रकार अधिकारी को प्रदान की गईं शक्तियां समाज, देश और मानवता की रक्षा के लिए होती हैं। इतिहास साक्षी है कि जब भी अनधिकारी को शक्तियां प्रदान की गई हैं, उनका दुरुपयोग ही हुआ है।

धन कमाने के साथ भक्ति भी करें

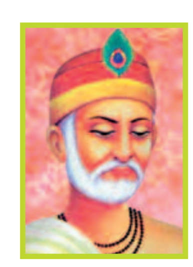

संकलित
प्रेरणा

एक दिन कबीरदास अपना काम कर रहे थे। काम करते समय वे भगवान का ध्यान भी कर लेते थे। पूरे दिन कबीरदास ऐसा ही करते थे। एक व्यक्ति उन्हें कई दिनों से देख रहा था। उसने कबीरदास से पूछा कि आप भक्त हैं, लेकिन आपको अलग से भक्ति करते हुए मैंने नहीं देखा। कबीर दास जी ने उस व्यक्ति की बात सुनी और कहा कि इस प्रश्न का उत्तर मैं दूंगा, लेकिन अभी तुम मेरे साथ चलो। हम थोड़ा घूम आते हैं। रास्ते में उन्हें एक महिला दिखाई दी। वह महिला पानी भरकर लौट रही थी। उसके सिर पर पानी से भरा मटका रखा था और वह अपनी मस्ती में गीत गाते हुए जा रही थी। उस महिला ने मटके को पकड़ा भी नहीं था। उसके सिर पर मटका स्थिर था और उसका पानी भी नहीं छलक रहा था। कबीर दास जी ने उस व्यक्ति से कहा कि ये महिला पानी लेकर जा रही है। सिर पर मटका रखा है, लेकिन उसने मटके पकड़ा भी नहीं है और गीत गाते हुए जा रही है। इसका ध्यान अपने मटके पर है, गाने पर भी है और रास्ते पर भी है। कबीर जी ने उस व्यक्ति को आगे समझाया कि इस महिला की तरह ही मैं भी काम करते-करते भगवान का ध्यान कर लेता हूं, भक्ति कर लेता हूं। दुनियादारी के काम करते हुए भी मेरा मन भगवान की भक्ति में ही लगा रहता है। मैं ये काम भी कर लेता हूं और भक्ति भी कर लेता हूं। ठीक इसी तरह जीवन में संतुलन बहुत जरूरी है। हमें धन भी कमाना चाहिए और भक्ति भी करते रहना चाहिए।

अंतर्मन

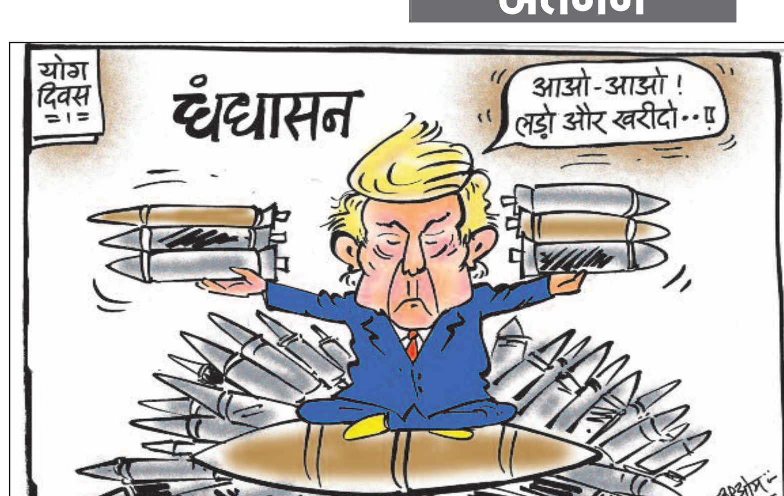

आज की पाती

मानव जीवन और विकास में पुस्तकों की भूमिका

ज्ञानार्जन या ज्ञानोपलब्धि के लिए स्वाध्याय और पुस्तकों का सम्बन्ध अन्न और जल तथा सुई और धागे की तरह एक-दूसरे का पोषक एवं पूरक है। स्वाध्याय के साथ पुस्तकों और पुस्तकालयों का महत्त्व और उनकी उपयोगिता पर भी चिंतन करना अपेक्षित है। देव-पूजन में जितना महत्त्व देवी-देवों का है, उतना ही महत्त्व देवालयों का है। यदि देव मंदिर अथवा देवालय नहीं होंगे तो देव-विग्रह की प्रतिष्ठा कहां होगी। हम सभी जानते हैं कि पुस्तक स्वयं में ज्ञान नहीं है। वह निर्जीव कागजों का एक संपुट है, परंतु ज्ञान का यह एक महत्त्वपूर्ण माध्यम है, जिसकी उपयोगिता सर्वमान्य है। पुस्तकें देखने में अजीब अथवा जड़ दिखाई देती हैं, लेकिन सच्चाई यह है कि उनमें लेखकों, रचयिताओं की आत्मा बसी रहती है। इसलिए भावात्मक दृष्टि से उस ज्ञान के साधन को ज्ञान मानकर प्रतिष्ठित किया गया है। *-विवेक कुमार शुक्ला, रायपुर*

ट्रेंड

समृद्धि-यात्रा

जब सुरक्षा का बेहतर माहौल और अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर होता है, तब दुनिया की कोई ताकत आपकी समृद्धि के मार्ग को रोक नहीं सकती। आज प्रदेश के हर जनपद में 'समृद्धि-यात्रा' देखने को मिल रही है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे उसका उदाहरण है।
-योगी आदित्यनाथ, सीएम, उप्र

जनसहभागिता

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के संस्कार, भारत की जीवनशैली, सांस्कृतिक धरोहर और आंतरिक चेतना को पूरे विश्व में प्रतिष्ठा दिलाई है। 21 जून को जब पूरा विश्व अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाएगा, तब हम दिल्लीवासी इस उत्सव को पूर्ण जनसहभागिता से भरपूर बनाएंगे।
-रेखा गुप्ता, सीएम, दिल्ली

अंग्रेजी भाषा जरूरी

बीजेपी नहीं चाहती कि भारत का ग़रीब बच्चा अंग्रेज़ी सीखे - क्योंकि वो नहीं चाहते कि आप सवाल पूछें, आगे बढ़ें, बराबरी करें। आज अंग्रेज़ी भी मातृभाषा जितनी जरूरी है क्योंकि यही रोज़गार दिलाएगी।
-राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

एक कॉमन भाषा हो

अगर देश को जोड़ना है। लोगों को एकजुट करना है, तो देश में एक कॉमन भाषा होनी चाहिए जिसे हर कोई समझ सके, उसमें वार्तालाप कर सके। इसमें कोई दो राय नहीं होनी चाहिए कि इस कसौटी पर सिर्फ एक ही भाषा फिट बैठती है और वो है- हिंदी।
-मुकेश खन्ना, अभिनेता

करंट अफेयर

दक्षिण अफ्रीका में योग दिवस मनाया जाएगा

दक्षिण अफ्रीका में शनिवार को हजारों योग प्रेमी 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' (आईडीवाई) के अवसर पर यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल 'क्रैडल ऑफ ह्यूमनकाइंड' में एकत्र होंगे। इस आयोजन में योग विशेषज्ञ भी भाग लेंगे। जोहानिसबर्ग में भारत के महावाणिज्य दूत महेश कुमार ने कहा, "यह स्थल सांस्कृतिक और मानव इतिहास की दृष्टि से अत्यंत मूल्यवान है। यहां योग दिवस मनाना प्राचीन भारतीय दर्शन और मानवता एवं प्रकृति के साथ सामंजस्य की भावना को दर्शाता है। कुमार ने पिछले वर्ष वांडरर्स स्टेडियम में योग दिवस का नेतृत्व किया था, जहां 8,000 से अधिक लोग शामिल हुए थे। उन्होंने कहा, " 'योग' संस्कृत शब्द 'युज' से निकला है, जिसका अर्थ है 'जोड़ना'। यह मन, शरीर और पर्यावरण के बीच संतुलन को दर्शाता है।" आईडीवाई के 11वें संस्करण से पहले, भारतीय उच्चायोग और इसके कर्मचारियों ने प्रिटोरिया, जोहानिसबर्ग और डरबन में कई स्थानों पर योग कार्यक्रम आयोजित किए हैं।

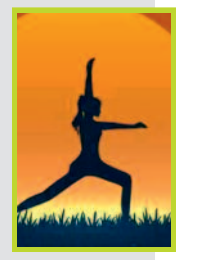

ऑफ बीट

घर अक्सर थर्मोस्टेट से अधिक गर्म लगते हैं

एक ही सड़क पर बने दो घर : एक 1950 के दशक में और दूसरा 1990 के दशक में बनाया गया था। वहां कोई पेड़ या अन्य छाया नहीं है। एयर कंडीशनिंग इकाइयां समान हैं, हाल ही में बदली गई हैं, और पूरी तरह से काम कर रही हैं। समान थर्मोस्टेट 82 डिग्री फ़ारेनहाइट (27.8 सेल्सियस) पर सेट होते हैं। जब बाहर का तापमान 110 एफ (43.3 सी) होता है, तो 1950 के दशक का घर हवा के समान तापमान के साथ भी अंदर संभवतः कम से कम 10 एफ (5.6 सी) गर्म महसूस होता है। क्यों? इसका उत्तर तेज गर्मी से संबंधित है। तेज़ गर्मी ही वह चीज़ है जो आपको ठंडी सर्दियों की रात में कैम्प फायर में गर्म रखती है। आग हवा को अधिक गरम नहीं करती; बल्कि, सूर्य की तरह, आग की अधिकांश गर्मी अदृश्य तरंगों के माध्यम से सीधे कैम्प फायर से आपके शरीर तक पहुंचती है। गर्म, धूप वाले दिन में, अच्छा इन्सुलेशन और डबल-फलक वाली खिड़कियां एयर कंडीशनिंग के लिए कम गर्मी का हस्तांतरण करती हैं, जिससे इमारत के अंदर का औसत तापमान हवा के तापमान के कुछ डिग्री के भीतर रहता है। गर्म सतहों के कारण छोटी इमारतें, जैसे कि मोबाइल घर, छोटे घर, शिपिंग कंटेनर और अपार्टमेंट में बदल गए गैरेज, अक्सर थर्मोस्टेट सेटिंग की परवाह किए बिना असहज महसूस करते हैं।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय
टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से hbcgpati@gmail.com पर भेज सकते हैं।

खाद की कमी पर कांग्रेस का उग्र प्रदर्शन ठेलों में डीएपी रखकर पहुंचे कलेक्टोरेट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रदेश भर में खाद की कमी को लेकर कांग्रेस ने प्रदेश भर में आंदोलन करने का फैसला किया है। शुक्रवार को राजधानी रायपुर में कांग्रेस ने बड़ा प्रदर्शन किया। राष्ट्रीय सचिव विजय जांगिड़ भी इसमें शामिल हुए। अब सोमवार से सहकारी समितियों में आंदोलन,तालाबंदी की चेतावनी दी गई। रायपुर में आंदोलन जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधोराम के नेतृत्व में किया गया। ठेलों में पीएपी रखकर कांग्रेस के पदाधिकारी और कार्यकर्ता भारी संख्या में कलेक्टोरेट पहुंचे। यहां पर पुलिस के साथ कांग्रेसियों की जमकर झूमाझटकी हुई।

सबसे पहले विजय जांगिड़ ने प्रदेश भर में आंदोलन को लेकर रणनीति बनाने के लिए बैठक ली। इसके बाद रायपुर में आंदोलन को लेकर कांग्रेस भवन से रायपुर जिले के पदाधिकारी और कार्यकर्ता विजय जांगिड़ के साथ में कलेक्टोरेट पहुंचे। जिला कांग्रेस भवन गांधी मैदान से रैली के रूप में निकले। उधो वर्मा ने कहा, किसानों के लिए आज सबसे ज्यादा जरूरत है पीएपी की है। यह किसानों के लिए भगवान के समान है क्योंकि बोवाई में खाद अति आवश्यक है, लेकिन सरकार ने इसको इतना दुर्लभ बना दिया है कि किसानों को यह मिल नहीं पा रही है। कांग्रेसियों ने प्रतीकात्मक पीएपी की पूजा अर्चना कर प्रदर्शन में रख कर यह बताने का प्रयास किया कि यह किसानों के लिए कितने महत्व की है। जिला कांग्रेस भवन से प्रदर्शन करते हुए सभी कलेक्टोरेट परिसर पहुंचे। यहां पर पुलिस प्रशासन बेरीकेट्स लगा कर रोकने का प्रयास किए। प्रथम बेरीकेट्स तोड़ कर आगे बढ़े प्रदर्शनकारियों को रोका गया तो पुलिस के साथ भारी झूमा झटकी हुई।

सभी सहकारी समितियों में करेंगे आंदोलन : जांगिड़

प्रभारी सह सचिव विजय जांगिड ने ककहा, किसानों को सरकार द्वारा खाद उपलब्ध नहीं कराने की स्थिति में सभी सहकारी समितियों में आंदोलन किया जाएगा। जिला कांग्रेस अध्यक्ष उधो राम वर्मा ने कलेक्टर से मांग की है कि दो दिन के अंदर खाद नहीं मिलने की स्थिति में सभी सहकारी समितियों में आंदोलन कर तालाबंदी की जाएगी। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने समितियों में नगाड़ा बजाकर जगाने की बात कही। कार्यक्रम में पूर्व सांसद छाया वर्मा, पूर्व विधायक अनिता शर्मा, जिला शहर अध्यक्ष गिरीश दुबे, पंकज शर्मा, शैलेश नितिन त्रिवेदी, नंदलाल देवागन, प्रवीण साहू,वतन चंद्राकर,हरिशंकर निषाद,पप्पू वर्मा, कृपा राम निषाद,पप्पू राजेंद्र बंजारे, योगेंद्र सोलंकी,दुर्गेश वर्मा,सौरभ मिश्रा,विद्याभूषण सोनवानी,गिरधारी साहू,कोमल साहू,गोपाल चतुर्वेदी,रेखराम पात्र, ओम प्रकाश यादव घनश्याम वर्मा कन्हैया यादव,मोहन वर्मा,राजा भैया,अश्वनी वर्मा,श्रवण चंद्राकर,दीपा साहू,केशरी साहू,सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छोटा हाथी ने बाइक को ठोकर मारी, दो की मौत

धमतरी। ग्राम रांवा के अटल चौक से गुजर रहे बाइक सवारों को तेज रफ्तार छोटा हाथी ने जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में बाइक में सवार ग्राम बागतराई निवासी नामदेव साहू पिता लक्ष्यकुमार उम्र 35 वर्ष, निरंजन चांद पिता रामदेव उम्र 45 वर्ष की मौत हो गई। दोनों गांव से मोटरसाइकिल क्र. सीजी 07 एलएन 2954 में सवार होकर बैंक काम के सिलसिले में धमतरी आने के लिए निकले थे। मोटरसाइकिल ग्राम रांवा के अटल चौक के पास से गुजर रही थी। उसी दौरान छोटा हाथी ने टक्कर मार दी।

BEFORE THE HON'BLE HIGH COURT OF CHHATTISGARH AT BILASPUR.
CAVEAT APPLICATION NO………./2025/W.P.(S/C)No……../2025

CAVEATOR/APPLICANT — **Chhattisgarh State Power Generation Co.Ltd. through its Superintending Engineer (Civil), Vidyut Seva Bhawan Parisar, Shed No. -2, Dangania, Raipur Distt-Raipur, CG State PIN 492013**

Versus

Non Applicants. — **Public at Large.**

APPLICATION UNDER SECTION 148A OF CIVIL PROCEDURE CODE.

The above named Caveator/Applicant/Proposed Respondent most humbly begs to submit as under: -

1)That the Applicant is presently working as Superintending Engineer (Civil) for the Chhattisgarh State Power Generation Company, Raipur. He files this caveat application for and on behalf of the said company.

2)That the Applicant Company has invited tender for "Selection of Transportation agency for road transportation of coal from stockyard/CHP at Gare Pelma Sector-III Coal Mines in Raigarh District, Chhattisgarh, India to designated Railway Sidings". The applicant company has published the Notice Inviting Tender in five newspapers (i) The Impressive Times, Delhi (ii) Telegraph, Kolkata (iii) Deccan Chronicle, Hyderabad (iv) Dainik Bhaskar, Nagpur (v) Navbharat, Bilaspur (Raigarh).

3)The Applicant Company apprehends that any member of the public with a view to get the process delayed or with a malafide intention of blocking the tendering and award of contract process may approach this Hon'ble Court with a prayer for staying the tendering and award of contract process on some imaginary grounds.

4)That in case any member of the public files any petition in connection with the said tendering and award process, without giving any intimation to the applicant company and this Hon'ble Court passes any ex-parte direction or order against the applicant, it will cause irreparable loss to the applicant/Caveator.

5)That applicant Company has published copy of this caveat application in the following daily newspapers: -
(I)Haribhumi, Raipur,
(II)Hitavada, Raipur (Bilaspur),
(III)Ispat Times, Raigarh.

6)It is, therefore, submitted that this Hon'ble Court be please to grant an opportunity of hearing to the Caveator/Applicant before passing any interim order in case any writ petition is filed by any member of the public in connection with or against the said tendering process.

PRAYER

It is therefore prayed that this Hon'ble Court be pleased to hear the Caveator/Applicant/Proposed Respondent before passing any ex-parte order in the interest of justice.

(Abhinav Kardekar)
Counsel for Caveator/Applicants

Bilaspur,
Dated:

CERTIFICATE

It is certified that due care has been taken in the case to comply with the provisions of the High Court of Chhattisgarh Rules, 2007.

(Abhinav Kardekar)
Counsel for Caveator/Applicants

पूर्व तट रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. VSKP-EL-CON-T-191E, दिनांक : 11.06.2025

कार्य का नाम : पूर्व तट रेलवे के वाल्टियर मण्डल में 01 संख्यक 132/25 KV TSS का विस्तार, 05 संख्यक 1 X 25 KV SSP (नया) एवं 02 संख्यक 1 X 25 KV SP'S (नया) से संबंधित PSI कार्य के साथ 62.03 TKM (OEC-उत्तर सिह्माचलम, बोड्डवरा-शिवलिंगपुरम-त्याडा एवं बोर्रा गुहलु-करकवलसा के बीच दोहरीकरण, इलेक्ट्रिक लोको शेड/वाल्टियर के यार्ड का कार्य एवं TIE लाइन के साथ VDPT-GT जं. के बीच तीसरी एवं चौथी लाइन) के लिए 50 HZ, सिंगल फेज 1 X 25KV AC OHE का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण एवं शुरूआत एवं 55.54 TKM (प्री-NI / एवं NI के दौरान यार्ड रूपांतरण कार्य के साथ) (विशाखापट्टनम-गोपालपट्टनम, दुव्वाडा-उत्तर सिम्हाचलम, गोपालपट्टनम-उत्तर सिम्हाचलम के बीच तीसरी एवं चौथी लाइन) के लिए 50 HZ, सिंगल फेज 2 X 25KV AC OHE का डिजाइन, आपूर्ति, निर्माण, परीक्षण एवं शुरूआत।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 8557.46 लाख, EMD : ₹ 44,28,700/-, पूरा होने की अवधि : 24 (चौबीस) महीने।

निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : दिनांक 11.07.2025 को 1600 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

दृष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन: अवलोकन करें। निविदाकारों/बोलीदाताओं के पास अवश्य क्लास-III डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए और वे IREPS पोर्टल में अवश्य पंजीकृत होना चाहिए। केवल पंजीकृत निविदाकार/बोलीदाता ई-टेंडरिंग में शामिल हो सकते हैं।

निविदाकारों को निविदाकारों के लिए उद्दिष्ट सभी निर्देशों को सावधानी पूर्वक पढ़ना चाहिए एवं चार्टर्ड एकाउंटेंट द्वारा विधिवत सत्यापित और हस्ताक्षरित अनुलग्नक-B जमा करने साथ, निविदा दस्तावेज के चैप्टर 2 के अनुलग्नक-I, निविदा फॉर्म (द्वितीय शीट) की जाँच सूची, पैरा 3.1 (अतिरिक्त जाँच सूची) सहित सभी निर्देशावली का अनुपालन करना चाहिए।

उप मुख्य विद्युत अभियन्ता (निर्माण)/ विशाखपट्टनम

PR-45/CI/25-26

OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (CIVIL-PROJECT-I), CSPGCL,
Shed No. 2, Dangania, Raipur, – 492013 Phone No. 0771-2574567, website www.cspc.co.in E-mail:- cspgcl.coal@gmail.com

No. 04-02/1035 **Raipur, dated 20.06.2025**

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from eligible bidders fulfilling the eligibility criteria as mentioned in detailed NIT and having experience of civil work in Govt./Public Sector Undertaking/Power Generating Companies/Local bodies in India only may also be considered on submission of experience certificate for following work as mentioned below :-

Sl. No.	Tender Specification No.	Description	NIT value i/c GST (Rs.)	EMD (Rs.)	Completion period (incl. Rainy season)	Rfx No.
1	ED(CP-I)/ 2x660MW/W/ 2025-26/T-110	Construction of boundary wall around the High School of Village- Sahimudi under compliance of Environment Clearance for the proposed 2x660MW Project, CSPGCL Korba West (C.G.).	16,99,718/-	17,000/-	03 Months	8100044316

Cost of tender form is Rs.590/- (Rs. 500/- + 18% GST). Due date & time for submission of bids, Tender Cost & EMD is 14.07.2025 (up to 16:00 Hrs) and bid opening date (Techno commercial bids) is 16.07.2025 (at 16:30) Hrs respectively. The tender document can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in:50724/irj/portal. The detailed NIT can also be downloaded from our website using link https://cspc.co.in/ cspgcl tender notices → Central office. **Amendment/ Corrigendum /Extension, if any, will only be uploaded on company's website and shall not be published in newspaper.**

Note: - In case, the rate quoted by the contractor is on extremely lower side than estimated contract value, a performance guarantee @ 5% of contract value i/c GST in addition to Security Deposit shall have to be deposited by the contractor.

SAVE ELECTRICITY

EXECUTIVE DIRECTOR (CIVIL-PROJECT-I)
CSPGCL: RAIPUR

तीन साल पहले का मामला

93 लाख के 'हरे सोने' की हेराफेरी ठेकेदार, रेंजर सहित 10 पर जुर्म दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजनांदगांव

शहर के नेशनल हाईवे में स्थित गुरूकृपा गोदाम में सन 2022 में तेंदूपत्ते की अदला-बदली कर सवा 93 लाख रुपए की हेराफेरी मामले में जांच प्रक्रिया के बाद फारेस्ट महकमे ने कोतवाली पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने अमानत में ख्यानत का मामला दस लोगों के खिलाफ दर्ज किया है। कोतवाली पुलिस ने फारेस्ट महकमे की जांच रिपोर्ट के आधार पर इस मामले में तेंदूपत्ता ठेकेदार सुधीर मानेक मकान नंबर 434 गुरूकृपा पाटीदार भवन के सामने राजनांदगांव, तात्कालीन मुख्य गोदाम प्रभारी रेंजर माखनलाल बंजारे वर्तमान में वन मंडल कांकेर, तात्कालीन गोदाम प्रभारी डिप्टी रेंजर जीवनलाल देशमुख वन मंडल कबीरधाम, गोदाम चौकीदार सुनील ठाकुर पटेल नगर राजनांदगांव, सुरक्षा श्रमिक जावेद अहमद तुलसीपुर, दिनेश मारकंडे बागतरई, निरंजन आलम सिंह ठाकुर राजनांदगांव, ईश्वर साहू तुमड़ीबोड़, यशवंत धनकर कौरिनभाठा, तीजराम मंडावी तुलसीपुर के खिलाफ धारा 61_2, 316_2, 316_4 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। टीआई ने राजेंद्र सिंह ने कहा है कि जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

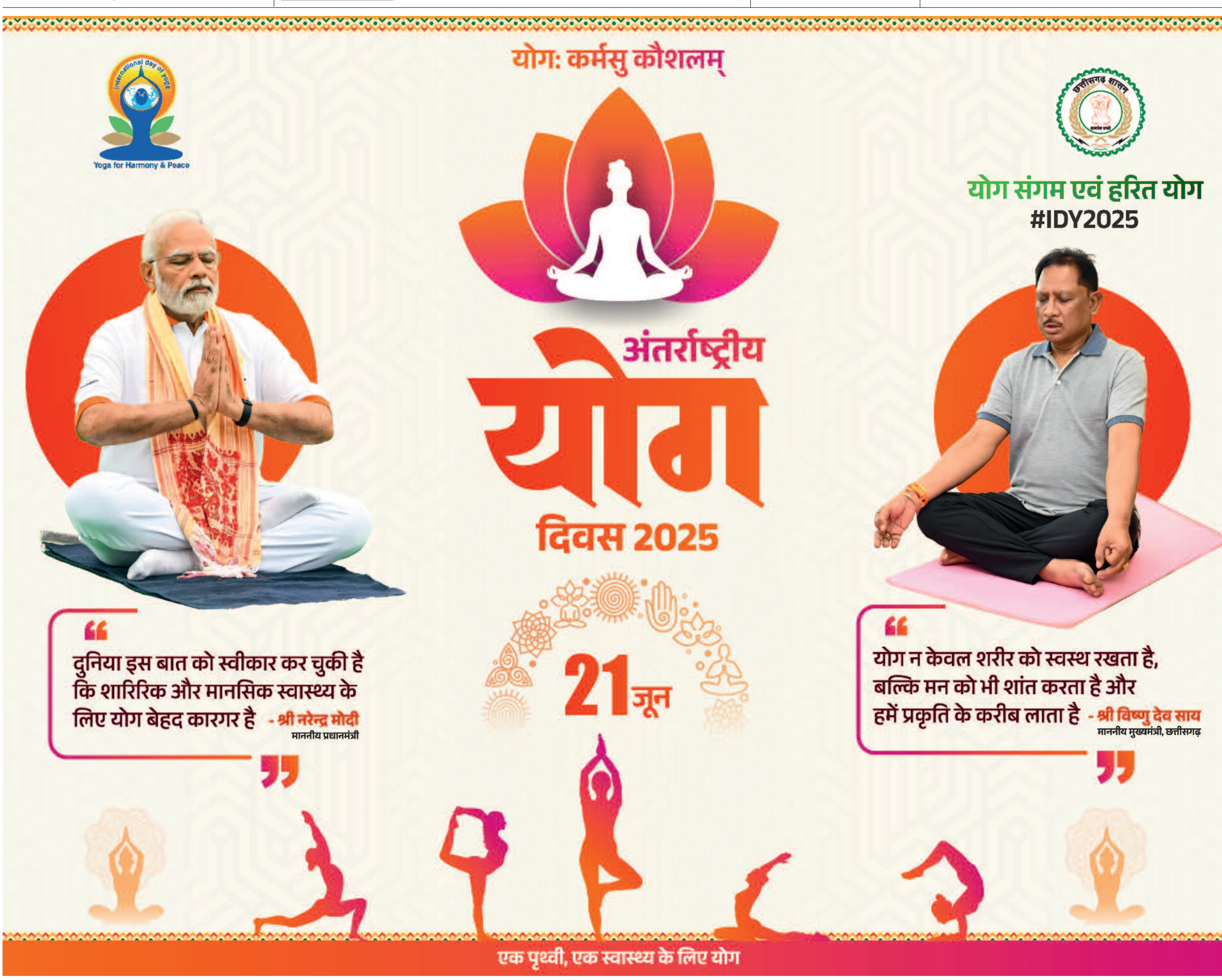

मिस सुप्रानेशनल में करेंगी भारत का प्रतिनिधित्व...

एजेंसी ▶▶ मुंबई

दिल्ली की रहने वाली आयुश्री मलिक आज लाखों लड़कियों के लिए एक मिसाल बन चुकी हैं। जब वह सिर्फ 7 साल की थीं, तब उनके पिता का एक सड़क हादसे में देहांत हो गया था। उस उम्र में, जब बच्चे सबसे ज्यादा प्यार और सहारे की उम्मीद रखते हैं। आयुश्री ने अपनी ज़िंदगी का सबसे बड़ा खालीपन महसूस किया। लेकिन, उनकी मां, जो एक पुलिस अफसर हैं, उन्होंने उन्हें संभाला। उन्होंने बेटी को इतना मजबूत बना दिया कि आज वही बेटी दुनिया के सबसे बड़े मंचों में से एक पर भारत का नाम रोशन करने जा रही है। आयुश्री ने 'लीवा मिस दीवा सुप्रानेशनल 2024' का खिताब जीता है। अब वह 'मिस सुप्रानेशनल 2025' में पोलैंड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। इस मुकाम के पीछे सिर्फ मेहनत नहीं है, इसके पीछे एक इमोशनल जर्नी और बहुत स्ट्रगल भी है। आयुश्री ने अपने स्ट्रगल पर बात करते हुए कहा, 'मैं एक सिंगल मदर की बेटी हूं। मेरी मां ने अपनी नौकरी और मेरी परवरिश को जिस तरह से बैलेंस किया, वो काबिल-ए-तारीफ है। मैं बचपन से देशभक्ति के माहौल में पली-बढ़ी हूं। मुझे हमेशा सिखाया गया कि देश के लिए कुछ करना सबसे बड़ी बात होती है।

योग का ज्ञान और रहस्य जानना है तो देखें ये पांच फिल्में

नई दिल्ली। कहते हैं कि योग जीवन का सार है। जीवन के हर एक दोष, तकलीफ और मुश्किल को दूर भगाने का दम रखता है योग। ऐसे में अगर ये कहें कि हर किसी के जीवन में योग की अपनी एक अलग महत्ता है, तो ये गलत न होगा। अब सवाल ये उठता है कि योग को सीखें कहा से। इसके लिए कई शिविरों को भी आयोजन किया जाता है। इससे जुड़ी कई किताबें आती हैं, यहां तक कि हमारे बीच कुछ खास फिल्में भी ऐसी हैं, जिनमें हमें योग का पूरा-पूरा ज्ञान मिलता है।

बाराका (1992) : निर्देशक रॉन फ्रिके की बाराका फिल्म सिनेमा के प्रति आपकी धारणा और सोच दोनों को पूरी तरह से बदल देगी। वैसे देखा जाए तो इस फिल्म के बारे में कुछ भी निष्कर्ष निकाल पाना इतना आसान नहीं है। फिल्म का शीर्षक प्रॉपर सूफी शब्द से निकाला गया है। इसका मतलब है 'ब्लैसिंग, या फिर सांस, या फिर जीवन की असली खुशबू'। फिल्म के जरिए दर्शकों को 24 देशों की यात्रा कराई गई है। फिल्म में कोई डायलॉग नहीं है, कोई पारंपरिक स्टोरी लाइन नहीं है। इस एक्सपेरिमेंटल डॉक्यूमेंट्री में मेडिटेशन के बारे में गहराई से बताया गया है। ये सभी दिखाई गई हैं अविश्वसनीय छवियों के साथ। इनमें से कुछ एक के साथ दर्द का सामना जरूर करना पड़ता है।

एनलाइटन अप! (2008) : क्या योग किसी को भी बदल सकता है। कहते हैं कि इससे दिमाग की उलझनें भी कम हो जाती हैं। इसी सवाल का जवाब मिला है निर्देशक केट चर्चिल की फिल्म 'एनलाइटेन अप!' में। ये भी एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म है। फिल्म में दिखाया गया है कि ऊपर पूछे गए सवाल का जवाब ढूंढने के लिए फिल्म का हीरो दूर-दूर देशों में भ्रमण करता है। कई सारे टीचर्स से मिलता है। उनसे प्रेरित होता है। नायाब ट्विस्ट्स और गहरे परीक्षणों के बाद वह इस निष्कर्ष पर पहुंचता है कि आखिर वास्तव में योग क्या है। इसी के साथ फिल्म में योग के तरह-तरह के तरीके भी बताए गए हैं।

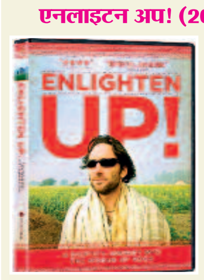

क्लाउड एटलस (2012) : वाकोवस्की की लेटेस्ट फिल्म 'क्लाउड एटलस' महाकाव्यों का भी महाकाव्य है। निर्देशक टॉम ट्विकर, एंडी वाकोवस्की और लाना वाकोवस्की यह फिल्म डेविड मिशेल की लिखी इसी नाम की एक किताब पर आधारित है। फिल्म में हजारों सालों से संजाई गई छह अलग-अलग कहानियां दिखाई गईं हैं। फिल्म में प्यार से जुड़ा यह संदेश दिया गया है कि हर एक चीज एकदूसरे से जुड़ी हुई है। तीन घंटे की फिल्म के इस सफर में हर एक किरदार को एक-दूसरे से जोड़ा गया है। ये सभी किरदार फिल्म में योग की शिक्षा देते नजर आएंगे।

अष्टांग एनवाई (2003) : निर्देशक कैरोलिन लास्कोव और मेरी विगमोर की इस फिल्म के बारे में तो इसके नाम से ही पता चल रहा है। इस फिल्म की कहानी की गुणवत्ता को मालूम करने के लिए सिर्फ इतना ही कहा गया है कि आज जितनी बार इस फिल्म को देखेंगे, उतनी बार आपको सुकून मिलेगा। जब के. पट्टाभी 2001 में आष्टांग योगियों के ग्रुप को कुछ नया सिखाने के लिए न्यूयॉर्क पहुंचे थे, फिल्म की कहानी की प्रेरणा वहीं से मिली। फिल्म में आष्टांग योग के फायदे, तरीके और उनकी खूबसूरती को बयां किया गया है।

द ट्री आफ लाइफ (2011) : निर्देशक टेरेंस मलिक की कहानी काव्यात्मक तौर पर वास्तविक है। फिल्म की कहानी शुरू होती है 1950 में टेक्सास में एक बच्चे के बड़े होने के साथ। बड़े होते-होते वह अपना मॉर्डन संसार खो चुका होता है। फिल्म साक्षी बनती है उनके इनोसेंट बचपन की, जो एनकाउंटर, मौत और पिता के साथ मुश्किल रिश्तों से होकर गुजरती है। उसको सहारा मिलता है अपनी मां के निस्वार्थ प्यार का। फिल्म में योग और ध्यान का बेहतरीन संकलन दिखाया गया है।

रेमो ने पत्नी के साथ शेयर किया फनी वीडियो

मुंबई। भारतीय कोरियोग्राफर, फिल्म निर्देशक और निर्माता रेमो डिसूजा ने शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक फनी वीडियो शेयर कर फैंस को खुश कर दिया है। इस वीडियो में रेमो पत्नी लिजेल के साथ प्रेंक करते नजर आ रहे हैं और लिजेल को समझ नहीं आ रहा है कि आखिर वह कर क्या रहे हैं। इस वीडियो में लिजेल कुछ खाती नजर आ रही हैं और रेमो कुछ अपने डांसिंग स्टाइल में करते नजर आ रहे हैं। वह लिजेल के सर पर टिकट को हल्के से मारते हैं और फिर एक हुक स्टेप करते हैं। इस मजेदार वीडियो के साथ रेमो ने कैप्शन में लिखा, 'ट्रेन हो या प्लेन, सब जगह यह चलता है। बेचारी लिजेल को कोई अंदाजा नहीं है कि मैं क्या कर रहा था।' रेमो डिसूजा के इस वीडियो पर कई सेलेब्स और फैंस कमेंट कर रहे हैं। टीवी होस्ट और एक्टर मनीष पॉल ने लिखा, 'हाहाहा', एक्ट्रेस मनीषा रानी ने हंसते हुए स्माइली इमोजी बनाए।

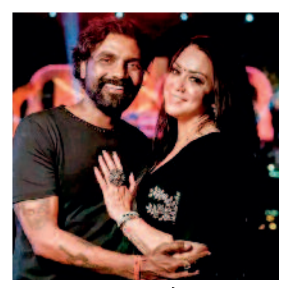

मालिक का नया गाना दिल थाम के रिलीज

मुंबई। पुलकित द्वारा निर्देशित मालिक 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में राजकुमार राव और मिस वर्ल्ड विजेता मानुषी छिल्लर मुख्य भूमिका में हैं। अब नामुमकिन के बाद फिल्म का नया गाना 'दिल थाम के' रिलीज हो गया है, जिसमें अभिनेत्री हुमा कुरैशी अपनी अदाओं से दर्शकों को दीवाना करती दिख रही हैं। मालिक फिल्म के निर्माताओं ने इसका नया गाना 'दिल थाम के' रिलीज किया है। इस गाने में अभिनेत्री हुमा कुरैशी के डांस मूव्स और उनके एनजर्टिक ठुमकों ने दर्शकों को मुरीद बना लिया है, इसमें राजुकमार राव भी नजर आ रहे हैं। वहीं, इस गाने को सचिन-जिगर की जोड़ी द्वारा तैयार किया है। गाने को लिखा है अमिताभ भट्टाचार्य ने और इसे रश्मीत कौर और राणा मजूमदार द्वारा गाया गया है। मालिक फिल्म के टीजर में राजकुमार राव का खतरनाक अंदाज दिखा था, जिसमें उन्हें अपने दुश्मनों को बर्बर तरीके से मारते-काटते देखा गया था।

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

एजूकेशन स्पेशल

कोटा स्टडी सर्कल®
भिलाई/रायपुर
Amit Singh 99.91% IIT-JEE (Adv.)
NEET, IIT-JEE PET/PAT
विशेषताएं
▸ कोटा ट्रेन्ड टीचर्स
▸ हिन्दी तथा अंग्रेजी माध्यम के पृथक-पृथक बैचेस
▸ गर्ल्स एवं बॉयस के लिए अलग हॉस्टल
रायपुर कोटा सेंटर
भाटिया कॉम्पलेक्स, जी.ई. रोड रायपुर (छ.ग.)
9301547784
भिलाई कोटा सेंटर
बिल्डिंग नं. 150 न्यू सिविक सेंटर, भिलाई
9098534927

Appointment
आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

अतिशीघ्र आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु सुरक्षा गार्ड वेतन 14000/- सुपरवाइजर 16000/- फील्ड ऑफिसर 15000/- कंप्यूटर ऑपरेटर 3 वेतन योग्यतनुसार (आवास फ्री PF +ESIC) संपर्क:- ALERT SGS PRIVATE LIMITED, भर्ती कार्यालय, साकरा चौक सिलतरा रायपुर, छत्तीसगढ. 7747000019, 7746000016, (RO-074)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- कन्हेरा स्थित पेट्रोल पंप पर कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति - आवेदन Bio-data एवं समस्त दस्तावेज सहित सम्पर्क करे। डागा पेट्रोल पंप, कन्हेरा, 94242-25533. (RO-06)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

अकाउन्टेंट/ऑपरेटर

आवश्यकता है- थोक कपड़े की दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी अकाउंटेंट, कंप्यूटर ऑपरेटर व ट्रांसपोर्टिंग का कार्य करने हेतु व्यक्ति की आवश्यकता है संपर्क चुन्नीलाल केसरीमल बरलोटा शॉप नंबर 29 - 30 प्रथम गेट टेक्सटाइल मार्केट पंडरी रायपुर 9425506658, 9424200658, 9425206658.(RO-7257)

सेल्समैन/मैकेनिक

आवश्यकता है- अरुण ट्रेड कंबाइन महिंद्रा ट्रैक्टर माना रोड देवपुरी रायपुर को तिल्दा, सिमगा, रायपुर के लिए 1. सेल्समेन - 10 पद, 2. ब्रांच मैनेजर-02 पद, 3. ट्रैक्टर मैकेनिक -04 पद, संपर्क- 9826509099, 7000779799. (RO-6803)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- ऑटो-पार्ट्स की पैकिंग हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता पता- माहेश्वरी सप्लायर्स 186,मॉडल टाउन शिवाजी चौक के पास नेहरू नगर भिलाई। वेतन- 7000 Ph- 8770483120, 7987795076.(आरो -747)

हरिभूमि

मैनेजर/सेल्समैन

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट होलसेल स्टोर में काम करने के लिए 1. मैनेजर 2. Cashier 3. HR Manager (एच आर. मैनेजर) 4. सेल्स मैन, (मार्केटिंग) 5. सेल्स मैन (काउंटर) 6. हेल्पर स्टाफ (मेल/ फीमेल) 7. सेल्स गर्ल केवल अनुभवी व्यक्ति ही संपर्क करें मोबाइल - 9981105000, 7000629478.(RO-6805)

आवश्यकता है- चाय पत्ती की फैक्ट्री में 12वीं पास लड़कों जो सेल्समैन का काम कर सके आवश्यकता है संपर्क करें जैन ट्रेडर्स नियर एसबीआई एटीएम आकृति बिहार अमलीडीह रायपुर मो , 7469980000, 07714075490.(RO-6801)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- रायपुर में कार एसेसरीज और टू व्हीलर पार्ट्स की दुकान में काम करने के लिए जानकार लड़के की आवश्यकता है संपर्क करें:- 9202424247.(RO-130)

सुरक्षागार्ड/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड, सुपरवाइजर, हाउस कीपिंग (महिला, पुरुष) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार। अनुभवी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 7247244800, 07752448013.(RO-38035)

जॉब

आवश्यकता है- (1) महिला-PA, ऑफिस कार्य, कम्प्यूटर ऑपरेटर (XL, Word, email, हिन्दी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग) (2) आफिस साफ सफाई चाय पानी (3) पुरुष- मेडिकल मशीन की मार्केटिंग, सर्विस इंजीनियर (4) ऑर्थोपेडिक एवं TKR, THR Joints की सर्जरी कराने (5) सामान लाने लेजाने+ आफिस जनरल काम हेतु। वेतन- 13000 से 30000 पता- पिनाका मेडिकल सिस्टम, Sec-11-A, कमल विहार, रायपुर 9326609234, 9300335829. (RO-38048)

क्लासीफाईड

प्रचार प्रतिनिधी

प्रचार प्रतिनिधी चाहिए
प्रबोध एण्ड कम्पनी को पुस्तकों का प्रचार हेतु 12वीं पास एवं स्नातक प्रचार प्रतिनिधियों की आवश्यकता है।
रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव, खैरागढ़, चौकी, कवर्धा, मुंगेली, बेमेतरा, बिलासपुर, मनेन्द्रगढ़, सूरजपुर, बलरामपुर, अम्बिकापुर, जशपुर, पथलगांव रायगढ़, जांजगीर, सारंगगढ़, महासमुंद, बलौदाबाजार, बालोद, गरियाबंद, धमतरी, कांकेर, कोण्डागाँव, जगदलपुर, सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा में आवश्यकता है।
संपर्क करें- प्रबोध एंड कम्पनी प्रा.लि.
16/1 गीतानगर, चौबे कॉलोनी, रायपुर (छ.ग.)
prabodhandco@rediffmail.com
9202777989, 7987684935
Dev Ad.

टेक्नीशियन/मैनेजर

आवश्यकता है- ड्रेसर,OT टेक्नीशियन, दवाई दुकान में काम करने वाला अनुभवी लड़का, TPA मैनेजर, PRO, कैंटीन ठेकेदार- कैलाश कान्ता हॉस्पिटल जोरा रायपुर 9300734153, 0771-2994153. (RO-375)

सुपरवाइजर

आवश्यकता है- सिलतरा स्थित कंपनी के लिये सुपरवाइजर की आवश्यकता हैं, कम से कम 3 वर्ष का अनुभव हो, रांवाभाटा, धनेली, सिलतरा, धरसीवा निवासी एवं शादीशुदा को प्राथमिकता। शीघ्र संपर्क करे:- 9243821851.(RO-125)

कुक/हेल्पर

आवश्यकता है- टिफिन सेंटर में खाना बनाने के लिए कुक और हेल्पर महिला/ पुरुष की आवश्यकता है अनुभवी ही संपर्क करें टेस्ट ऑफ पंजाब मारुति रिसिडेंसी रोड अमलीडीह रायपुर 9826162764, 7415562764. (RO-374)

मैनेजर/डिजाइजर

Requirment- Urgent hiring Social media manager Multi media specialist (graphic designer and video editor) At least 1 year experience 25k - 40k salary In office work 9103594046 jupiter-recruits @gmail.com(RO-6806)

टेक्नीशियन/वार्ड बॉय

आवश्यकता है- क्लीनिक में काम करने हेतु एक एक्स-रे टेक्नीशियन, एक वार्ड बॉय, एक ड्राइवर की आवश्यकता है सम्पर्क करें- ARC & PARC क्लीनिक डॉक्टर जगबीर सिंह गली, मगरपारा रोड, बिलासपुर 9329668258, 7024942247.(RO-38041)

मार्केटिंग/मैकेनिक

आवश्यकता है- निम्नलिखित पदों पर अनुभवी युवको की आवश्यकता हैः 1. ऑटो पार्ट्स मार्केटिंग- 02 पद, योग्यता 12वीं पास या समकक्ष। 2. मोटर मैकेनिक- 02 पद, वेतन योग्यतानुसार, संपर्क- 9981171273, 9425205273.(RO-1649)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु आवश्यकता है- (1) MBA मार्केटिंग- 25000 से 35000 (2) MBA मैनेजमेंट- 25000 से 35000 (3) फील्डमार्केट- 10000 से 14000 (4) कम्प्यूटर ऑपरेटर रिसेप्शन- 10000 से 12000 (5) ग्राफिक्स डिजाईन फोटोग्राफर- 12000 से 14000। कॉलिंग टाईमिंग- सुबह 11 से रात 8। संपर्क करे- 7880011880.(RO-0018)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 5000+ कमीशन+बोनस ट्रेनिग के बाद कमाए 15,000 से ज्यादा गोल चौक DDU नगर रायपुर +91 8889376810O.(RO-6807)

हरिभूमि क्लासीफाईड

मार्केटिंग/फील्ड

आवश्यकता है- एसी फिटिंग करने वाले 10 लड़को की एवं मार्केटिंग/ फील्ड एग्जीक्यूटिव 5 पद की आवश्यकता है। स्वयं की बाइक/ मोबाईल आवश्यक। संपर्क- स्पेक्ट्रम डिजिटल प्रिंट्स, पंडरी, रायपुर, 9826849000, 9109084669.(RO-76)

ऑफिस/चपरासी

आवश्यकता है- सुपेला स्थित CAफर्म में स्टाफ (जीएसटी के ज्ञान वाले) या CA/ICWA/ICMA स्टूडेंट की एवं आफिस काम के लिए चपरासी की आवश्यकता है। संपर्क करें- 94060-12843(आरो-772)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- बिस्कुट पैकिंग कार्य एवं अन्य कार्य करने हेतु रहकर काम करने वाले हेल्पर लड़कों की आवश्यकता है रूम, बिजली की सुविधा फ्री। पता बंजारी मंदिर के पास रावाभाटा रायपुर 7471176423.(RO-38033)

अन्य

आवश्यकता है- अर्जेंट भर्ती वनसुरक्षा को जिलानुसार लड़के लड़कियों की आवश्यकता पद संख्या-725 वनरक्षक फील्डऑफिसर माली वनसिपाही सैलरी (27500- 62500) पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना+खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधारकार्ड मार्कशीट फोटो व्हाट्सएप करे (धीरेंद्र कुमार)- 7392890179. (RO-965)

आवश्यकता है- सभी जिला/ ग्रामीण क्षेत्र से अनुभवी / फ्रेसर Candidate की 10 वी पास एयरपोर्ट जॉब,ग्राउन्ड स्टाफ, हेल्पर, लोडर, ड्रायवर, सुपरवाइजर, वेतन-26500/- से 55000/- (रहना+ खाना फ्री) 09013968764.(RO-975)

क्या आप देना चाहते है... अपने बिजनेस को बेहतर प्रतिसाद
"तलाश की नई सुबह"
तो पढ़ते रहिए हरिभूमि क्लासिफाईड
Space Available for Ad.
6263818152

Education
शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ - 2025-2026 पूर्णतः निःशुल्क संस्कृत माध्यम , देववाणी प्राच्य संस्कृत विद्यालय, पहली से बारहवीं तक संस्कृत साहित्य, व्यवसायिक संस्कृत, आधुनिक समस्त विषय, समस्त बच्चों को सभी शासकीय सुविधाएं उपलब्ध देववाणी प्राच्य संस्कृत विद्यालय रामनगर भिलाई मो.74891-79859, 96919-67023. (आरो न.-7184)

Business
व्यापार

व्यापार- जुड़िये ऐसे आकर्षक व्यवसाय से जो बिना रिस्क आपको घर बैठे दें सकता है 30000- 50000 प्रतिमाह आमदनी, जिसमे ऑटोमैटिक मशीन द्वारा डिस्पोजल दोना पत्तल, प्लेट्स बनायें, कच्चा माल देने तैयार माल लेने का अनुबंध पेशेवर प्रशिक्षण सहित संपर्कः- APS इंटरप्राइजेस, रायपुर- 9111760925, 9977676447, बिलासपुर - 8359913999, 9589288936, रायगढ़, अंबिकापुर कोरबा- 9826020603. (RO-080)

For Rent
किराया

किराये से देना है- किराये पर देना है तेलीबांधा, रायपुर कॉर्पोरेट्स, बैंकों, योगा क्लास, कोचिंग क्लास, आदि के लिए आदर्श 1250 वर्गफुट का हॉल दूसरी मंजिल पर स्थित उपयुक्त विशाल स्पेस। 2 BHK फ्लैट पहली मंजिल पर 24x7 जल आपूर्ति, शांत एवं सुरक्षित आवासीय वातावरण। संपर्क करें:- 9926753341. (RO-126)

किराये से देना है- जुनवानी भिलाई से मॉल रोड पे 2nd फ्लोर में एवं गदा चौक से सेठ तुलाराम स्कूल के बाजू में फरीद नगर रोड पर भू तल में दुकान किराए से देना है। मो 9827193125, 9713516888.(आरो न.-774)

विज्ञापन बुकिंग टाइम
सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

Property
प्रापर्टी

प्लाट

प्लॉट बेचना है - डबल रास्ते का प्लॉट बेचना है। डॉ.दास क्लिनिक के पास सरस्वती नगर कोटा रायपुर संपर्क करें 7000289152.(RO-A)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि क्लासीफाईड

CLASSIFIED RATE CARD

01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

EDITION	Appointment	Service/Business	Property Rent & Sale	Display
Raipur City	500	620	550	175/- Sq cm
Bhilai + Durg Edition	440	560	520	150/- Sq cm
Bilaspur City	440	500	520	140/- Sq cm
Raipur All Edition	720	820	800	240/- Sq cm
Bilaspur All Edition	610	780	690	195/- Sq cm
All CG	1000	1150	1120	310/- Sq cm
All CG + MP	1280	1750	1600	330/- Sq cm
All Edition	1700	2100	2000	380/- Sq cm

SCHEME
1. Pick of the day 15 % extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100Rs. EXTRA.

COLOUR 20% Extra Charge For Disply
5% GST For All Ad

EDUCATION SPECIAL

EDITION	RATE	
Raipur City	3000	2+1
Bhilai + Durg Edition	2800	5+3
Raipur Edition	4400	10+10
Bilaspur City	2500	15+18
Bilaspur Edition	3800	
All CG	5500	

MATRIMONIAL CG+MP

(Runing Matter)	(Size 5x1 Box)
500 /- 1 Sunday	800 /- 1 Sunday
900 /- 2 Sunday	1200 /- 2 Sunday
1200/- 3 Sunday	1500/- 3 Sunday

HEALTH CARE 10X1

	[illegible]	[illegible]	[illegible]
Raipur City	55000	85000	1,10,000
Bilai + Durg Edition	50000	80000	1,00000
Bilaspur City	40000	70000	1,00000
Raipur All Edition	70000	1,20,000	1,60,000
Bilaspur All Edition	55000	1,00000	1,20,000
All CG	1,10,000	1,80,000	2,30,000

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

Healthcare

समस्या का स्थाई समाधान केवल आयुर्वेद में
● क्या आप को किसी प्रकार के वायरल या संक्रमण जन्य रोग हैं हेपाटाइटिस (ABC) या हर्पिस रोग स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी, छाले, चमड़ी का फटना खुजली, लाल होना, रुबेला, या सिफलिस, गोनोरिया (सूजाक), HIV (AIDS) एड्स रोग हैं।
● समस्त प्रकार के लाईलाज चमड़ी रोग सोरायसिस सिर एवं शरीर से ताँबे रंग के छिलके, रूसी, जोड़ों में दर्द, उँगलियो का टेढ़ा होना, नाखूनों का सड़ना।
● समस्त प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी एवं यौन रोग ध्यान रहें पुरुष के प्रकृति जन्य (लिंग) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई भी उपाय नहीं हैं। नीम हकिमो से सावधान!
सुविख्यात चिकित्सक
डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.)
निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे दुर्ग
मोबाईल नं.- 9425555659
9617789223, 9303242200

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844

जैकेट के शेष

चीनियों के सेलिब्रिटी ....

योग से जोड़ दिया है। गरीबी के बेहद कठिन अनुभवों से तपकर निकला ये शख्स अब चीनियों के लिए सेलिब्रिटी बन चुका है। दुनियाभर में वह अपनी चीन के साथ करीब 30 योग केंद्रों का संचालन कर रहे हैं। सोहन सिंह कहते हैं कि वह बुंदेलखंड के ललितपुर के गांव बरखेड़ा से निकले थे। 2000 में थाईलैंड गया। पोलैंड में नौकरी की। चीन में आया और 20 साल से यहीं हूं। वह कहते हैं कि उनकी मां ने बचपन से उन्हें योग कराया है, इसलिए उनकी रुचि योग में रही है और अब यही योग उनके जीवन का प्रमुख हिस्सा बन गया है।

झांग ली कहती हैं कि योग ने मुझे डिप्रेशन से निकाला : सोहन से योग सीखने वाली झांग ली भी भारतीय योग मुद्राओं में अपना पूरा दिन गुजार देती हैं। वे कहती हैं कि योग ने उनके जीवन को बदल दिया है। योग नहीं होता तो वो कभी डिप्रेशन से बाहर नहीं आतीं। अब वे योग टीचर बनना चाहती हूं और इसके लिए ट्रेनिंग ले रही हूं।

मुख्यालय फुजीयान प्रांत के जियामिन द्वीप में : - चीन के जियामिन, शेनझेन, गुईयांग, नानजांग, लोंगयेन आदि शहरों में उनके योग सेंटर चल रहे हैं। सोहन योगा का मुख्यालय फुजीयान प्रांत के जियामिन द्वीप में बनाया गया है, जो दक्षिण चीन में स्थित है। भारतीय योग की बढ़ती प्रतिष्ठा का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि चीन की मशहूर हूनान टीवी पर शो में सोहन सिंह शिरकत कर वहां के फेमस मूवी स्टार्स को योग कराते देखे जाते रहे हैं। पिछले योग दिवस पर चीन में भारतीय दूतावास उन्हें सम्मानित कर चुके हैं।

कई भाषाएं जानते ....

राइट बैन को एक साथ जूप करना चाहते हो तो योग करो। सोहन सिंह यादव बुंदेलखंड के छोटे से गांव से निकले हैं इसलिए उनकी मातृभाषा बुंदेली है। योग गुरु सोहन सिंह की हिंदी के साथ चाइनीज, इंग्लिश, रशियन भाषाओं पर मजबूत पकड़ है, लेकिन वह बुंदेली से गहरा लगाव रखते हैं। संवाद भी बुंदेली में ही करना पसंद करते हैं। उन्होंने बुंदेलखंडी में कई कविताएं भी लिखी हैं।

माताजी परमेश्वरी देवी जी ....

चौधरी मित्र सेन उड़ीसा चले गए थे। उसके बाद बच्चों को संभालने की जिम्मेदारी उनकी थी। वह सभी बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करती थी और सभी बच्चों को बैठाकर उनके बीच में बैठकर उनकी देखरेख करती थी। वे हर किसी को अच्छे संस्कार देकर उनको ऊर्जावान बनाने का पाठ पढ़ती थी। शादी के बाद गांव खांडाखेड़ी में ही काफी वर्षों तक रही। इस दौरान घर का सारा काम निपटाने की भी उनकी जिम्मेवारी होती थी। चुनाव के समय कैप्टन अभिमन्यु को सीख देती थी कि ईमानदारी के साथ चुनाव लड़ें और भाइचारे को मजबूत बनाकर सामाजिक ताने-बाने को और आगे ले जाने का काम करें।

56 बरस पहले योग ....

इसके बाद उन्होंने योग में उच्च उपाधियां हासिल की और अब छात्रों को योग सीखा रहे हैं।

योग पर लिखी 3 पुस्तकें : डॉ.स्टेक कई वर्षों से, वे भारत के प्रसिद्ध योग शोधकर्ताओं, योगियों, गुरुओं और संतों के साथ योग का अभ्यास कर रहे हैं। पोलैंड और भारत के अलावा जर्मनी, यूएसए सहित अन्य देशों में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में योग तकनीकों पर कई सुप्रसिद्ध लेख प्रस्तुत कर चुके हैं। वह अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 70 से अधिक वैज्ञानिक पत्र प्रस्तुत कर चुके हैं। ये भी शोधपत्र योग आधारित ही हैं। उन्होंने योग पर तीन किताबें लिखी हैं। इनमें सूर्यनमस्कार के प्रभाव, सूर्यनमस्कार और योग की स्वच्छता-सह-चिकित्सीय तकनीक शामिल है।

बनारस, राजस्थान की ....

अलावा उन्होंने जोसेफ पिल्सडस्की यूनिवर्सिटी ऑफ फिजिकल एजूकेशन से पीएचडी भी की है। संयुक्त राज्य अमेरिका के ओहियो स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी में भी उन्होंने अपनी पढ़ाई के दौरान कुछ समय व्यतीत किया। वे वर्तमान में पोलैंड में जान डलुगोज विश्वविद्यालय में अपने हैबिलिटेशन (डी लिट) पर काम कर रहे हैं।

ज्ञान का पिटारा लेकर ....

2015 से थाईलैंड के अलावा कई देशों में होने वाले योग की क्लास में जुटने वाली भीड़। थाईलैंड के विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों को योग का ज्ञान देने के साथ वे मेंटल हेल्थ प्रोजेक्ट के तहत व्यवसायिक संस्थानों, स्कूलों, विभिन्न जेल सहित अन्य स्थानों में जाकर योग की ट्रेनिंग देते हैं। उन्होंने बताया कि थाईलैंड में चिकित्सकीय पेशे से जुड़े कई बड़े डाक्टर अपने मरीजों को योग की सलाह देते हैं। उन्होंने कहा कि श्वांस संबंधी परेशानियों से जूझ रहे लोगों प्राणायाम की सलाह दी जाती है। इसके अलवा एकाग्रता और मानसिक समस्या से बचने के लिए ओम मंत्र का उच्चारण करने की मौखिक सलाह चिकित्सक भी देते हैं।

विश्व में योग गुरुओं की कमी : योग के प्रति लोग आकर्षित हो रहे हैं मगर इसका सही ज्ञान देने वालों की पूरी दुनिया में कमी है। योग की ट्रेनिंग देने के लिए सैंकड़ों लोग मिल जाते हैं मगर इसे जीवन में शामिल करने का ज्ञान देने वाले महज एक प्रतिशत लोग ही हैं। वास्तव में योग गुरू ऐसा होना चाहिए जिसने योग विज्ञान को अपनी जीवन में शामिल किया हो और बनाए गए नियम का पालन करता हो। इससे योग विज्ञान का दूसरों को ज्ञान देने के साथ उसके नियम को अपनाने में वह स्वंय उदाहरण बन सकता है। **भारत में पढ़ाई, विदेशों में दे रहे शिक्षा** : 51 वर्षीय डॉ. अदरीश ब्रम्हदत्त ने श्री श्री विश्वविद्यालय, भारत से समग्र स्वास्थ्य में पीएचडी, बिहार योग भारती विवि से अनुप्रयुक्त योग विज्ञान में एमएससी तथा संबलपुर विश्वविद्यालय आयुर्वेदिक चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। उसके बाद विदेशों में योग के साथ आयुर्वेद की शिक्षा दे रहे हैं। पिछले 32 वर्षों से 61 देशों में योग, आयुर्वेद, उपचार, गायन बाउल और समग्र स्वास्थ्य शिक्षण, प्रशिक्षण, व्याख्यान और परामर्श दिया है। वे शिव योग ट्रस्ट इंडिया, अथर्व वेलनेस थाईलैंड और अगामासोल ग्लोबल के संस्थापक हैं।

कैरियर की अपार ....

अभ्यास को मन से समझने और उसे अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है।

अमेरिकी डॉ. माइकल ....

भारत आए तो योग के आकर्षण से नहीं बच पाए। यहां तीर्थनगरी ऋषिकेश स्थित महर्षि महेश योगी की चौरासी कुटिया में उन्होंने योग का प्रशिक्षण प्राप्त किया। उन्होंने अपने गुरू महर्षि महेश योगी से भावातीत योग की शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद महर्षि वैदिक यूनिवर्सिटी हॉलैंड से जुड़ कर उन्होंने योगाचार्य की उपाधि हासिल की। अब इसी यूनिवर्सिटी के माध्यम से वे विश्व भर में योग के प्रचार-प्रसार में जुटे हैं। बीते दिनों उत्तरकाशी आए बुश दंपती ने यहां गजोली और कुंसी गांव में स्थित महर्षि आश्रमों में साधकों को योग के गुर सिखाए। उन्होंने कहा कि भावातीत योग के माध्यम से शरीर निरोगी बनने के साथ ही व्यक्ति एकाग्रचित्त एवं तनावमुक्त रहता है।

उत्तराखंड में योग के 300 से अधिक केंद्र : उत्तराखंड में योग के 300 से अधिक केंद्र चल रहे हैं। इसका संचालन योग से जुड़ी कई संस्थाओं के अलावा आश्रमों में काम करने वाले साधु-संतों द्वारा किया जाता है। योग सीखने के लिए ऋषिकेश और उसके आस-पास का क्षेत्र विदेशियों को अधिक लुभाता है। विदेशियों द्वारा यहां योग सीखने का एक बड़ा कारण गंगा का एकांत तट, ऊंची पहाड़ियां और घने जंगल हैं जो उन्हें अपनी और आकृषित करते हैं। उत्तराखंड के ऋषिकेश, हरिद्वार, उत्तरकाशी, बद्रीनाथ, रूद्रप्रयाग, देवप्रयाग, जागेश्वर और अल्मोड़ा योग के प्रमुख केंद्रो में गिने जाते है। इसके अलावा ऋषिकेश के मुनिकीरेती, तपोवन, स्वर्गाश्रम, नीलकंठ और उसके आस-पास के क्षेत्रों में सौ से ज्यादा योग केंद्र बने हुए है।

जॉर्डन के केमरान ने ...

देने का भी कार्य करते हैं तथा देश विदेश में योग शिक्षा की अलख जगा रहे हैं। उन्होंने कई विदेशी युवाओं को योग शिक्षा से पारंगत किया है जो कि आज पूरे विश्व में योग की शिक्षा दे रहे हैं। डॉ. उपेन्द्र बाबू खत्री के एक शिष्य केमरान जो जॉर्डन के निवासी हैं। इन्होंने सांची यूनिवर्सिटी से योग की शिक्षा ग्रहण की और अपना नाम बदलकर केवलानंद रख लिया। अब केवलानंद जॉर्डन सहित यूके, न्यूजीलैंड, कनाडा, आस्ट्रेलिया सहित कई देशों में योग की शिक्षा दे रहे हैं। स्वामी केवलानंद ने हमारे प्रतिनिधि को संदेश देकर बताया कि मैं अन्य शैलियों के साथ केवल्य क्रिया योग भी सिखाता हूं। मेरा उद्देश्य प्रमाणिक रूप से योग सिखाना है, ताकि मेरे छात्र समझ सकें कि वास्तव में योग का क्या अर्थ है। मैंने कई साल पहले भारत में उपेंद्र जी के साथ बिताए समय से अनगिनत सबक सीखे, जिसमें धैर्य, जीवन की छोटी छोटी बातों में आनंद खोजना और आत्मखोज के लिए रोजमर्रा की जिंदगी में योग जप और ध्यान का उपयोग करना शामिल है।

मेडिकल डिवाइस कंपनियों पर बड़ी पाबंदी का ऐलान

ईयू ने लिया चीन के खिलाफ सख्त एक्शन, लागू किया आईपीआई कानून

एजेंसी ▶▶| पेरिस

चीन को लेकर अब यूरोप भी सख्त एक्शन लेने की तैयारी में है। यूरोपीय संघ (ईयू) ने शुक्रवार को चीन की मेडिकल डिवाइस कंपनियों पर बड़ी पाबंदी का ऐलान किया है। इस फैसले के तहत अब चीनी कंपनियां 5 मिलियन यूरो से ज्यादा की सरकारी मेडिकल डिवाइस खरीद में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। इसके साथ ही ऐसे टेंडरों में चीन से आने वाले कंपोनेंट्स की हिस्सेदारी भी 50% से ज्यादा नहीं हो सकेगी।

यह प्रतिबंध यूरोपीय संघ के नए 'इंटरनेशनल प्रोक्योरमेंट इंस्ट्रूमेंट (आईपीआई)' कानून के तहत पहली बार लागू किया जा रहा है, जो 2022 में पारित हुआ था. इसका मकसद रेसिप्रोकल (पारस्परिक) ट्रीटमेंट को सुनिश्चित करना है यानी अगर यूरोपीय कंपनियों को चीन में बाज़ार नहीं मिल रहा, तो चीन को भी उतनी ही सीमित पहुंच दी जाएगी। ईयू अधिकारियों के मुताबिकः- यूरोपीय कंपनियों को चीन की सरकारी खरीद में प्रवेश में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

511 करोड़ की जीत ली है बोली

बड़ी कामयाबी, हाल को मिली एसएसएलवी बनाने की टेक्नोलॉजी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में डिफेंस और एयरोस्पेस सेक्टर की बड़ी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (हाल) ने स्मॉल सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (एसएसएलवी) बनाने की 511 करोड़ रुपये की बोली जीत ली है। इसी के साथ हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स ने एसएसएलवी टेक्नोलॉजी ट्रांसफर हासिल कर लिया है। इंडियन नेशनल स्पेस प्रोमोशन एंड ऑथराइजेशन सेंटर (इन-स्पेसई) ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी।

भारत की स्पेस इकोनॉमी को बढ़ावा : रिपोर्ट के मुताबिक, इन-स्पेसई के चेयरमैन डॉ. पवन गोयनका ने कहा, यह पहली बार है जब किसी स्पेस एजेंसी ने किसी कंपनी को कम्प्लीट लॉन्च व्हीकल टेक्नोलॉजी ट्रांसफर की है। हाल के पास अब स्वतंत्र रूप से एसएसएलवी लॉन्च बनाने, इस पर मालिकाना हक रखने और कमर्शियलाइज करने की क्षमता होगी।

पेज एक के शेष

170 से ज्यादा देशों में...

की भीड़ यह साबित करती है कि अब योग वहां एक नया दौर शुरू कर चुका है। योग ने धर्म ने बंधन को भी तोड़ा है। वर्तमान में योग से हिंदूओं के साथ ही मस्लिम, ईसाई और दूसरे समूदाय के लोग भी जुड़ रहे हैं। यही नहीं ऊं का उच्चारण भी किया जा रहा है। अधिकांश भारतीय भी जो विदेशों में बस गए हैं, वे भी नियमित तौर पर अपने घरों में परिवार के साथ को कम्यूनिटी के साथ योग करते हैं। योग कक्षाओं का अंत प्रार्थना और नमस्ते के रूप में किए गए अभिवादन से होता है। कई बार ध्यान साधना के दौरान ओम मंत्र का जाप किया जाता है। बिलासपुर के मयंक दुबे अमेरिका के नार्थ कैरोलिना में हैं। वे सिंटेल इंडिया में साफ्टवेयर इंजीनियर हैं। वे बताते हैं कि योग अब यहां के लोगों की दिनचर्या में शामिल हो गया है। रोजाना की भागदौड़ से समय निकालकर योग करके अपने आप को फिट रखने के लिए लोग ट्रेनर भी रख रहे हैं। परिवार सहित घरों में योग के आसन किए जाते हैं। मयंक के मुताबिक कालोनियों में एक साथ मिलकर लोग योग करते हैं। इंटरनेशनल योग डे पर तो त्यौहार जैसा माहौल होता है। कंपनियों में काम करने वाले सभी स्टाफ चाहे वे हिंदू हो या मुस्लिम या किसी भी धर्म के सभी रोजाना योगा करते हैं।

कुवैत और कैनेडा में भी योग की धूम : बिलासपुर की श्रीमती नवीना चौहान ठाकुर फिलहाल कुवैत में हैं। अपनी दोस्त रुचिका चंद्राकर के साथ मिलकर योग की कक्षाएं संचालित करती हैं। 100 से अधिक लोग सुबह शाम इस योगा क्लास में शामिल होते हैं। कुवैत में भी योगा आम लोंगों के साथ ही कंपनियां भी अपना रहीं हैं। दुकानों में योगा बुक्स से लेकर योगा मैट्स जैसे तमाम उत्पाद बिक रहे हैं। भारतीय मूल के और विदेशी योगाचार्य पश्चिमी शैली की कसरतों का मिश्रण (फ्यूजन) करके योग की नई-नई विधियां निकाल रहे हैं। कैनेडा में साफ्टवेयर इंजीनियर विकास ठाकुर के अनुसार पश्चिम में योग के माध्यम से शारीरिक और मानसिक शक्ति बढ़ाने पर जोर होता है।

अब बदल रही दूसरे धर्मों की सोच : पिछले कुछ साल में करीब 45 मुस्लिम देशों के योग को अपनाने के बाद भारतीय मुस्लिम समाज में योग को लेकर सोच बदल रही है। कुछ साल पहले यूएई के दुबई में योग पर एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हुआ था। कई अरब देशों की तरफ से भी अपने बेहतर स्वास्थ्य के लिए मुसलमानों से योग को अपनाने की अपील की गई थी। इससे भारतीय मुसलमानों में भी इसे लेकर एतराज में कमी आई है। इसका नतीजा यह हुआ है कि पिछले कुछ साल से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुसलमानों को भी बढ़चढ़ कर हिस्सा लेते देखा जा रहा है। चीन में योग गुरू के रूप में पहचान बना चुके रवि भारद्वाज बताते हैं कि पूरे चीन में योग तेजी से स्वीकार किया जा रहा है। इसके साथ ही कई इस्लामिक देश में भी उनकी शाखाएं हैं जहां योग की ट्रेनिंग देने के लिए जाते हैं। शुरूआत में भाषा की समस्या आती है लेकिन योग की क्रिया की भाषा तो सभी के लिए होती है। वर्तमान में रवि जिलिन प्रांत के चांगचुंग जिले में रहकर लोगों को योग सिखा रहे हैं। रवि ने चीन में ही एक चीनी लड़की से शादी की, जिसको अब वह योगिता बुलाते है। उनका बेटा अमन अब एक साल का हो गया है। रवि इस दौरान वीडियो बनाकर अपने यू-ट्यूब चैनल पर शेयर करता है, जिन्हें लोग काफी पसंद करते हैं।

बड़ी कंपनियां भी अपना...

मानना है कि योगा से कर्मचारी कम बीमार पड़ेंगे, तो छुट्टी कम लेंगे। कर्मचारियों पर मेडिकल खर्च कम होगा और प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी। मानसिक क्षमता बढ़ेगी तो काम और जीवन में और संतुलन आएगा। इसके साथ ही नौकरी छोड़ने वालों की संख्या घटेगी। हालांकि योग को भारत के अलावा अमेरिका में बहुत अलग तरह से देखा जाता है। भारत में योग शिक्षक जहां श्वास लेना, ध्यान केन्द्रित करना, आसन और शरीर की क्रियाओं पर ध्यान देते हैं, वहीं अमेरिका में योग का ध्यान सम्बन्ध, प्रेम, दर्द, खुशी, दुःख, मन का खुलना जैसे बिन्दुओं पर रहता है।

मोनिका ने कराया विश्व में योग...

श्रीमती मंजूलता पाठक (61) साल भी रोजाना योगा करते हैं। योग क्षेत्र में 9 वर्षों से निरंतर कार्यरत डॉ मोनिका पाठक ने विश्व में योग में पहला डिज़ाइन पेटेंट त्राटक स्टैंड और और यूटिलिटी पेटेंट अष्टांग योग के आठ प्रहार करवाया है।

योग ने बदला जीने...

करते हैं। यही वजह है कि बचपन से ही उनमें सेहत के प्रति सजगता रहती है। इसके अलावा फैमिली के साथ योग करते हुए आप अपने पड़ोसियों और रिश्तेदारों को भी फैमिली के साथ इस तरह योग करते हुए टाइम स्पेंड करने के लिए प्रेरित करते हैं। जब आप साथ बैठकर दिन की शुरुआत करते हैं, तो बीते दिन कि चिढ़, नाराजगी और थकान सुबह के समय आप पर हावी नहीं होती है। सुबह के समय बॉडी एनर्जी से भरी होती हैं। योगा करने से आर फिट और फ्रेश महसूस करते हैं।

मैनी नदी में आई बाढ़ में...

व राजस्व विभाग की टीम एसडीआरएफ के साथ मिलकर रेस्क्यू अभियान चला रही है लेकिन 25 घंटे से अधिक समय बीत जाने के बाद भी महिलाओं और बच्चों को नहीं खोजा जा सका है। 19 जून की शाम विकासखंड के ग्राम केरजू चौकी अंतर्गत ग्राम ढोढागांव निवासी 25 वर्षीया बीनावती नागवंशी पति सुरेश नागवंशी अपने पुत्र 3 वर्षीय एरियस व महिला की रिश्तेदार 45 वर्षीया सोनारी पति कष्टू नागवंशी अपनी नातिन 6 वर्षीया अनिका आ. अजित नागवंशी के साथ घर से लगभग 4 किमी दूर स्थित मैनी नदी किनारे मौजूद जामुन पेड़ के पास मौजूद जाम खुखड़ी लेने गए हुए थे। शाम लगभग 4 बजे महिलाएं बच्चों को साथ में लेकर नदी पार कर रही थी। इस दौरान नदी में कमर तक ही पानी मौजूद था लेकिन जब महिलाएं और बच्चे बीच नदी में पहुँचे तभी अचानक ही नदी में बाढ़ आ गई। बाढ़ आने से महिलाओं को बचने और संभलने का मौका ही नहीं मिला और वे बाढ़ में बहने लगे। इस दौरान नदी के दूसरे छोर पर मवेशी चरा रहे ग्रामीणों ने महिलाओं और बच्चों की आवाज सुनी लेकिन उन्हें भी मदद करने का कोई मौका नहीं मिला। महिलाओं और बच्चों के बाढ़ में बहने की जानकारी जब गांव में फैली तो हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे और उनकी खोजबीन शुरू की गई लेकिन रात होने के कारण महिलाओं और बच्चों को नहीं खोजा जा सका।

30 किमी के दायरे में तलाश : मैनी नदी में महिलाओं और बच्चों के बहने की जानकारी शुक्रवार की सुबह पुलिस को दी गई जिसके बाद करेजू चौकी प्रभारी राजेश्वर महंत के साथ पुलिस टीम मौके पर पहुंची। चौकी प्रभारी ने वस्तुस्थिति से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया जिसके बाद राजस्व विभाग की टीम के साथ ही एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाया गया। सुबह से लेकर देर शाम तक ग्रामीणों के साथ ही एसडीआरएफ की टीम द्वारा महिलाओं और बच्चों को खोजने का प्रयास किया गया। महिलाओं और बच्चों की तलाश में घटनास्थल से आगे लगभग 30 किमी आगे ग्राम टांगरगांव तक खोजबीन की गई लेकिन 25 घंटे बाद भी डूबने वालों के बारे में कोई सुराग नहीं मिल पाया है। चौकी प्रभारी राजेश्वर महंत ने बताया कि बच्चों और महिलाओं की खोजबीन लगातार जारी है।

पीडब्लूडी और बिजली कंपनी के...

आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोप है कि लोक निर्माण विभाग का ईई बकाया भुगतान करने के एवज में दो लाख रुपए तथा जेई एक व्यक्ति के खिलाफ बिजली चोरी करने का आरोप लगाते हुए 50 हजार रुपए की मांग कर रहा था। एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने ठेकेदार रमेश कुमार यादव की शिकायत पर पीडब्लूडी के कार्यपालन अभियंता विद्युत, यांत्रिकी अजय कुमार टेम्बुरने को गिरफ्तार किया है। रमेश ने एसीबी कार्यालय जगदलपुर में शिकायत दर्ज कराई थी कि उसने निविदा कार्यों के माध्यम से विद्युतीकरण कार्य का पूरा किया। कार्य पूर्ण करने पर उसे 25 प्रतिशत भुगतान हुआ। शेष राशि के भुगतान के बदले ईई दो लाख रुपए की मांग कर रहा था। इस बात से परेशान होकर ठेकेदार ने ईई के खिलाफ जगदलपुर एसीबी कार्यालय में लिखित में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद एसीबी की टीम ने ईई को दो लाख रिश्वत लेते ट्रैप किया।

बिजली चोरी का आरोप...

नंद कुमार के घर पहुंचा। घर की जांच करने के बाद जेई ने नंद कुमार पर बिजली चोरी करने का आरोप लगाते हुए बिजली काटने की धमकी दी। कनेक्शन काटने से बचाने जेई ने नंद कुमार से 50 हजार रुपए की मांग की। दोनो के बीच 15 हजार रुपए में लेन-देन फाइनल हुआ। शिकायत के आधार पर एसीबी ने जेई को नंद कुमार से 15 हजार रुपए लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया।

मुठभेड़ में 8 लाख की ईनामी...

व कलपर के मध्य जंगल पहाड़ी क्षेत्र मे माओवादियों की उपस्थित की गोपनीय सूचना मिलने पर डीआरजी एवं बीएसएफ की संयुक्त पुलिस पार्टी नक्सलियों के घेराबंदी के लिए रवाना हुई। एरिया सर्च के दौरान ग्राम आमाटोला-कलपर के बीच जंगल पहाड़ी क्षेत्र मे संयुक्त पुलिस पार्टी और माओवादियों के बीच जबरदस्त मुठभेड़ हुई। उक्त ऑपरेशन में एक वर्दीधारी महिला नक्सली का शव बरामद किया गया है। मुठभेड़ के बाद सुरक्षा बल के जवान सकुशल मुख्यालय लौट आए हैं।

छोटे टुकड़ियों में घूम रहे हैं नक्सली : नक्सली मोमेंट को लेकर अंदरूनी सूत्रों ने बताया कि बस्तर, महाराष्ट्र बॉर्डर पर नक्सली 4, 5, 6 की संख्या में बंट गए हैं। छोटी टुकड़ियों में बटने के साथ साथ जंगल में कैंप करने के बजाय नक्सली अब अपने खास समर्थकों के पास मेहमान के रूप में गांवों में रुकना शुरू कर दिए हैं। जिस कारण से माओवादियों की चहल कदमी की जानकारी सुरक्षा बल के जवानों को आसानी से नहीं मिल पा रही है।

Government of Maharashtra
Labour Department
Maharashtra Building and Other Construction Workers Welfare Board
MMTC House, 5th Floor, C-22, E Block, BKC, Bandra (E). Mumbai-51
Telephone No. (022) 26572631/32 Email-bocwwboardmaha@gmail.com

-:: Notice for e-Tender ::-

Selecting Agency to "Supply, Delivery and Distribution of Safety Kit for Registered Workers of Maharashtra Building and other Construction Workers Welfare Board in Maharashtra"

Maharashtra Building and Other Construction Workers Welfare Board, Labour Department, Government of Maharashtra invites proposals from reputed and experienced companies/ firms to participate in the competitive bidding process for Selecting Agency to "Supply, Delivery and Distribution of Safety Kit for Registered Workers of Maharashtra Building and other Construction Workers Welfare Board in Maharashtra

For the detailed Tender document, interested bidders should visit https://mahatenders.gov.in

Tender submission would be online and the deadline to submit the proposals is 14.07.2025 till 06.55 PM

Date: 21.06.2025
Place: Mumbai

Sd/-
(Vivek Kumbhar)
Secretary cum CEO.
Maharashtra Building and Other Construction Workers Welfare Board, Mumbai

DGIPR 2025-26/1276

साऊथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
'मिनी रत्न कम्पनी'
(कोल इंडिया लिमिटेड का उपक्रम)

सूचना

एसईसीएल द्वारा सामग्रियों, कार्यों एवं सेवाओं की खरीद के लिए जारी निविदाऐं एसईसीएल की वेबसाईट http://www.secl-cil.in, कोल इंण्डिया के ई-प्रोक्यूमेंट पोर्टल http://coalindiatenders.nic.in और सेन्ट्रल पब्लिक प्रोक्यूरमेंट पोर्टल http://eprocure.gov.in पर उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in के माध्यम से भी खरीदी का कार्य किया जाता है। एसईसीएल के माईनिंग सर्विसेस की निविदायें भी अब जीईएम पोर्टल http://gem.gov.in पर उपलब्ध हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
स्टोर्स आइटम्स की आपूर्ति हेतु निविदा सूचना
ई- निविदा सूचना संख्याः एनआईटी/14/25/24, दिनांक 17.06.2025.

क्र. सं.	टेन्डर संख्या	विवरण	निविदा बंद/ खुलने की तिथि	मात्रा
1.	03253367	कॉस्ट स्टील बोलस्टर विथ इंटेग्रेटेड 14" सेंटर पिवोट बॉटम फॉर एलडब्ल्यूएलएच25 बोगी	03.07.2025	142 नग
2.	03253374	एडाप्टर (नेरोव जॉव विथ लग) क्लास 'के' 6 1/2" X9" फॉर एलडब्ल्यूएलएच 25 टी बोगी	03.07.2025	19349 नग
3.	07251576	जेंटियन ब्लू (आर.ए.एल.–5010) पी.यू. बेस पेंट	11.07.2025	77580 मीटर
4.	07252434	मेन्यूल मेटल आर्क वेल्डिंग क्लास एम2	11.07.2025	364640 मीटर
5.	03251635	डिस्ट्रीब्यूटर वॉल्व कम्प्लीट	15.07.2025	148 नग
6.	06250081	मेनुफेक्चर एंड सप्लाई ऑफ 10एम.एम. थिक कम्पोजिट ग्रूव्द रबर सोल प्लेट	15.07.2025	443200 नग
7.	07251522	फ्लेक्सिबल पॉलीविनाइल क्लोराईड (पी.व्ही.सी.) फ्लोरिंग शीट	16.07.2025	550 नग

निविदा खुलने/बंद होने का समयः- 10.30 बजे

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई खरीद की जरूरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते है।
सीपीआर/10/109 कृते प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

Steel Education Society
Room No. 1, Office of Employee Services, Old Health Centre, Sector-5, Bhilai-490006
Telephone No. 0788-285-8208

एडहाक टीचर की नियुक्ति

स्टील एजुकेशन सोसायटी, भिलाई, द्वारा भिलाई इस्पात संयंत्र के भिलाई एवं हिर्री स्थित स्कूलों के लिए विभिन्न विषयों के लिए एडहाक टीचर, एकेडमिक वर्ष 2025-26 हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते हैं। अभ्यर्थी निम्न दिए गए किसी एक पद के लिए आवेदन दे सकते हैं: 1) अनुभवी टीचर :पात्रता-न्यूनतम 10 वर्ष का अनुभव एवं 01 अप्रैल 2025 को आयु 64 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए 2) ट्रेनी टीचर :पात्रता-भिलाई स्थित स्कूलों के लिए : 55 प्रतिशत के साथ स्नातक या 50 प्रतिशत के साथ स्नातकोत्तर उत्तीर्ण एवं बी.एड. डिग्री अनिवार्य; हिर्री स्थित स्कूल के लिए: स्नातक या स्नातकोत्तर उत्तीर्ण एवं बी.एड. डिग्री अनिवार्य 3) अनुभवी लैब तकनीशियन :पात्रता-न्यूनतम 10 वर्ष लैब तकनीशियन का अनुभव एवं 01 अप्रैल 2025 को आयु 64 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए 4) ट्रेनी टीचर-कंप्यूटर : पात्रता-बी.ई./ बी. टेक(कंप्यूटर सांइस)/ बी.सी.ए/ एम.सी.ए/ एम.एस.सी (कंप्यूटर सांइस)/ एम.एस.सी (इलेक्ट्रानिक्स के साथ कंप्यूटर सांइस कॉम्पोनेन्ट)/ एम.एस.सी(आई.टी)/ बी.एस.सी(कंप्यूटर सांइस)/ मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी भी विज्ञान विषय या गणित में स्नातक/ स्नातकोत्तर डिग्री एवं सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा/ किसी भी विषय में स्नातकोत्तर डिग्री एवं सरकारी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा 5) ट्रेनी टीचर-खेल : पात्रता-मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से बी.पी.एड.।

आवेदन फार्म को ऑनलाइन लिंक : https://roopadevivegesna.wixsite.com/steel-education-soci द्वारा भरना होगा

तत्पश्चात, सिस्टम द्वारा ऑनलाइन आवेदन में अभ्यर्थी द्वारा घोषित ई-मेल में आवेदन की साफ्ट कॉपी (soft copy) भेजी जायेगी। इस साफ्ट कॉपी का प्रिंट निकालकर उसके साथ अपने शैक्षणिक योग्यता तथा अनुभव सर्टिफिकेट एवं पासपोर्ट साइज फोटो संलग्न कर दिनांक 04.07.2025 तक सचिव, स्टील एजुकेशन सोसायटी, रूम नम्बर-01, कर्मचारी सेवायें कार्यालय, पुराना हॉस्पिटल बिल्डिंग, सेक्टर-05, भिलाई, पिन कोड-490006 में या इंचार्ज प्रिंसिपल, हॉयर सेकन्ड्री स्कूल, हिर्री माइंस-495222 को पोस्ट द्वारा या स्वयं जमा करना होगा। साक्षात्कार की तिथि की सूचना अभ्यर्थी के आवेदन फार्म में घोषित ई-मेल पर भेजी जाएगी।

सचिव, स्टील एजुकेशन सोसायटी, भिलाई,
संपर्क नं: 0788-2858208

राशिफल

मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। शैक्षिक कार्यों में कठिनाइयां आ सकती हैं। बातचीत में संयत रहें।

वृष – मन में शान्ति एवं प्रसन्नता के भाव रहेंगे। माता का सानिध्य मिलेगा। बातचीत में संयत रहें। आय की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

मिथुन – आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। कारोबार को गति मिल सकती है। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। धैर्यशीलता में कमी आएगी।

कर्क – किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है, परन्तु स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संयत रहें।

सिंह – किसी पैतृक सम्पत्ति का लाभ हो सकता है। यात्रा पर जा सकते हैं। कला एवं संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे।

कन्या – कारोबार के लिए यात्रा लाभप्रद रहेगी। सेहत का ध्यान रखें। धैर्यशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। माता का साथ मिलेगा। वाहन सुख में कमी आ सकती है।

तुला – पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। संगीत में रुचि बढ़ सकती है।

वृश्चिक – धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। कार्यक्षेत्र की स्थिति अनुकूल रहेगी। पिता से धन प्राप्ति के योग बन रहे हैं। बातचीत में सन्तुलन बनाए रखें।

धनु – अति उत्साही होने से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। परिवार में सम्मान की प्राप्ति होगी। जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद रहेंगे। दिनचर्या अव्यवस्थित रहेगी।

मकर – रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। मन प्रसन्न रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है।

कुंभ – अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय बढ़ेगी। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। कारोबार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। लाभ में वृद्धि होगी।

मीन – नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। घर–परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिश्रम की अधिकता रहेगी।

शब्द पहेली - 5904

बाएँ से दाए
1.बलगम-2
3.जाप, मंत्र पाठ-2
5.काया, बदन-2
7.ठाठ-बाट-2
9.गिरावट, अवनति-3
11.बुरी आदत-2
13.सदं, अच्छा-2
15.बंदर-3
17.अपशिष्ट पदार्थ-2
19.थोड़ा-2
22.दबाना, कुचलना-3
24.शारीरिक ऊंचाई-2
26.आम जनता-2
28.पिता के पिता-2
30.पक्षाघात, फालिज-3
32.मनमौजी, अलमस्त-2
34.नवीन-2
36.लोच-3
38.गाड़ी, घोड़ागाड़ी-2
41.बीता हुआ दिन-2
43.लेखनी, पेन-3
45.अधर-2
47.रांझा की प्रेमिका-2
49.अप्सरा, परी-2
51.गर्भ, कोख-3
53.दंड, शिक्षा-2
55.पाश, फंदा-2
57.परखना-3
60.वोट, अभिप्राय-2
62.हत्या-2
64.तिरस्कृत-3
66.शराब-2
67.उद्देश्य-2
68.टूंटी, नलका-2
69.आनंद-2

ऊपर से नीचे
1.प्याला-2
2.धर्म आदेश-3
4.क्षण, लमहा-2
6.गगन, आकाश-2
8.सरुर, खुमार-2
10.पति की बहन-3
12.अंधकार-2
14.शर्म, लज्जा-2
16.पासों से भविष्य जानने की विद्या-3
18.भाग्य (अंग्रेजी-2)
20.रहस्य-2
21.कुर्बान-2
23.अनुकृति-3
25.जोर, बल-2
27.नाखून-2
29.दक्षिणा-2
31.पढ़ने वाला-3
33.परत-2
35.भैंस जैसा एक प्राणी-2
37.झगड़ा-3
39.भूमि, धरा-2
40.राहगीर-2
42.रक्त-2
44.मां का प्रेम-3
46.दम-2
48.आनंद-2
50.छुट्टी-2
52.झगड़ना-3
54.प्याला-2
56.प्यार-2
58.असफल-3
59.यमराज-2
61.पैंदा-2
63.संपत्ति-2
65.सम्राट-2

शब्द पहेली - 5903 का हल

सूडोकु नवताल- 5914

मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			

सूडोकु नवताल- 5913 का हल

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नई दिल्ली। *यह कोई काल्पनिक जासूसी फिल्म नहीं, बल्कि हकीकत है जिसने पूरे मध्य पूर्व और दुनिया भर में हलचल मचा दी है। ईरान की राजधानी तेहरान से सामने आया यह खुलासा दिखाता है कि कैसे इजरायल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने अपने सबसे दुस्साहसी मिशनों में से एक को अंजाम दिया और वह भी एक महिला एजेंट के जरिए, जिसने ना सिर्फ़ दुश्मन देश में घुसपैठ की, बल्कि अफसरों के सबसे निजी जीवन तक पहुंच बनाई।*

मोसाद की महिला जासूस ने हालिया जंग में इजराइल को दी कई ब्रेक-थ्रू जानकारी

अधिकारियों को बनाया हुस्न का दीवाना, हिला दी ईरानी हुकूमत

इजराइल के सटीक हमले से ईरान को हुआ संदेह, तब पता चला

कौन है ये महिला एजेंट?

इस एजेंट का नाम है कैथरीन पेरेज शेकेड, जो फ्रांसीसी मूल की बताई जा रही है। वह खूबसूरत, तेजतर्रार और खुफिया ट्रेनिंग में माहिर थी। दो साल पहले उसने ईरान में एंट्री की और खुद को एक धार्मिक जिज्ञासु बताकर ईरानी समाज में घुल-मिल गई। उसने शिया इस्लाम को कबूल कर लिया और धीरे-धीरे ईरान के शीर्ष अधिकारियों के घरों में 'भरोसे की मेहमान' बनकर दाखिल हो गई।

धर्म की आड़ में गहराई तक घुसपैठ

कैथरीन ने पहले धार्मिक शिक्षाओं में रुचि दिखाकर अधिकारियों की पत्नियों से दोस्ती की। फिर उसने ऐसे भरोसे का माहौल बना लिया कि उसे घर के हर कोने में आने-जाने की आजादी मिल गई। यहां तक कि कई अफसरों के बेडरूम तक उसकी पहुंच बन गई थी। जहां ईरान की सुरक्षा एजेंसियां सामान्य नागरिकों के मोबाइल फोन तक स्कैन करती हैं, वहीं कैथरीन घरों की तस्वीरें, सुरक्षा ठिकानों की लोकेशन, और अन्य संवेदनशील जानकारियां मोसाद तक भेज रही थी।

कैसे हुए हमले इतने सटीक?

जब ईरान और इजरायल के बीच तनाव बढ़ा, तो ईरानी अधिकारी अपने ठिकाने बदलने लगे। उन्हें लगा कि वे अब सुरक्षित हैं। लेकिन हर हमला इतना सटीक था, जैसे किसी ने नक्शा और समय पहले से तय कर रखा हो। इसी से ईरानी खुफिया एजेंसियों को शक हुआ और जांच शुरू की गई।

तस्वीरों से खुला राज

जांच के दौरान अफसरों के साथ ली गई तस्वीरों और वीडियो फुटेज को खंगालते हुए एक चेहरा बार-बार सामने आया-कैथरीन पेरेज शेकेड। उसकी पहचान तब पक्की हुई जब वो कई अहम अफसरों के साथ घरेलू तस्वीरों में दिखी। लेकिन जब तक पहचान हुई, बहुत देर हो चुकी थी।

अब कहां है कैथरीन?

अब कैथरीन गायब है। ईरान की खुफिया एजेंसी ने देशभर में उसके पोस्टर और फोटो जारी किए हैं, लेकिन न तो उसका कोई सुराग मिला है और न ही कोई आवाज. कुछ रिपोर्टों के मुताबिक वह अब किसी और पहचान में किसी और देश में रह रही हो सकती है। लेकिन यह साफ है कि वह मोसाद के सबसे सफल और चर्चित जासूसी अभियानों में से एक का हिस्सा बन चुकी है।

मोदी ने आंबेडकर के अपमान पर राजद अध्यक्ष को घेरा

'खुद को बाबा साहेब से भी बड़ा दिखाना चाहते हैं लालू, दलितों के लिए मन में कोई सम्मान नहीं'

एजेंसी ▶▶| पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के फोटो फ्रेम का अपने जन्मदिन के दिन अपमान करने के लिए राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव को घेर लिया है। मोदी ने सीवान में एक सभा में कहा कि ये लोग कदम-कदम पर बाबा साहेब का अपमान करते हैं। इस मसले पर लालू से माफी मांगने की बढ़ती मांग की चर्चा करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ये लोग कभी माफी नहीं मांगेंगे। इनके मन में दलित, महादलित, पिछड़े और अति पिछड़े के लिए कोई सम्मान नहीं है।

मोदी ने कहा- 'हम कहते हैं सबका साथ, सबका विकास। लेकिन लालटेन और पंजे वाले कहते हैं, परिवार का साथ, परिवार का विकास। इनकी राजनीति का कुल जमा निचोड़ यही है, अपने-अपने परिवारों के हित के लिए ये देश के, बिहार के करोड़ों परिवारों का अहित करने से भी नहीं चूकते हैं। बाबा साहेब आंबेडकर भी इस तरह की राजनीति के बिल्कुल खिलाफ थे। इसलिए ये लोग कदम-कदम पर बाबा साहेब का अपमान करते हैं।'

तीन हफ्तों में दूसरी बार बिहार पहुंचे प्रधानमंत्री

बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में होंगे विधानसभा चुनाव

पंजे-लालटेन से बचकर रहें

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मेरे बिहारी भाई-बहन कठिन से कठिन परिस्थिति में काम करके दिखा देते हैं। वो कभी अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं करते लेकिन, पंजे और लालटेन वालों ने मिलकर बिहार के स्वाभिमान को बहुत ठेस पहुंचाई है। इनसे बचकर रहें'। मोदी ने यहां दस हजार करोड़ रुपये से अधिक की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी सहित बिहार कैबिनेट के तमाम मंत्री और नेता इस मौके पर मौजूद रहे। पिछले तीन हफ्तों में मोदी दूसरी बार बिहार पहुंचे हैं। बिहार में इस साल अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा के चुनाव होने हैं।

बिहार में झूठ, जुमलों और भ्रम की बारिश'

राजद चीफ लालू यादव ने एक्स पर पोस्ट किया, 'बिहार हित में मौसम की चेतावनी - आज बिहार में झूठ, जुमलों और भ्रम की भारी बारिश हो रही है, गरज के साथ झूठे लुभावने वादों के ओले भी पड़ रहे हैं, संभल कर रहें। लालू प्रसाद की ये टिप्पणी ऐसे समय आई है जब प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सिवान दौरे के दौरान जंगलराज की याद दिलाते हुए आरजेडी पर हमला बोला। बिहार विस में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा, प्रधानमंत्री ने अब तक बिहार को क्या दिया? बिहार के लोग अब कहने लगे हैं बिहार में जुमलों का साया है फिर देखो वही आया है।

ट्रंप ने मुझे अमेरिका बुलाया, मैंने कह दिया धन्यवाद

मोदी ने ओडिशा के भुवनेश्वर में रोड शो भी किया। उन्होंने भुवनेश्वर में जनसभा भी की। यहां उन्होंने कहा, दो दिन पहले मैं कनाडा में जी7 समिट के लिए गया था। अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने मुझे फोन किया। उन्होंने कहा कि अब कनाडा तो आए ही हैं तो वॉशिंगटन होकर के जाइए। साथ में खाना खाएंगे बातें करेंगे। उन्होंने निमंत्रण दिया। मैंने ट्रंप को कहा आपके निमंत्रण के लिए धन्यवाद, मुझे महाप्रभु की धरती पर जाना बहुत जरूरी है। इसलिए मैंने उनके निमंत्रण को नम्रतापूर्वक मना किया। आपका प्यार महाप्रभु की भक्ति मुझे इस धरती पर खींचकर के ले आई है।

शाह के बयान पर राहुल का पलटवार

'भाजपा-आरएसएस नहीं चाहते कि गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भाषा विवाद को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बयान पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पलटवार किया है। राहुल ने कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) नहीं चाहते कि गरीब के बच्चे अंग्रेजी सीखे।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गुरुवार को कहा था कि जल्द ही भारत में ऐसा समय आएगा जब अंग्रेजी बोलने वाले खुद को शर्मिंदा महसूस करेंगे। ऐसे समाज का निर्माण अब दूर नहीं है। गांधी ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट किया कि अंग्रेजी बांध नहीं, पुल है। अंग्रेजी शर्म नहीं, शक्ति है। अंग्रेजी जंजीर नहीं - जंजीरें तोड़ने का औजार है। उन्होंने आगे लिखा, भाजपा-आरएसएस नहीं चाहते कि गरीब बच्चा अंग्रेजी सीखे. वह नहीं चाहते हैं कि वह पढ़-लिखकर सवाल पूछें, आगे बढ़ें और बराबरी करें। आज के समय में अंग्रेजी उतनी ही जरूरी है जितनी आपकी मातृ भाषा - क्योंकि यही रोजगार दिलाएगी और आत्मविश्वास बढ़ाएगी। राहुल ने कहा कि भारत की हर भाषा में आत्मा है, संस्कृति है, ज्ञान है। हमें उन्हें संजोना है - और साथ ही हर बच्चे को अंग्रेजी सिखानी है। यही रास्ता है एक ऐसे भारत का, जो दुनिया से मुकाबला करे, जो हर बच्चे को बराबरी का मौका दे। राहुल ने पोस्ट के साथ एक वीडियो भी शेयर किया है। जिसमें वह बता रहे हैं कि अंग्रेजी एक हथियार है। आप अगर अंग्रेजी सिख जाते हैं तो कहीं भी घुस सकते हैं।

केरल के मंत्रियों ने भी की शाह की निंदा

आज केरल की उच्च शिक्षा मंत्री आर. बिंदु और सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने केंद्रीय गृह मंत्री शाह के कथित अंग्रेजी विरोधी बयान की आलोचना की। उन्होंने कहा कि यह एक 'संकीर्ण' राजनीतिक दृष्टिकोण को दर्शाता है। उन्होंने इसे निंदनीय बताया। आर. बिंदु ने कहा कि अंग्रेजी दुनिया की सबसे अधिक उपयोग की जाने वाली भाषा है, चाहे वह आपसी संवाद हो या इंटरनेट पर संपर्क। उन्होंने कहा, यह विचार कि बच्चों को अंग्रेजी नहीं सीखनी चाहिए या यह शर्मिंदगी का कारण होगी, बच्चों की दुनिया को और सीमित कर देगा। भारत कोई अलग-थलग टापू नहीं है, इसलिए अंग्रेजी सीखना आज एक जरूरत बन गया है।

कार्यालय नगर पंचायत टुण्डरा जिला बलौदाबाजार-भाटापारा (छ.ग.)

Email- Nagarpanchayattundra@gmail.com

क्रमांक/264/न.पं./राज./2025-26 — -: प्रकाशन सूचना :- — टुण्डरा, दिनांक 19/06/2025

संपत्तिकर स्व निर्धारण हेतु प्रतिवर्ग फिट अनुमोदित भाड़ा दर की सूची वर्ष 2021-22

परिक्षेत्र जोन	भवन						भूमि					
	आवासीय			व्यवसायिक			विकसित			अविकसित		
	कच्चा	अर्द्धपक्का	पक्का	कच्चा	अर्द्धपक्का	पक्का	आवासीय	व्यवसायिक	अन्य	आवासीय	व्यवसायिक	अन्य
परिक्षेत्र जोन,-01 वार्ड क्र. 01,02,03,04,05	10.2	11.25	22	12	15	35.00	5.4	7.75	4.5	5.1	3.4	2
परिक्षेत्र जोन,-01 वार्ड क्र. 06,07,08,09,10	12.4	14.5	22	14	18	30	6.3	6.7	3.5	5.6	5	4
परिक्षेत्र जोन,-01 वार्ड क्र. 11,12,13,14,15	14.2	16	18	16	21	30	8.4	7.5	5.8	6.7	4	3

वार्षिक भाड़ा मूल्यांकन दर सम्पत्तिकर निर्धारण हेतु वार्षिक भाडा मूल्यांकन दर निम्नानुसार निर्धारित किया जाता है :-

1. जहां वार्षिक भाड़ा मूल्य 4800/ रूपये से अधिक हो किन्तु 10000/ से अधिक न हो वार्षिक भाड़ा मूल्य का 6 प्रतिशत
2. जहां वार्षिक भाड़ा मूल्य 10000/ रुपये से अधिक हो किन्तु 20000/ से अधिक न हो वार्षिक भाड़ा मूल्य का 7 प्रतिशत
3. जहां वार्षिक भाड़ा मूल्य 20000/ रूपये से अधिक हो वार्षिक भाड़ा मूल्य का 10 प्रतिशत की दर से संपत्तिकर देय होगा।

प्रत्येक भुमि भवन स्वामियों को नियम 10 के अनुसार 31.03.2017 तक नियम 8 के अनुसार विवरण (स्व निर्धारण) तथा संपत्तिकर एवं समेकित कर की राशि जमा करने के लिए निर्धारित किया जाता है। नियम तिथि विवरणी एवं सम्पत्ति कर जमा नहीं किये जाने पर 3 प्रतिशत अधिभार देय होगा। 4. विस्तृत जानकारी कार्यालय अवधि में राजस्व विभाग से छोड़कर प्राप्त की जा सकती है।

सहायक राजस्व निरीक्षक
नगर पंचायत टुण्डरा

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत टुण्डरा

विमान की वापसी की यात्रा रद्द

दिल्ली-पुणे एयर इंडिया की फ्लाइट से पक्षी टकराया

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली से पुणे जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट में शुक्रवार को पक्षी टकरा गया। इस वजह से एयरलाइन को अपनी वापसी की यात्रा रद्द करनी पड़ी। एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और पक्षी टकराने का पता पुणे में उतरने के बाद चला। विमान को आगे की यात्रा के लिए रोक दिया गया। इंजीनियरिंग टीम की ओर से विमान की व्यापक जांच की जा रही है। एयरलाइन ने कहा, '20 जून को पुणे से दिल्ली के लिए उड़ान भरने वाली एआई-2470 को पक्षी टकराने के कारण रद्द कर दिया गया है, जिसका पता आने वाली फ्लाइट के पुणे में सुरक्षित उतरने के बाद चला।'

मदुरै जा रहे इंडिगो विमान में बीच हवा में आई खराबी

चेन्नई। चेन्नई से मदुरै जा रहे इंडिगो एअरलाइन के एक विमान में बीच हवा में तकनीकी खराबी आ गई, जिसके बाद फ्लाइट को वापस चेन्नई लौटना पड़ा। हवाई अड्डे के अधिकारियों ने बताया कि करीब आधे घंटे की उड़ान के बाद इंडिगो एअरलाइंस के विमान के पायलट को खराबी के बारे में पता चला, जिसने फिर चेन्नई वापस आने और उतरने की अनुमति मांगी। उन्होंने बताया कि करीब 68 यात्रियों को लेकर जा रहा विमान बाद में सुरक्षित रूप से यहां उतर गया और सभी यात्रियों को विमान से उतार लिया गया।

मुंबई लोकल ट्रेन हादसों पर कोर्ट नाराज

हर दिन 10 लोगों की मौत गंभीर मामला यात्रियों की स्थिति बहुत चिंताजनक

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मुंबई लोकल ट्रेन नेटवर्क पर हो रही यात्रियों की मौतों को लेकर गहरी चिंता जताई है। कोर्ट ने इस स्थिति को 'चिंताजनक' बताया, खासकर तब जब हाल ही में एक भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरकर पांच यात्रियों की मौत हो गई थी। मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार अराड़े और न्यायमूर्ति संदीप मर्ने की खंडपीठ ने कहा कि इस तरह की दुखद घटनाएं दोबारा न हों, इसके लिए तुरंत जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए। कोर्ट ने 9 जून को हुए हादसे का विशेष रूप से जिक्र किया, जिसमें मुम्ब्रा स्टेशन के पास एक भीड़भाड़ वाली लोकल ट्रेन से गिरकर पांच यात्रियों की मौत हो गई थी और आठ लोग घायल हुए थे।

डॉ.वाशानी दर-दाँत (गम पेंट)
बायो-डेंट गम पेंट, मुंह के छाले, दांत दर्द और जलन में लाभकारी यह आर्युवेदिक दवा है, यह हर्बल दवा 100 प्रतिशत सुरक्षित है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769
हर्बल लेप शिव मस्सानाशक
शिव मस्सानाशक को 12-15 घटों तक लगाकर रखेंगे तो यह मस्से को शीघ्र हटा देगा। जब तक मस्सा न हट जाए, रोज 1-2 बार लगाना है। यदि लगाने के बाद किसी कारणवश लेप पुछ जाए तो पुन: लगा दें।

संघर्ष विराम की पहल के साथ पाक ने अमेरिका, सऊदी अरब से लगाई थी मध्यस्थता की गुहार

पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री इशाक डार ने सार्वजनिक रूप से स्वीकारी सच्चाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने पहली बार सार्वजनिक रूप से 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद हुए उनके देश की पहल पर भारत के साथ हुए संघर्षविराम की असल सच्चाई पूरी दुनिया के सामने स्वीकार की है। जियो न्यूज से बातचीत में उन्होंने बताया कि 6-7 मई की दरमियानी रात प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के निर्देश पर हमारी सारी तैयारी पूरी हो चुकी थी।

तड़के 4 बजे हम भारत पर हमला करने वाले ही थे कि उससे पहले रात में ढाई बजे भारत ने ही हम पर दोबारा हमला बोल (ब्रह्मोस मिसाइलों के साथ) दिया और पाकिस्तानी वायुसेना के रावलपिंडी और पंजाब प्रांत में मौजूद दो बेहद महत्वपूर्ण ठिकानों नूरखान और शोरकोट समेत कई जगहों को निशाना बनाकर भयंकर तबाही मचाई। जिसके बाद पाकिस्तान ने पहले अमेरिका और उसके बाद सऊदी-अरब से भारत के साथ संघर्षविराम के लिए मध्यस्थता करने की गुहार लगाई। गौरतलब है कि इस साल 22 अप्रैल को पाकिस्तान समर्थित लश्कर-तैयबा आतंकवादी संगठन ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 26 निर्दोष लोगों की उनका धर्म पूछकर बेरहमी से हत्या कर दी थी।

इसके जवाब में भारत ने 7 मई की मध्यरात्रि के बाद ऑपरेशन सिंदूर नामक सैन्य कार्रवाई के जरिए पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में मौजूद लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद के कुल 9 आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया। बड़ी संख्या में आतंकी भी मारे गए।

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479 0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल (ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑंकोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल (मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. राजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

श्रीराम किंकर मेडीकल इंस्टीट्यूट
डॉ. नवनीत जैन
एम.एस.- एडवांस लेप्रोस्कोपी एवं जनरल सर्जन (गोल्ड मेडलिस्ट)
डॉ. करूणा जैन
एम.डी.- प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ
लिली चौक, रायपुर - 492001
फोन : 0771-2536521, मो. 9329103589

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

निवेद चेस्ट & आई केयर
उपलब्ध सुविधायें
एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयॉथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण स्लिप स्ट्डी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें
मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनॉपैथी और मेडिकल रेटिना
डॉ. देवी ज्योति दास
M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे
MS Ophthalmology
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

सुविधाएं :
पी.एफ.टी.
ब्रांकोस्कोपी
स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद

अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभाट टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर
0771-4050006, 81031 28515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.
नाक,कान, गला विभाग
• सिर, मुख एवं गले का कैन्सर।
• ऑपरेशन द्वारा ईलाज
• नाक की प्लास्टिक सर्जरी
चक्कर की जाँच
एलर्जी
Dental & Consmetic Treatments
• टेड़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
• दांतो की नसों का इलाज
• दांतों की सफाई व चमकाना
• दंत प्रत्यारोपण
• मुंह के कम खुलने का इलाज
(Hearing Aids) सुनाई मशीन

मनोरोग
नशा उन्मूलन
एवं यौन रोग
विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
सेवाएं • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

शेयर बाजार में गिरावट थमी, सेंसेक्स 1,046 अंक उछला, निफ्टी फिर 25,000 के पार

भारी तेजी से निवेशक मालामाल, एक दिन में 4.8 कमाए

एजेंसी ▸▸ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में पिछले तीन दिनों से जारी गिरावट पर शुक्रवार को विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स में 1,046 अंकों का उछाल आया। वहीं एनएसई निफ्टी फिर से 25,000 के पार पहुंच गया। वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच वित्तीय, दूरसंचार और प्रौद्योगिकी शेयरों में खरीदारी के चलते शुक्रवार को बाजार में तेजी आई। निवेशकों ने एक दिन में 4.8 लाख करोड़ रुपए कमाए। कारोबारियों ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने के बीच विदेश से बड़े पैमाने पर सकारात्मक रुझान और विदेशी पूंजी की लिवाली से घरेलू शेयर बाजारों को समर्थन मिला।

बीएसई सूचकांक 1046 अंक उछला

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 1,046.30 अंक उछलकर 82,408.17 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 1,132.62 अंक बढ़कर 82,494.49 पर पहुंच गया था। निफ्टी 319.15 अंक चढ़कर 25,112.40 पर बंद हुआ।

डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे बढ़कर 86.59 पर बंद

मुंबई। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और डॉलर के कमजोर होने से शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 14 पैसे बढ़कर 86.59 (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि घरेलू शेयर बाजारों में मजबूत प्रदर्शन और एफआईआई लिवाली ने स्थानीय मुद्रा को और समर्थन दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.65 पर खुला और 86.55-86.67 के सीमित दायरे में कारोबार करता रहा।

भूल सुधार

18.06.2025 को प्रकाशित आम सूचना के.आर. बंजारे, ए.के.अनंत अधिवक्तागण की आम सूचना जिसमें पक्षकार के द्वारा सुजय सिंह पिता स्व.जय बहादूर सिंह की स्वामित्व/अधिपत्य की दुकान 38 से. 8 मार्केट भिलाई नगर में स्थित है भूलवश शाप नं. 38 की जगह 30 प्रकाशित हो गया है, जिसे सुधारकर शाप नंबर 38 पढ़ा जाय।

कार्यालय अधिष्ठाता
स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति शास. चिकित्सा महाविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.)
(दूरभाष क्र. 07762-220742 वेबसाईट - www.gmcraigarh.edu.in ई-मेल gmcraigarh.2013@gmail.com)

क्रमांक/ शा.चि.म./स्था./2025/5426 रायगढ़, दिनांक 19.06.25

// Walk-in-Interview //

स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति, शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.) के प्राध्यापक, सह-प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक एवं सीनियर रेसीडेंट रिक्त पद के साथ समय-समय पर रिक्त होने वाले पदों पर छ.ग. सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम 2012 में उल्लेखित शर्तो के अधीन संविदा भर्ती किया जाना है, इस हेतु शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.) में विज्ञापन प्रकाशन तिथि से प्रत्येक कार्य दिवस में **"वाक-इन-इन्टरव्यू"** आयोजित है।

वर्तमान में रिक्त पदों की संख्या निम्नानुसार है :-

1. **प्राध्यापक-** 14 (फिजियोलॉजी-1, फार्माकोलॉजी-1, माइक्रोबायोलॉजी-1, एफ.एम.टी. - 1, मेडिसीन-1, शिशुरोग-1. चर्म एवं रतिजरोग-1, मनोरोग-1, अस्थिरोग-1. नेत्ररोग-1, रेडियोडायग्नोसिस-1, प्रसूति एवं स्त्रीरोग-1, ईमरजेंसी मेडिसीन-1 फिजिकल मेडिसीन एंड रिहेबिलीटेशन- 1)
2. **सह प्राध्यापक-** 09 (एनाटॉमी-1, फिजियोलॉजी-1, बायोकेमेस्ट्री-1, फार्माकोलॉजी-1, माइक्राबायोलॉजी-1, मनोरोग-1, निश्चेतना-2, रेडियोडायग्नोसिस -1)
3. **सहायक प्राध्यापक-** 24 (एनाटामी-1, फिजियालॉजी-2, बायाकेमेस्ट्री-2, पैथोलॉजी-2, माइक्रोबायोलॉजी-1, पी. एस.एम.-4, मेडिसीन-2, मनोरोग-1, टी.बी. एण्ड चेस्ट-1, अस्थिरोग - 2, स्त्री एवं प्रसूतिरोग-1, निश्चेतना-2, रेडियोडायग्नोसिस -1, ईमरजेंसी मेडिसीन-1, फिजिकल मेडिसीन एण्ड रिहेबिलीटेशन -1)
4. **सीनियर रेसीडेंट-** 26 (मेडिसीन-3, शिशुरोग-1, चर्म एवं रतिजरोग-1, मनोरोग-1, टीबी चेस्ट-1, सर्जरी -2, अस्थिरोग - 1. ई. एन. टी- 1. प्रसूतिएवंस्त्रीरोग - 2, निश्चेतना-1, रेडियोडायग्नोसिस - 1, ईमरजेंसीमेडिसीन-9. फिजिकल मेडिसीन एण्ड रिहेबिलीटेशन-2)

"वॉक-इन-इन्टरव्यू" के संबंध में विस्तृत जानकारी, स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति, शास. चिकित्सा महाविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.) की वेबसाईट www.gmcraigarh.edu.in एवं चिकित्सा महाविद्यालय के सूचना पटल पर उपलब्ध है।

अधिष्ठाता
स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति, चिकित्सा महाविद्यालय, रायगढ़ (छ.ग.)

G-252601695/1

बिजनेस साइट

ग्राहकों के लिए जैन चुस्की चाय का शानदार ऑफर

आईफोन 16 समेत कई पुरस्कार जीतने का मौका

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जैन चुस्की चाय की निर्माता कंपनी जैन ट्रेडर्स ने ग्राहकों के लिए आकर्षक ऑफर की घोषणा की है। इस ऑफर के तहत 300 रुपए तक जैन चुस्की चाय के कोई भी उत्पाद की खरीद पर एक कूपन मुफ्त मिलेगा। जिसे आप विभिन्न पुरस्कारों को प्राप्त करने के लिए इस्तेमाल कर सकते हैं। यह योजना रिटेलर और होलसेलर एवं प्रत्येक कस्टमर के लिए है। योजना का लकी ड्रॉ 1 जनवरी 2026 को निकाला जाएगा। लकी ड्रॉ में पहला पुरस्कार आईफोन 16(5 विजेताओं को) है। इसी तरह दूसरा पुरस्कार सैमसंग एंड्रॉयड (10 विनर को), तीसरा पुरस्कार वोल्टास एसी डेढ़ टन(5 विजेताओं को), चौथा पुरस्कार सैमसंग फ्रिज(5 विजेताओं को), पांचवां पुरस्कार 50 ग्राम चांदी के सिक्के (100 विनर को), छठवां पुरस्कार 25 ग्राम चांदी के सिक्के(100 विजेताओं को) और सातवां पुरस्कार एमआई टीवी(5 विजेताओं को) है। जैन ट्रेडर्स के संचालक यशवंत जैन ने बताया कि जैन चुस्की चाय की विशेषता है कि 10 रुपए की चायपत्ती से 30 कप चाय बनने की गारंटी दी जाती है। हमारे उत्पाद अपनी बेहतरीन गुणवत्ता और उम्दा स्वाद के कारण छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों में बेहद लोकप्रिय हैं। हमारे लोकप्रिय प्रोडक्ट जैन चुस्की इलायची युक्त और जैन चुस्की गोल्ड चाय है जो ग्राहकों को काफी पसंद आ रहे है।

NAVA RAIPUR ATAL NAGAR VIKAS PRADHIKARAN
Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19, Nava Raipur Aatal Nagar- 492 002, Chhattisgarh. Tel No: +91 771 2512000; Fax No.: +91 771 2512400.
Website: www.navaraipuratalnagar.com, http://eproc.cgstate.gov.in

E-Procurement Tender Notice

The Chief Executive Officer, NRANVP invites tender for following works:

NIT No: 25/MP:Sec-24/EEC-III/CE/NRANVP/2025-26,
Nava Raipur Atal Nagar, Dist. Raipur, Dated 19.06.2025

Name of Work: "Miyawaki Plantation at Sector-24 in Nava Raipur Atal Nagar, Dist. Raipur (CG)".

Estimated cost: **INR 1.40 Crs,** EMD: **INR 2.40 Lakhs/-** Period of Completion: **06 Months**

Last Time & Date of Online Submission: 15:00hrs on 10.07.2025

The E-Procurement tender documents can be downloaded from the portal (Website) http://eproc.cgstate.gov.in directly and shall be submitted online on the same website only after making on payment of bid participation fees online.

Amendment in tender, if any, will only be uploaded on the website and shall not be published in any newspaper.

Chief Engineer
NRANVP

S-44272/2

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता, महानदी परियोजना, जल संसाधन विभाग, रायपुर (छ.ग.)

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना
eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in
(प्रथम आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. **170121**/ निविदा सूचना क्र. **12**/ वलेलि /2025-26,
दिनांक **18.06.2025**

निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक **09.07.2025, 17:30 तक** ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :

कार्य का नाम :- कांकेर जिले के विकासखंड नरहरपुर की दूरी व्यपवर्तन योजना के नहर का जीर्णोद्धार एवं लाईनिंग कार्य ।

अनुमानित लागत :- रू. 894.51 लाख
(एस.ओ.आर. दिनांक 01.08.2010 से प्रचलित (यथा संशोधित दिनांक 22.08.2022 तक))

अन्य विवरण एवं विस्तृत एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक **25.06.2025** समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग, कांकेर
कृते मुख्य अभियंता महानदी परियोजना
जल संसाधन विभाग, रायपुर छ.ग.

G-252601670/3

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग - रायपुर (छ.ग.)

ऑनलाईन द्वितीयबार निविदा आमंत्रण सूचना क्रमांक-429

क्रमांक 1636/ निविदा /ग्रा.यां. सेवा / 2025 रायपुर, दिनांक 17/06/2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत (लोक निर्माण विभाग में) "द" एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से प्रपत्र- 'अ' पर दर्शित सिविल कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा द्वारा जारी दिनांक 01.11.2021 तथा विद्युतीकरण कार्य हेतु प्रमुख अभियंता, लो.नि.वि. द्वारा जारी दिनांक 01.06.2020 तथा ग्रा. यां. सेवा में लागू दर अनुसूची (एस.ओ.आर.) दिनांक 09.09.2020 निविदा दर प्राप्त करने ऑनलाईन ई-निविदा दिनांक 27/06/2025 तक आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र	टेण्डर नं.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (रू. लाख में)	अमानत राशि	फार्म फीस
1	170184	जिला रायपुर में निषाद समाज हेतु भवन निर्माण कार्य फुण्डहर, विद्युतीकरण कार्य सहित ।	99.99	75000	3000

उपरोक्त कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in में दिनांक 18/06/2025 से देखी जा सकती है।

टीप:- मैन्युअल दस्तावेज की अंतिम तिथि 01/07/2025 सायं 5.30 तक कार्यपालन अभियंता, ग्रा.यां.सेवा, संभाग रायपुर में पहुंचना अनिवार्य है।

G-252601680/3

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर (केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना
Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्रं.	सिस्टम निविदा क्रमांक/ दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रूपये लाख में)
1	169973 द्वितीय आमंत्रण 12.06.2025	जिला बलौदाबाजार के कसडोल में नवीन व्यवहार न्यायालय भवन का निर्माण कार्य, जल प्रदाय, सेनेटरी फिटिंग, रेन वॉटर हावेस्टिंग एवं विद्युतीकरण सहित कार्य। संभाग बलौदाबाजार ।	646.73
2	169986 प्रथम आमंत्रण 12.06.2025	1) जिला जशपुर के चांदीडांड हात्ता हल्काटोली पहुंच मार्ग लंबाई 2.36 कि.मी. निर्माण कार्य । 2) जिला जशपुर के ढ़ोढ़ीडांड से औरीजोर पहुंच मार्ग लंबाई 3.25 कि.मी. निर्माण कार्य ।	601.35
3	169941 प्रथम आमंत्रण 12.06.2025	जिला बेमेतरा के ताकम डोंगाघाट से डंगनिया बस्ती मार्ग के शिवनाथ नदी पर उच्चस्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण कार्य ।	1529.66
4	169998 प्रथम आमंत्रण 12.06.2025	जिला कोरिया के सीएमजीएसवाय रोड से आजाद नगर पुटा पहुंच मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. निर्माण कार्य ।	215.46
5	169999 प्रथम आमंत्रण 12.06.2025	डिमरापाल से लाहंगागुड़ा (लोहण्डीबेड़ा) मार्ग लंबाई 3.275 कि.मी. निर्माण कार्य की 03 नग कलवर्ट सहित ।	291.35
6	170002 प्रथम आमंत्रण 12.06.2025	जशपुर में नवीन परिवार न्यायालय भवन निर्माण कार्य विद्युतीकरण सहित ।	265.60
7	170005 प्रथम आमंत्रण 12.06.2025	जिला बस्तर के बांसपानी से गोंदियापाल मार्ग के कि.मी. 1/2 से 3/8 = 2.70 कि.मी. पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य ।	258.89
8	170034 प्रथम आमंत्रण 13.06.2025	जिला बलरामपुर रामानुजगंज अंतर्गत शासकीय नवीन महाविद्यालय रघुनाथनगर का निर्माण कार्य।	453.25
9	170033 प्रथम आमंत्रण 13.06.2025	ग्राम धुरागांव से दाबपाल तक मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. निर्माण कार्य ।	275.10
10	170039 द्वितीय आमंत्रण 13.06.2025	जिला एम.सी.बी. के अटल चौक से कोड़यापारा पहुंच मार्ग लं. 3.05 कि.मी. पुल - पुलिया सहित निर्माण कार्य।	291.60
11	170040 प्रथम आमंत्रण 13.06.2025	जिला बस्तर के कुंगारपाल से गुमगा मार्ग के कि.मी. 1/2 से 3/6 = 2.50 कि.मी. पुल - पुलिया सहित निर्माण कार्य।	249.431
12	170041 प्रथम आमंत्रण 13.06.2025	जिला बलरामपुर रामानुजगंज के वाड्रफनगर - जनकपुर-बलंगी (मध्यप्रदेश सीमा) मार्ग के कि.मी. 01 से 16=16.00 कि.मी. कि.मी. 25 से 32= 8.00 कि.मी. एवं 40 से 58.2=19.20 कि.मी. कुल लंबाई 43.20 कि.मी. का सुदृढ़ीकरण निर्माण कार्य।	3402.41
13	170042 द्वितीय आमंत्रण 13.06.2025	देवरहट से औराबांधा मार्ग लंबाई 1.85 कि.मी. का निर्माण कार्य । संभाग- मुंगेली ।	239.89
14	170043 प्रथम आमंत्रण 13.06.2025	मारडूम स्वास्थ्य केन्द्र से धुरमकोटा मार्ग लंबाई 3.00 कि.मी. का निर्माण कार्य ।	257.04
15	170057 प्रथम आमंत्रण 13.06.2025	जिला बलौदाबाजार-भाटापारा के गिरौदपुरी धाम में भूमि मापते हुए (दण्डवत) श्रद्धालुओं के लिए (डी.एम. एफ. योजना अंतर्गत) स्थाई छाया (शेड) निर्माण कार्य । जमा मद का कार्य ।	298.59
16	170058 प्रथम आमंत्रण 13.06.2025	मटकोट मारीगुड़ापारा से भेजरीपदर मार्ग लंबाई 2.225 कि.मी. निर्माण कार्य ।	247.97

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क्र. 01, सं.क्र. 10, सं.क्र. 13 दिनांक 30.06.2025 निर्धारित है। एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 04.07.2025 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ
कार्यालय प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

G-252601698/2

कार्यालय कलेक्टर, जिला बीजापुर, छत्तीसगढ़
(आदिवासी विकास शाखा)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा क्र./आ.वि./निर्माण /2025-26 /539 बीजापुर, दिनांक 19-06-2025

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से निम्नलिखित कार्यो के लिए कार्यालय कलेक्टर (आदिवासी विकास शाखा) जिला बीजापुर की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत पंजीकृत "C" श्रेणी एवं इससे उपर श्रेणी पात्र ठेकेदारों से प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग छत्तीसगढ़ शासन रायपुर द्वारा भवन दर अनुसूची जो दिनॉक 01.01.2015 से प्रभावशील एवं अद्यतन संशोधन सहित एस. ओ. आर. पद्वति के तहत ई- टेंडरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है ।

क्र.	निविदा क्रमांक / दिनांक	सिस्टम क्रमांक	कार्य का नाम	कार्य की अनु. लागत	निविदा कॉल	अमानत राशि (रू.)
1	2	3	4	5	6	7
01	539/ 19.06.2025	170300	आदिवासी पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास भैरमगढ़ भवन निर्माण	16492845.00	1st call	123700.00

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा अंतिम तिथि (Bid due Date) 10.07.2025 तक आमंत्रित की जाती है। निविदाएं डाउनलोड करने की तिथि (Bid start Date) 24.06.2025 से है । निविदा की सामान्य शर्ते धरोहर राशि, निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेन्ट वेवसाईट - https://eproc.cgstate.gov.in पर में देखे जा सकते है।

(कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित)

सहायक आयुक्त
आदिवासी विकास - बीजापुर

G-252601689/4

चांदी 2000 रुपए फिसली और सोना 600 रुपए टूटा

नई दिल्ली। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच आभूषण विक्रेताओं और स्टॉकिस्टों की बिकवाली से शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत 600 रुपये टूटकर 99,960 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। पिछले बाजार सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,00,560 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। वहीं 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 550 रुपये टूटकर 99,250 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रहा।

आम सूचना

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री जसविन्दर सिंह बल एवं श्री परविन्दर सिंह बल, दोनों पिता स्व. श्री चरणजीत सिंह बल, दोनों निवासी टाटीबंध, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा विक्रेता- शत्रुहन वल्द स्व. कोदूराम सतनामी वगैरह की ओर से मुख्त्यार आम गोपी सुल्तान पिता- सत्यनारायण सुल्तान, निवासी वार्ड नं.-01, सत्य चौक, कुम्हारी, तहसील भिलाई-3, जिला दुर्ग (छ.ग.) से विक्रेता के स्वामित्व एवं आधिपत्य की मौजा ग्राम कुम्हारी, प.ह.नं.-12, रा.नि.मं. कुम्हारी, तहसील भिलाई-3, जिला-दुर्ग (छ.ग.) में स्थित भूमि जिसका खसरा नम्बर क्रमशः 1664/3, 1665/1, रकबा क्रमशः 0.0970 हेक्टेयर तथा 0.0970 हेक्टेयर, कुल खसरा नम्बर-02, कुल रकबा 0.1940 हेक्टेयर भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा किया है और प्रतिफल की अग्रिम राशि भी अदा कर दिया है, उक्त दर्शित भूमि के विक्रय पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

मेरे पक्षकार के उक्त संव्यवहार से व्यक्ति, संस्था, निकाय, शासकीय एवं अर्द्धशासकीय, संस्था, बोर्ड, निगम, वित्तीय संस्था, बैंक फर्म सोसायटी आदि किसी को कोई दावा आपत्ति या उजर हो तो इस आम सूचना के प्रकाशन के 10 दिनों के भीतर मय दस्तावेज आपत्ति मेरे कार्यालय में प्रस्तुत करें, बाद म्याद की गई कोई आपत्ति मेरे पक्षकार पर मान्य एवं बंधनकारी नही होगा। उक्त संबंध में की गई कोई भी आपत्ति मात्र खण्डन के प्रकाशन से अवैध एवं शून्य नहीं समझा व माना जावेगा। असत्य आपत्तियों के विरूद्ध उचित कार्यवाही भी संस्थित किये जायेंगे।

ईत्तला जानें ।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक :- 20/06/2025

भवदीय
ओमप्रकाश नायक, अधिवक्ता पता- एल.आई.जी.-1751, वीर सावरकर नगर, स्लाईस-3, हीरापुर पोस्ट टाटीबंध, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) मो.नं.-98271-80216

कार्यालय वनमण्डलाधिकारी, जशपुर वनमण्डल, जशपुर

नीलाम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि जशपुर वनमण्डल के अन्तर्गत काष्ठागार गम्हरिया (जशपुर) में उपलब्ध निम्नांकित ईमारती एवं जलाऊ काष्ठ का दर्शित तिथि एवं समय में ई-ऑक्शन द्वारा निर्वर्तन किया जावेगा। इच्छुक पंजीकृत व्यापारियों को सलाह दी जाती है कि ई-ऑक्शन में अवश्य भाग वें। ई-आक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमण्डल कार्यालय अथवा काष्ठागार गम्हरिया से प्राप्त की जा सकती है।

डिपो का नाम - काष्ठागार गम्हरिया (जशपुर), नीलाम दिनांक - 30.06.2025 नीलामी प्रारंभ प्रात: 09:00 बजे से

प्रजाति	नीलाम में प्रस्तावित अनुमानित मात्रा						मिश्रित जलाऊ चट्टा
	नया लाट		पुराना लाट		योग		
	लट्ठा घ.मी.	बल्ली+डेंगरी नग	लट्ठा घ.मी.	बल्ली+डेंगरी नग	लट्ठा घ.मी.	बल्ली+डेंगरी नग	
1	2	3	4	5	6	7	8
सागौन	5.883	0	77.588	1422	83.471	1422	पुराना
साल	686.944	3895	1716.097	3837	2403.041	7732	337
बीजा, शीशम, खम्हार	0.000	0	0.700	0	0.700	0	नया
अन्य प्रजाति	3.990	105	87.255	1325	91.245	1430	5
चिरान काष्ठ	1.071	0	2.359	0	3.430	0	
योग	**697.888**	**4000**	**1883.999**	**6584**	**2581.887**	**10584**	**342**

उपरोक्त मात्रा में परिवर्तन संभावित है ।

टीप:- 01. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व एम. एस.टी.सी. ई-कॉमर्स में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है । 02. क्रेताओं को ई-ऑक्शन के पूर्व क्रय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वालेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई. एम. डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है । 03. लाट की थप्पी एवं फोटो एम. एस. टी. सी. ई-ऑक्शन पोर्टल में अपने आई.डी. से लॉगईन करके देख सकते हैं । 04. ई-ऑक्शन में लॉट क्रय के पश्चात प्रथम क्रेता को 40 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य क्रेताओं द्वारा 40 सेकण्ड के पूर्व क्रय करने पर 30 सेकण्ड का समय प्राप्त होगा

वनमण्डलाधिकारी
जशपुर वनमण्डल जशपुर

G-252601692/3

बिहार सरकार

समाहरणालय, अरवल
(मद्यनिषेध एवं उत्पाद शाखा)

बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम–2016 (यथा संशोधित) के तहत राजसात किये गये वाहनों की अल्पकालीन आम सूचना

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि बिहार राज्य में पूर्ण शराबबंदी के उपरांत वैसे वाहन जिन्हें मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम–2016 (यथा संशोधित) में विहित प्रावधानों के तहत अरवल जिला अन्तर्गत मद्यनिषेध एवं उत्पाद विभाग तथा विभिन्न पुलिस थानों द्वारा जप्त एवं समाहर्त्ता–सह–जिला दण्डाधिकारी, अरवल के द्वारा अधिहरित किया गया है, उनकी सार्वजनिक नीलामी किया जाना है। जिन वाहन स्वामी के नाम/पता की जानकारी प्राप्त हुई है। उन्हें रजिस्टर्ड डाक द्वारा सूचित किया गया है। पुनः उन वाहन स्वामी एवं वैसे वाहन जिनके स्वामित्व का पता नहीं चल सका। उनकों अंतिम सूचना समाचार पत्रों में प्रकाशित की जा रही है। जो नीलामी की तिथि 30.06.2025 से पूर्व स्वंय उपस्थित होकर विधि शाखा, अरवल/अधीक्षक मद्यनिषेध, अरवल में वाहन विमुक्ति हेतु आवेदन समर्पित कर सकते है। अन्यथा वाहन स्वामी तय निर्धारित तिथि तक वाहन विमुक्ति हेतु आवेदन समर्पित नहीं करते है तो जिला में गठित नीलामी समिति द्वारा निम्न सारणी के अनुसार वाहनों की नियमानुसार नीलामी कर दी जाएगी, जो निम्न प्रकार है :–

क्र0	अधिहरण वाद संख्या	अधिहरण आदेश का ज्ञापांक/ दिनांक	थाना कांड संख्या/ दिनांक	वाहन का प्रकार	वाहन का निबंधन संख्या	चेचिस नं0	वाहन का निर्माण वर्ष	वाहन स्वामी का नाम/पता	अभियुक्ति
01	34/24	74 मु0/विधि दिनांक– 20.07.2024	उत्पाद 378/23 15.12.2023	सुपर स्पलैण्डर मोटरसाईकिल	CG10B-2320	06BACE0 3420	-	अज्ञात	Scrap (ऑन लाइन डाटा उपलब्ध नहीं है।)

उक्त आम सूचना छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित करने की कृपा की जाए।
उक्त सूचना www.state.bihar.gov.in/prdbihar पर भी देखी जा सकती है।

समाहर्त्ता –सह– जिला दण्डाधिकारी, अरवल

PR. No. 006458 (Excise) 25-26

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PLANNING AND INVESTIGATION DIVISION
ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT (RCD),RANCHI
NirupanBhawan, 3rdFloor,
Room No. 401,56-Set,Doranda,Ranchi-834002

e-Procurement (Short Tender Notice)
Letter of Invitation (LOI) No.-8/2025-26
1st Call
e-Tender Ref No:–RCD/PID/RANCHI/8/2025-26
Date:-18.06.2025

1	Name Of Work	Consultancy Services for Preparation of Detailed Project Report for Construction of Murma Khurd PWD Road to Pandu Main Road via Dhanchabar including replacement/New Proposal of Culverts, Bridges, ROB's, RUB's, Complete Land Acquisition Plan including Ownership details all complete as per latest guidelines, Resettlement and Rehabilitation Proposal, Forest Diversion Proposal and Utility Shifting Proposal in details etc. as required by the Department (If any) under Palamu District in the State of Jharkhand.*Only Empanelled consultant with RCD under categoryI vide letter No. 3063(S) WE Dated 22.08.2022are allowed to bid.
2	Tentative Length	9 Km
3	Period of Completion of Work	90 Days
4	Cost of Tender documents& Earnest Money Deposit	Cost of tender documents is Rs. 5000/ (Non-Refundable) EMD:- The quotationers have to deposit a fixed amount of Rs 15000.00 (Fifteen thousand only) as Earnest Money. As per the Departmental Letter no.-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit will be received in online mode only through e-procurement portal (http://jharkhandtenders.gov.in) by internet banking/NEFT/RTGS facility as per Standard Operating Procedure (SOP) issued by Information Technology & e-Governance Department, Government of Jharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023.
5	Mode of Bid Submission	e-tendering(https://jharkhandtenders.gov.in/)
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	23.06.2025,At 05:30 PM
7	Online Last Date/Time of Bid Submission	07.07.2025, 12:00 noon
8	Date and Time of Bid opening	08.07.2025, 12:30 PM
9	Bid validity	120 days
10	Designation and Contact no. of Tender inviting Officer	Executive Engineer, Planning and Investigation Division,RCD, Ranchi, Mob No.-9471650883

Note:- Only e-Tender shall be accepted. Further details can be seen on e-procurement portal (https://jharkhandtenders.gov.in/).

Executive Engineer,
Planning & Investigation Division,
Road Construction Department, Ranchi.

PR 355580
Road(25-26).D

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
SOIL INVESTIGATION DIVISION, ADVANCE PLANNING, ROAD CONSTRUCTION DEPARTMENT,RANCHI
NirupanBhawan,3rd Floor,Room No. 401,56-Set,Doranda,Ranchi-834002

e-Procurement (Very Short Tender Notice)
Letter of Invitation (LOI) No.-14/2025-26 2nd Call
e-Tender Ref No:–RCD/SID/AP/RAN /14/2025-26 Date:- 19.06.2025

1	Name Of Work	**Consultancy Services for Preparation of Detailed Project Report for widening & Strengthening/Reconstruction of Road from Galgaltand more to Bengal border via Simulia Madhra including replacement/New Proposal of Culverts, Bridges, ROB's, RUB's, Complete Land Acquisition Plan including Ownership details all complete as per latest guidelines. Resettlement and Rehabilitation Proposal, Forest Diversion Proposal and Utility Shifting Proposal in details etc. as required by the Department (If any) under Bokaro District in the State of Jharkhand. (Tetative Length 12 K.m.)***Empanelled consultant with RCD under categoryI vide letter No. 3063(S) WE Dated 22.08.2022are allowed to Bid.
2	Tentative Length	12 K.m
3	Period of Completion of Work	60 Days
4	Cost of Tender documents	Rs 5,000/- (Five Thousand) only. Non refundable Fee.Tender fee will be recived through online mode only. The quotationers have to deposit a fixed amount of Rs 20,000 as Earnest Money. As per the Departmental Letter no.-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit be received in online mode only through e-procurement (http://jharkhandtenders.gov.in) by internet banking/NEFT/RTGS facility as per Standard Operating sistim Procedure (SOP) issued by Information Technology & e-Governance Department, Government of Jharkhand vide letter no 120 dated 03.10.2023.
5	Mode of Bid Submission	e-tendering(http://jharkhandtenders.gov.in)
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	23.06.2025,10:30 AM
7	Last Date/Time of Bid Submission	02.07.2025 12:00PM
8	Last Date/Time of Submission of Tender Fee & EMD	02.07.2025 12:00PM
9	Date and Time of Bid opening	03.07.2025 12:30 PM
10	Bid validity	120 days
11	Bid Submission Address	Chief Engineer(Communication),Road Construction Department,1st Floor, Engineer Hostel No.-2, Dhurwa, Ranchi-834004
12	Designation and Contact no. of Tender inviting Officer	Executive Engineer, Soil Investigation DivisionAdvance Planning,RCD, Ranchi Mob-9905660677.
13	PR No.-	353963 Road (2025-26) D

Note:-Only e-Tender shall be accepted.

Sd./-
(Ravi Shankar Pravakar)Executive Engineer, Soil Investigation Division, Advance Planning, Road Construction Department,Ranchi

PR 355593 (Road)25-26*D

जन्म : 30 अप्रैल 1936

परमेश्वरी देवी जी का जन्म हरियाणा के जींद जिले के जुलानी गांव में चौधरी अमृत सिंह सहारण के घर हुआ

वैदिक पथ के पथिक स्व. चौधरी मित्रसेन आर्य की धर्मपत्नी परमेश्वरी देवी के निधन से शोक की लहर

देहांत : 20 जून 2025

परमेश्वरी देवी जी दिल्ली में सांसारिक यात्रा पूरी कर परमात्मा के चरणों में विलीन हो गईं

भारतीय संस्कृति में मान्यता है कि बहू के कदमों में मां लक्ष्मी के क़दमों की आहट होती है। अगर अकेले मां शब्द का वाचन किया जाता है तो उसी में शक्ति की प्रतीक दुर्गा, ज्ञान की देवी सरस्वती, धन और समृद्धि की देवी लक्ष्मी और आतिथ्य की देवी अन्नपूर्णा का समावेश एकमात्र मां शब्द में ही हो जाता है। माता परमेश्वरी देवी इन्हीं स्वरूपों का जीता जागता उदाहरण थी। वो जब बहू के रूप में सिंधु परिवार में आई तो परिवार में समृद्धि की नई उड़ान शुरू की। इसके बाद मां के रूप में माता परमेश्वरी देवी ने संस्कारों की नई बेल रोपित की, जिसमें पूरा परिवार सम्माहित था। हमेशा आर्य समाज के सेवा कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाली माता जी हर जरूरतमंद की सहायता को अपना परम कर्तव्य समझती थी। उनका जीवन केवल सिंधु परिवार ही नहीं अपितु हर इंसान के लिए प्रेरणापुंज है: -

दान, समर्पण, स्नेह और त्याग की प्रतिमूर्ति परमेश्वरी देवी

गुरुकुलीय शैक्षणिक संस्थाओं की कुलाधिपति थीं माताजी

माताजी परिवार द्वारा संचालित और पोषित सभी गुरुकुलीय शैक्षणिक संस्थाओं की कुलाधिपति थीं। वे सभी परिवार के सदस्यों एवं सभी संस्थाओं के आचार्यों से निरंतर उनके कार्यकलापों के बारे में जानकारी प्राप्त करती रहती थीं। माता जी पूर्वजों द्वारा स्थापित कुल परम्परा व संस्कारों की वाहिनी और एक स्पष्ट व्यक्तित्व के रूप में उभरीं। उन्होंने इस विरासत को आगे पीढ़ी-दर-पीढ़ी कैसे सुरक्षित रखा जाए, इसका हमें स्पष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। उनकी प्रेरणा से खांडा खेड़ी गांव में भारत मित्र स्तंभ का निर्माण करने में इसी विरासत को मूर्त रूप प्रदान करने में प्रमुख योगदान रहा।

सिंधु भवन में भव्य वेद मंदिर का निर्माण करवाया

वैदिक संस्कृति को प्रकाशमान करने वाली परमेश्वरी देवी जी ने अपने पति चौ. मित्रसेन जी के साथ मिलकर सिंधु भवन में भव्य वेद मंदिर का निर्माण भी करवाया। इनके निवास स्थान सिंधु भवन में भव्य और विराट वेद मंदिर का निर्माण किसी आश्चर्य से कम नहीं है। जन्मोत्सव हो या विवाह सहित कोई शुभ अवसर, पूरा सिंधु परिवार माताजी के सानिध्य में बैठकर यज्ञ करता था, यह क्रम आज भी अवनात जारी है। सिंधु परिवार में विवाह का विशेष अवसर होता तो परमेश्वरी देवी जी के मार्गदर्शन में वेद मंदिर में सुबह शाम 3 दिन तीन-तीन घंटे हवन किया जाता था।

महान आर्यसमाजी परमेश्वरी देवी जी के समूचे व्यक्तित्व और कृतित्व को शब्दों में बांधना अत्यंत दुष्कर कार्य है। जिसकी महिमा का वर्णन वाणी भी नहीं कर सकती, ऐसे विराट व्यक्तित्व की धनी थीं माता परमेश्वरी देवी जी। माता परमेश्वरी देवी जी धर्म और संतत्व की ऐसी प्रतिमूर्ति थीं जिनका सानिध्य पाकर आर्य संतों को भी अपार आनंद की अनुभूति होती थी। अथाह भौतिक संपदा के बावजूद इनकी सरल जीवन शैली सबको आश्चर्य में डाल देती थी। अपने अनन्य समर्पण, त्याग और संस्कारों से सिंधु परिवार को आलोकित करने वाली परमेश्वरी देवी जी का जन्म 30 अप्रैल 1936 को हरियाणा के जींद जिले के जुलानी गांव में हुआ था। जुलानी गांव के चौधरी अमृत सिंह सहारण के घर जब इस कन्या ने जन्म लिया तो कोई नहीं जानता था कि यह कन्या भविष्य में न केवल अपने गांव का नाम बल्कि अपने कुल, परिवार और समाज के साथ साथ वैदिक संस्कृति को भी गौरवान्वित करने वाली होगी। इस कन्या के चेहरे पर ईश्वरीय आभा थी और देवियों जैसा तेज था। ईश्वरीय गुणों का आभास होते ही माता-पिता ने प्रेम से अपनी कन्या का नामकरण ईश्वरी देवी के रूप में किया। कन्या के जन्म से पिता अमृत सिंह और माता भरपाई देवी का हृदय प्रसन्नता से भर गया। परमेश्वरी देवी जी जब मात्र 7 बरस की थीं तो नियति ने इनसे इनकी मां को छीन लिया। छोटी सी बच्ची के सिर से मां का साया उठ गया था। वे बचपन से ही निर्णय लेने में इतनी निपुण थीं कि परिवार के अतिरिक्त गांव में भी चर्चा होने लगी कि हरफूल जाट के कुनबे में बेटी के रूप में बेटे ने जन्म लिया है। किशोरावस्था में परमेश्वरी देवी अपने दादाजी की घोड़ी पर बैठकर खेतों की रखवाली करने जाती थी। परमेश्वरी देवी जी अपने सभी भाई बहनों में सबसे बड़ी थीं। इन्होंने अपने नौ भाइयों और तीन बहनों को बड़ी बहन के रूप में नहीं अपितु एक मां की तरह पाला पोसा। पिता अमृत सिंह अक्सर कहा करते थे कि हमारे नौ बेटों में जो शक्ति नहीं है, वह शक्ति इस अकेली बेटी में देखने को मिलती है।

8 मार्च 1949 : परमेश्वरी देवी और चौधरी मित्र सेन विवाह के सूत्र में बंधे

युवावस्था की ओर कदम बढ़ाने वाली परमेश्वरी देवी जी के गुणों की ख्याति आस-पास के गांवों में फैलने लगी। आर्य जगत के महान पथिक चौधरी शीशराम जी को जब परमेश्वरी देवी जी के गुणों के बारे में पता चला तो उन्होंने अपने यशस्वी पुत्र चौधरी मित्र सेन से इनका रिश्ता पक्का कर दिया। 8 मार्च 1949 को परमेश्वरी देवी जी और चौधरी मित्र सेन जी विवाह के सूत्र में बंध गए। परमेश्वरी देवी जी को कुलवधू के रूप में प्राप्त कर सास ससुर और समस्त सिंधु परिवार और उनका विशाल कुनबा प्रसन्नता से भर गया। परमेश्वरी देवी जी ने आदर्श बहू बनकर अपने सास-ससुर का हृदय जीत लिया। सर्वगुण संपन्न बहू पाकर सास श्रीमती जिओ देवी जी धन्य हो गई। श्रीमती जिओ देवी जी एक साध्वी की तरह परमात्मा की भक्ति में लीन रहती थीं। वे वैदिक जीवन के अनुसार अपना जीवन यापन करती थी। नई नवेली बहू ने गृहस्थ जीवन की जिम्मेदारियों के साथ-साथ अपनी सास के वैदिक धर्म को भी अपना लिया। धर्म परायण बहू और सास के मैत्री भाव को देखकर ससुर चौधरी शीशराम जी अक्सर कहा करते थे कि हमें बहु नहीं बल्कि बेटी मिली है।

सेवा की मिसाल : 35 साल तक ससुर की आंखें बनीं परमेश्वरी

सौ वर्ष तक जीवित रहने वाले आपके ससुर चौधरी शीश राम जी को काला मोतिया था। जब चौ. शीशराम जी की आंखों की रोशनी धीरे-धीरे खत्म होने लगी तो पूरा परिवार घबरा गया था। इस खतरनाक बीमारी के कारण अंत में उनकी आंखों की रोशनी पूरी तरह चली गई। उन्होंने अपने ससुर की जो सेवा की वह मिसाल बन गई। चौधरी शीशराम जी बिना किसी भय के 35 वर्ष तक नेत्रहीन का जीवन जिए क्योंकि माता परमेश्वरी देवी उनकी आंखों की रोशनी बन चुकी थीं।

देश प्रेम

अपने तीन पुत्रों को सेना में अधिकारी बनाया

परमेश्वरी देवी जी ने अपनी सभी संतानों को राष्ट्रवाद और देशभक्ति के संस्कारों से पोषित किया। आपने अपने छह पुत्रों में से तीन पुत्रों को भारत माता की सेवा करने के लिए सेना में भेजा। एक ही परिवार से तीन पुत्रों का सेना में जाना बहुत बड़ी बात है। इनके दो पुत्र कैप्टन तथा एक पुत्र मेजर जैसे सम्माननीय पदों को सुशोभित कर चुके हैं। आपके सबसे बड़े पुत्र कैप्टन रूद्रसेन जी प्रभावशाली व्यक्तित्व के धनी हैं और सेना में कैप्टन रह चुके हैं। कैप्टन अभिमन्यु जी ने भी भारतीय सेना में 5 वर्ष तक भारत माता की सेवा की। सबसे कम उम्र में सेना में कमीशन प्राप्त किया और कैप्टन का गौरवशाली पद प्राप्त किया। परमेश्वरी देवी जी के तीसरे पुत्र मेजर सत्यपाल आर्य जी 12 वर्ष तक भारतीय सेना में रहे और देश की सेवा करते हुए मेजर के पद से सेवानिवृत्त हुए।

2011 में चौधरी मित्रसेन आर्य जी का देहावसान

27 जनवरी 2011 को लंबी बीमारी के बाद वैदिक पथ के पथिक चौधरी मित्रसेन आर्य जी का देहावसान हो गया। परमेश्वरी देवी जी ने संकट की इस घड़ी में पूरे परिवार को संभाला और कभी भी अपने बच्चों को पिता की कमी महसूस नहीं होने दी। परमेश्वरी देवी जी की नम्रता का परिचय इसी बात से मिलता है कि जब भी कोई उनसे पूछता कि माता जी आपने इतना लंबा सफर कैसे बिताया और अकेले सब समाज, परिवार सबको किस तरह संभाला तो वे अक्सर यही जवाब देती थीं कि मनै के करया है मनै तो अपणे बालक पाले हैं और अपणा फर्ज निभाया है।

सांसारिक यात्रा पूरी करने तक सेवा में लगी रहीं

2020-21 में आए कोरोना काल के समय भी परमेश्वरी देवी जी ने पूरे परिवार और रिश्तेदारों, और उनके बच्चों का मनोबल बढ़ाया।अपने पति चौधरी मित्र सेन जी के पदचिन्हों पर चलते हुए वे सेवाभाव का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कोरोना पीड़ितों की मदद करने के लिए राहत कोष में अभूतपूर्व योगदान दिया। 12 अक्टूबर 2023 को परमेश्वरी देवी जी के संरक्षण में खांडा खेड़ी में भारत मित्र स्तंभ देश को समर्पित किया गया। इसका लोकार्पण आरएसएस सरसंघचालक मोहन भागवत जी और योग गुरु रामदेव जी ने किया। 20 जून 2025 को परमेश्वरी देवी जी सांसारिक यात्रा पूरी कर परमात्मा के चरणों में विलीन हो गईं।

भरे पूरे परिवार के साथ माता जी

परमेश्वरी देवी जी का जन्मदिन पूरा परिवार एक साथ मिलकर मनाता था। तस्वीर में पूरा परिवार एक साथ नजर आ रहा है।

मित्रसेन जी के साथ परमेश्वरी देवी

परमेश्वरी देवी जी मित्रसेन जी के साथ हर काम में कंधे से कंधा मिलाकर चलती रहीं। घर का काम हो या खेत खलिहान का कभी पीछे नहीं हटीं। दोनों की एक यादगार तस्वीर।

स्वामी धर्मानंद सरस्वती, आचार्य, गुरुकुल आश्रम आमसेना, ओडिशा

परमेश्वरी देवी ने हमेशा पुरुषार्थ को जीवन का आधार बनाया

परमेश्वरी देवी जी के साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति को मैंने अनेक बार स्वयं अनुभव किया है। मुश्किल से मुश्किल परिस्थिति में भी उनके चेहरे पर हमेशा मुस्कान बनी रहती थीं। अनेक ऐसे अवसर आए जब चौधरी साहब का परिवार संकट के दौर से गुजर रहा था, उस समय इन्होंने अपनी इच्छा शक्ति के बल पर परिवार को न केवल शक्ति प्रदान की, बल्कि पूरे परिवार को निराशा के दौर से भी बचाया। परमेश्वरी देवी ने हमेशा पुरुषार्थ को अपने जीवन का आधार बनाया और अपने बच्चों को भी हमेशा पुरुषार्थ के बल पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। इनका जीवन नारी जाति के लिए अनुकरणीय है। इतनी अधिक आयु होने के बावजूद ये सदैव कर्म और पुरुषार्थ को अपने जीवन का आधार मानती रहीं। अनुशासन और नियमों का पालन करना उनकी दिनचर्या का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा।

कंधे से कंधा मिलाकर चलती रहीं

स्व. चौधरी मित्र सेन जी आर्य उच्च कोटि के नेता महान पुरुषार्थी थे। चौधरी मित्रसेन जी आर्य के फर्श से अर्श तक ऊंचा उठने का श्रेय माता परमेश्वरी देवी के पुरुषार्थ को जाता है। जब चौधरी मित्रसेन जी आर्य की आर्थिक स्थिति सामान्य थी तब भी तथा बाद में भी परमेश्वरी देवी उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलती रहीं। उन्होंने पग-पग पर अपने पति का साथ दिया। यह कहावत प्रसिद्ध है कि मनुष्य की सफलता के पीछे किसी महिला का सहयोग होता है, इस प्रकार सिंधु परिवार की उन्नति के पीछे माता परमेश्वरी का सर्वाधिक सहयोग रहा है। माता जी जैसी सूझबूझ की धनी उदार, यज्ञ प्रेमी, अतिथि सेवा करने वाली कोई-कोई महिला मिलेगी।

परमेश्वरी देवी जी ने विशाल परिवार को एक सूत्र में बांधे रखा

पूज्या श्रद्धामयी माता परमेश्वरी देवी जी के जीवन का मैंने बहुत ही गंभीरता से मूल्यांकन किया है। एक बड़े संयुक्त परिवार को एक सूत्र में बांधे रखने के लिए जिस विवेक, सूझबूझ, उदारता, सबके प्रति पूर्ण प्रीति, एकात्मता, क्षमाशीलता, धैर्य, त्याग, तेजस्विता, शुचिता एवं पूर्ण सात्विकता या दिव्यता होनी चाहिए, वे सभी गुण पूज्या माताजी में थे। हम सबके पिता समान चौधरी मित्रसेन आर्य जी कहते थे कि ईश्वर भक्त कभी भी उदास व पहाड़ के समान दुःख आने पर भी विचलित नहीं होता एवं कभी भी अकेलापन अनुभव नहीं करता, अपने नाम के अनुरूप ही पूज्या माताजी परमेश्वरी देवी परमेश्वर के साथ सदा एकीकृत होकर जीती थीं।

-स्वामी रामदेव, योग गुरु, पंतजलि योगपीठ, हरिद्वार, उत्तराखंड।

संघर्षों से तपकर कुंदन बनीं माता परमेश्वरी देवी जी

वैदिक पथ के पथिक, आर्यश्रेष्ठी चौ. मित्रसेन आर्य की सहधर्मिणी माता परमेश्वरी देवी नारी जाति का गौरव थीं। भारतीय संस्कृति के ग्राम्य परिवेश में पली-बढ़ी एक बाला आर्यकुल की वधू बनकर स्वयं को आर्य परम्परा के लिए समर्पित कर देती है। इनका जीवन श्रम व संघर्ष का जीवन रहा है। वे निर्भीकता, विचारशीलता तथा जीवन्तता के साथ संघर्षों से निकलकर कुन्दन बन गईं। उन्होंने सदैव मर्यादित जीवन की जीवनी बनकर जीवन-यापन किया। आपने कर्मयोगी पतिदेव तथा पुत्रों को व्यापार व उद्योग के क्षेत्र में भावनात्मक सम्बल प्रदान करते हुए सदैव उत्साहित किया। इसी कारण संकटापन्न स्थिति में भी आप दृढ़तापूर्वक चौधरी साहब के साथ खड़ी रहीं।

-डॉ. सुकामा, पद्मश्री अवॉर्ड विभूषित

माता जी के समूचे जीवन में आर्यत्व निहित

परमेवरी देवी जीवन भर वैदिक और आर्ष शिक्षा के प्रचार-प्रसार में निरंतर सक्रिय रहीं। शिक्षक होने के साथ-साथ आप महान संन्यासी और यज्ञ प्रेमी भी रही हैं। आप माता के सभी गुणों से ओत-प्रोत थीं। आपके समस्त जीवन में आर्यत्व निहित था। आपका परोपकारमय जीवन सभी के लिए प्रेरणादायी रहेगा। आपने अपने पुत्र-पुत्री, पौत्र-पौत्री, प्रपौत्र-प्रपौत्री आदि को सभ्य संस्कार प्रदान किए हैं। परिवार के सदस्यों के सभ्य गुणों का अवलोकन कर यह निश्चित हो जाता है कि माता जी का जीवन पूर्णरूपेण सफल रहा। माताजी सुख-दुःख, लाभ-हानि, जय-पराजय आदि में धर्मपूर्वक एक समान रहती थीं। ये गुण सरलता से प्राप्त नहीं होते हैं, इनके लिए यज्ञ, जप, तप, ध्यान, योग, दान आदि को अपने जीवन में समाहित करना पड़ता है। आदरणीया माता परमेश्वरी देवी जी ने आदरणीय स्व. चौ. मित्रसेन जी के साथ निरन्तर अहर्निश सत्प्रयत्न कर परिवार को उन्नतिपथ पर अग्रसरित किया था।

-स्वामी प्रणवानन्द सरस्वती, गुरुकुल गौतम नगर, नई दिल्ली

मोहन भागवत सिंधु भवन मिलने आए

आरएसएस के सर संघचालक मोहन भागवत जी रोहतक में आए तो उन्होंने सिंधु भवन पहुंचकर माता परमेश्वरी का आशीर्वाद लिया और उनके स्नेह के कायल हो गए।

लड़कियों की पढ़ाई पर जोर

परमेश्वरी देवी जी के मार्गदर्शन में परम मित्र मानव निर्माण संस्थान अनेक गुरुकुल संचालित कर रहा है। विशेषकर लड़कियों की शिक्षा पर जोर दिया जा रहा है। ओड़िशा में छात्राओं के लिए छात्रावास और भोजन की व्यवस्था भी संस्थान की ओर से की जाती है।

मित्र स्तंभ की यादगार तस्वीर

परमेश्वरी देवी जी के संरक्षण में खांडा खेड़ी में भारत मित्र स्तंभ 2023 में देश को समर्पित किया गया। चौधरी मित्रसेन की प्रतिमा के साथ परमेश्वरी देवी जी की यादगार तस्वीर।

ऋषियों जैसे स्वभाव से विभूषित माता परमेश्वरी देवी ने उपनिषद के सूत्र 'अतिथि देवो भवः' को अपने जीवन में आत्मसात किया

आतिथ्य सत्कार का सर्वोच्च आदर्श, आर्य जगत अन्नपूर्णा देवी के रूप में जानता है

ऋषियों जैसे स्वभाव से विभूषित माता परमेश्वरी देवी जी का आतिथ्य सत्कार अतुलनीय रहा। उपनिषद के सूत्र अतिथि देवो भवः को अपने जीवन में आत्मसात करने वाली माताजी अतिथि सेवा को अपना सौभाग्य मानती थीं, जिसके कारण समस्त आर्य जगत माता जी को अन्नपूर्णा देवी के रूप में जानता है। इनके आतिथ्य भाव का साक्षात्कार साधु-संतों, योगियों, आर्य विद्वानों से लेकर देश के प्रधानमंत्रियों और मुख्यमंत्रियों ने भी अनेक बार किया है। बड़े-बड़े उद्योगपति, नामी समाजसेवी और राजनेता माता जी का अतिथि सत्कार ग्रहण करने के लिए बरबस ही सिंधु भवन की ओर खिंचे चले आते थे। आध्यात्मिक, राजनीतिक, सामाजिक और उद्योग जगत की विशिष्ट हस्तियों के अतिरिक्त बॉलीवुड के सदाबहार कलाकार धर्मेंद्र भी माता जी के आथित्य सत्कार की मुक्त कंठ से प्रशंसा कर चुके हैं। देश के विभिन्न भागों से दिल्ली और चंडीगढ़ आने वाले विशिष्ट लोग फाइव स्टार होटल में भोजन करने के बजाए माता जी द्वारा परोसे गए सात्विक भोजन को ग्रहण करने के लिए लालायित रहते थे। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी जब स्वर्गीय चौ. मित्र सेन जी से सिंधु भवन में मिलने आए थे तो वे भी माता परमेश्वरी देवी जी द्वारा निष्काम भाव से किए गए आथित्य सत्कार से अभिभूत हो गए थे। अतिथि सेवा से गदगद होकर उन्होंने माता जी को अन्नपूर्णा देवी की संज्ञा दी थी। कवि हृदय वाले वाजपेयी जी ने चौ. मित्र सेन जी की ओर देखकर कहा था कि आप अत्यंत सौभाग्यशाली हैं क्योंकि आपको अन्नपूर्णा जैसी धर्मपत्नी प्राप्त हुई है।

जब स्वामी रामदेव भावुक हो गए, बच्चे की तरह माता जी के कंधे पर रख लिया सिर

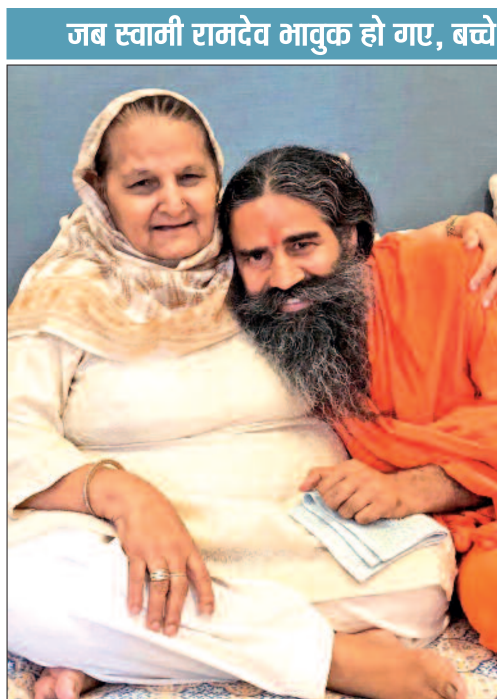

बॉलिवुड अभिनेता धर्मेंद्र जब सिंधु भवन पहुंचे तो वहां का संस्कारित माहौल देखकर चकित रह गए। स्वामी रामदेव एक बार माताजी के वात्सल्य और अतिथि के प्रति समर्पण भाव को देखकर इतने भावुक हो गए कि उन्होंने अपना सिर माताजी के कंधे पर रख दिया। एक बालक की तरह उन्होंने अपनी आंखें बंद कर लीं और भाव विह्वल होकर माताजी के गले लग गए। चौधरी मित्र सेन जब भी हरिद्वार स्थित पतंजलि योगपीठ में जाते थे तो माताजी स्वामी रामदेव जी के लिए देसी घी और बूरा अवश्य भिजवाया करती थीं। योग गुरु स्वामी रामदेव जी के साथ पतंजलि योगपीठ के पीठाधीश्वर आचार्य बालकृष्ण जी भी सिंधु भवन में माता जी की अतिथि सेवा का आत्मिक सुख प्राप्त कर चुके हैं।

देखा माता जी का वात्सल्य

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा, पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत, ओम प्रकाश जिंदल, स्वामी अग्निवेश जी, स्वामी इंद्रवेश जी, महान तपस्वी स्वामी दीक्षा नंद सरस्वती जी, प्रख्यात पत्रकार एचडी शौरी आदि माता जी के आतिथ्य सत्कार का साक्षात्कार कर चुके हैं। आर्य समाज संस्थाओं के प्रख्यात विद्वानों, मनीषियों, भजनोपदेशकों और गुरुकुलों के आचार्यों ने भी माताजी के अन्नपूर्णा स्वरूप के दर्शन किए हैं।

घृतश्च्युतो विराजो नाम कामदुधा अक्षीयमाणाः

वेदों में नारियों को अन्नपूर्णा कह कर संबोधित किया गया है। यहां अनायास यजुर्वेद का एक मंत्र याद आ जाता है : **घृतश्च्युतो विराजो नाम कामदुधा अक्षीयमाणाः।।** अर्थात हे! घर में रहने वाली देवियों, तुम घी बहाने वाली हो, मधु बहाने वाली हो, विविध खानपान आदि वस्तुओं से शोभित हो। तुम कामधेनु हो। तुम्हारे पास अन्न, दूध, घृत आदि ऐश्वर्य भरे रहते हैं जो कभी समाप्त नहीं होते। उनसे तुम परिजनों और अभ्यागतों को तृप्त करती रहो। अन्नपूर्णा के रूप में विराजमान माता परमेश्वरी देवी जी की रसोई में भी दूध, घी और अन्न के भंडार कभी समाप्त नहीं होते थे। सिंधु भवन में पधारने वाले संतों, विद्वानों और अतिथियों को माताजी कामधेनु के रूप में तृप्त करती हैं।

गिल और जायसवाल के शतक, भारत का स्टंप तक स्कोर 359/3

शुभ आगाज... यशस्वी शतक..., युवा भारत ने टेस्ट के पहले दिन अंग्रेजों को नाकों चने चबवाए

एजेंसी ▶▶ लीड्स

विराट कोहली और रोहित शर्मा के संन्यास के बाद भारत के पहले इंग्लैंड दौरे को लेकर दिग्गजों का अनुमान उल्टा पड़ गया। पूर्व क्रिकेटरों ने इंग्लैंड को युवा भारतीय टीम पर पलड़ा भारी बताया था। तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के पहले दिन शुक्रवार को युवा ओपनर यशस्वी जायसवाल ने अपने 20वें मैच में 5वां शतक ठोककर गिल युग का शानदार आगाज करने में मदद की। बतौर कप्तान डेब्यू टेस्ट में शुभमन गिल ने पचासा जड़ने वाले नौवें भारतीय बने।

कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 127 रन) और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल (101 रन) ने शानदार शतक जड़ा। इसकी मदद से भारत ने शुक्रवार को यहां इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के पहले दिन दबदबा बनाते हुए स्टंप तक तीन विकेट गंवाकर 359 रन बना लिए। पहला दिन भारतीय बल्लेबाजों के नाम रहा जिन्होंने टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। गिल और जायसवाल ने तीसरे विकेट के लिए 129 रन की भागीदारी निभाकर टीम को दो विकेट पर 92 रन के स्कोर से 221 रन तक पहुंचाया। दिन का खेल समाप्त होने तक कप्तान गिल के साथ उप कप्तान और विकेटकीपर ऋषभ पंत 65 रन बनाकर क्रीज पर डटे थे। दोनों ने चौथे विकेट के लिए नाबाद 138 रन की भागीदारी निभा ली है।

राहुल-यशस्वी ने रचा इतिहास

केएल राहुल ने 78 गेंद पर 42 रन की पारी खेली। इस दौरान 8 खूबसूरत चौके लगाए। वहीं, यशस्वी जायसवाल ने भी पहले सत्र में 8 चौके लगाए। दोनों के बीच अच्छा तालमेल देखने को मिला। केएल-यशस्वी ने पहले विकेट के लिए 91 रन की रिकॉर्ड साझेदारी की। यह विदेशी दौरे पर पहले टेस्ट मैच की पहली पारी में भारत की चौथी सबसे बड़ी साझेदारी रही।

8 साल बाद 'करुण' वापसी

लीड्स टेस्ट मैच में भारतीय टीम की ओर से अनुभवी बल्लेबाज करुण नायर को भी मौका मिला है। करुण नायर 8 साल से ज्यादा समय बाद टेस्ट क्रिकेट खेलने उतरे हैं। इससे पहले करुण ने अपना आखिरी टेस्ट 25 मार्च 2017 को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धर्मशाला में खेला था। नायर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उस धर्मशाला टेस्ट के बाद 77 मैच मिस किए। ये भारत के लिए दो टेस्ट मैचों के बीच चौथा सबसे लंबा अंतराल है। तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट ने 2010 से 2022 के बीच 118 टेस्ट मैच मिस किए, जो भारतीय खिलाड़ियों में सबसे लंबा अंतराल है।

सुदर्शन डेब्यू में '0' पर आउट

भारतीय टीम की ओर से साई सुदर्शन को डेब्यू टेस्ट खेलने का मौका मिला। सुदर्शन को टेस्ट कैप चेतेश्वर पुजारा ने सौंपी। सुदर्शन भारत की ओर से टेस्ट खेलने वाले 317वें खिलाड़ी हैं। हालांकि 23 साल के सुदर्शन अपनी डेब्यू पारी में सिर्फ 4 गेंदों का सामना किया और वो डक (0) पर चलते बने। देखा जाए तो भारतीय टेस्ट इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है, जब डेब्यू टेस्ट पारी में नंबर-3 पर बैटिंग करते हुए कोई बल्लेबाज अपना खाता भी नहीं खोल पाया। साथ ही सुदर्शन ऐसे तीसरे भारतीय भी बन गए हैं, जो टेस्ट डेब्यू पारी में टॉप-3 में बैटिंग करते हुए 0 पर आउट हुए। कृष्णमाचारी श्रीकांत और देवांग गांधी भी ये अनचाही उपलब्धि हासिल कर चुके हैं। दोनों खिलाड़ी अपनी डेब्यू टेस्ट पारी में ओपनिंग करने उतरे थे। सुदर्शन डेब्यू टेस्ट पारी में डक पर आउट होने वाले 29वें भारतीय हैं।

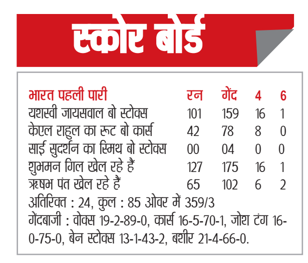

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी	रन	गेंद	4	6
यशस्वी जायसवाल बो स्टोक्स	101	159	16	1
केएल राहुल का रूट बो कार्स	42	78	8	0
साई सुदर्शन का स्मिथ बो स्टोक्स	00	04	0	0
शुभमन गिल खेल रहे हैं	127	175	16	1
ऋषभ पंत खेल रहे हैं	65	102	6	2

अतिरिक्त : 24, कुल : 85 ओवर में 359/3

गेंदबाजी : वोक्स 19-2-89-0, कार्स 16-5-70-1, जोश टंग 16-0-75-0, बेन स्टोक्स 13-1-43-2, बशीर 21-4-66-0.

विमान दुर्घटना : क्रिकेटरों ने रखा मौन

भारत और इंग्लैंड के क्रिकेटरों और मैदानी अंपायरों ने यहां पहले टेस्ट से पूर्व अहमदाबाद में विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों की स्मृति में एक मिनट का मौन रखा और बांहों पर काली पट्टी बांधकर मैदान पर उतरे।

एशिया कप

फाइनल में हारे भारतीय तीरंदाज नौ पदकों के साथ किया समापन

एजेंसी ▶▶ सिंगापुर

भारत के जूनियर तीरंदाजों के पास एशिया कप के दूसरे चरण में सात स्वर्ण पदक जीतने का मौका था लेकिन पांच फाइनल में हारने के कारण उन्हें अधिकतर स्पर्धा में रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

इस तरह से भारत ने प्रतियोगिता में दो स्वर्ण, छह रजत और एक कांस्य सहित कुल नौ पदक जीतकर अपने अभियान का अंत किया। रिकर्व और कम्पाउंड स्पर्धाओं के 10 में से सात फाइनल में पहुंचने के बावजूद भारतीय तीरंदाज केवल दो बार पोडियम पर शीर्ष पर रहे।

विष्णु चौधरी, पारस हुड्डा और जुयेल सरकार तीन में से दो सेटों में 50 का आंकड़ा छूने में असफल रहे और सीधे सेटों में 6-0 से हार गए। रिकर्व मिश्रित टीम फाइनल में भी यही कहानी रही। चौधरी और वैष्णवी पवार की चौथी वरीयता प्राप्त टीम इंडोनेशिया के खिलाफ पूरे मुकाबले में गलतियां करती रही। यदि रिकर्व वर्ग के परिणाम निराशाजनक थे, तो कम्पाउंड वर्ग ने कुछ राहत प्रदान की। भारत ने अपने दोनों स्वर्ण पदक इस वर्ग में जीते। शीर्ष वरीयता प्राप्त कुशल दलाल ने पुरुष व्यक्तिगत फाइनल में 22वीं वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलिया के जोशुआ मैनन को 149-143 से हराकर अपनी प्रतिष्ठा को सही साबित किया। भारत को इस स्पर्धा में कांस्य पदक भी मिला, जिसमें 10वें वरीय सचिन चेची ने चौथे वरीय हिमू बछाड़ को कड़े मुकाबले में 148-146 से हराया।

तेजल ने जीता स्वर्ण पदक

महिलाओं की स्पर्धा में स्वर्ण पदक सुनिश्चित था क्योंकि इसके फाइनल में मुकाबला जो भारतीय खिलाड़ियों के बीच था जिसमें दूसरी वरीयता प्राप्त तेजल साल्वे ने पहली वरीय शानमुखी नागा साई बुड्डे को 146-144 से हराया। शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष कम्पाउंड टीम को तीसरी वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान ने 231-235 से हरा दिया।महिलाओं की कम्पाउंड टीम 232-232 से बराबरी पर रहने के बाद निचली रैंकिंग वाली मलेशिया से शूट-ऑफ में हार गई। शानमुखी और दलाल की मिश्रित कंपाउंड टीम को कजाकिस्तान से शूट-ऑफ में हार का सामना करना पड़ा।

बांग्लादेश ने बनाई 187 रन की बढ़त

गॉल। श्रीलंका के खिलाफ पहले क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन शुक्रवार को बांग्लादेश ने दूसरी पारी में तीन विकेट पर 177 रन बनाकर कुल 187 रन की बढ़त बना ली। बांग्लादेश के पास अभी सात विकेट बाकी हैं और टूटती पिच पर उसके लिए चुनौती उतनी कठिन नहीं होगी।

डोपिंग : भारत में पॉजीटिव मामलों की दर सबसे ज्यादा

विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी ने 2023 के परीक्षण किए जारी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत में डोपिंग की समस्या एक बार फिर सामने आ गई जब विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) के 2023 के परीक्षण आंकड़ों में भारत 5,000 या इससे अधिक नमूनों का विश्लेषण करने वाले देशों में शीर्ष पर रहा।

हालांकि खेल मंत्रालय ने युद्धस्तर पर इससे निपटने और वाडा की आपत्तियों के समाधान के बाद संशोधित डोपिंग रोधी अधिनियम जल्दी लाने का वादा किया है। प्रतिबंधित पदार्थों के सेवन में पॉजीटिव पाये जाने की भारत की दर 3.8 प्रतिशत रही और 5606 नमूनों से 214 प्रतिकूल विश्लेषणात्मक निष्कर्ष (एएएफ) मिले। नमूनों की संख्या 2022 से काफी अधिक थी जब 3865 परीक्षणों की 3.2 प्रतिशत एएएफ दर थी। इन 5606 टेस्ट में से 2748 प्रतिस्पर्धा के दौरान किए गए। भारत के पॉजीटिव नतीजों की दर चीन (28197 नमूने, 0.2 प्रतिशत एएएफ दर), अमेरिका (6798 नमूने, 1.0 प्रतिशत एएएफ दर), फ्रांस (11368 नमूने, 0.9 प्रतिशत एएएफ दर) और रूस (10395 नमूने, 1.0 एएएफ दर) से अधिक है। भारत के 214 के मुकाबले एएएफ में फ्रांस (105), रूस (99), अमेरिका (66), चीन (60) और जर्मनी (57) पीछे रहे।

लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया की टीम से बाहर स्मिथ भी नहीं खेल पाएंगे पहला टेस्ट

ब्रिजटाउन। पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को ऑस्ट्रेलिया ने अपनी टेस्ट टीम से बाहर कर दिया है। स्टीव स्मिथ भी चोटिल होने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले सप्ताह से होने वाली श्रृंखला के शुरुआती टेस्ट मैच में नहीं खेल पाएंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को कहा कि स्मिथ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला के पहले मैच से बाहर रहेंगे क्योंकि पिछले सप्ताहांत लॉर्ड्स में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ़ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फ़ाइनल में उन्हें उंगली में चोट लगी थी। ऑस्ट्रेलिया के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा कि किशोर सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास और विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंगलिस को स्मिथ और मार्नस लाबुशेन की जगह टीम में शामिल किया गया है। लाबुशेन का 104 टेस्ट पारियों में औसत 46.19 है, जिसमें 11 शतक और 23 अर्धशतक शामिल हैं।

मेसी का जादू, फ्री किक पर गोल से जीता इंटर मियामी

एजेंसी ▶▶ अटलांटा

स्टार स्ट्राइकर लियोनेल मेसी ने अपनी ख्याति के अनुरुप प्रदर्शन करते हुए क्लब विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना पहला गोल फ्री किक पर किया। इससे इंटर मियामी ने पोर्टो पर 2-1 से जीत हासिल की। इंटर मियामी की टीम मध्यांतर तक 1-0 से पीछे थी, लेकिन टेलास्को सेगोविया ने दूसरे हाफ के दो मिनट बाद मार्सेलो वीगन्डट के क्रॉस पर गोल करके स्कोर बराबर कर दिया।

इसके बाद अर्जेंटीना के 37 वर्ष के खिलाड़ी मेसी का जादू देखने को मिला। उन्होंने फ्री किक पर खूबसूरत गोल करके फिर से यह साबित कर दिया कि उन्हें दुनिया के सबसे महानतम खिलाड़ियों में क्यों गिना जाता है। इससे पहले पुर्तगाल के क्लब को वीडियो समीक्षा प्रणाली के जरिए शुरू से ही पेनल्टी किक मिली जिसे सामू ओमोरोदियन ने गोल में बदला। इन दोनों टीमों ने ग्रुप ए का अपना पहला मैच गोलरहित बराबर खेला था।

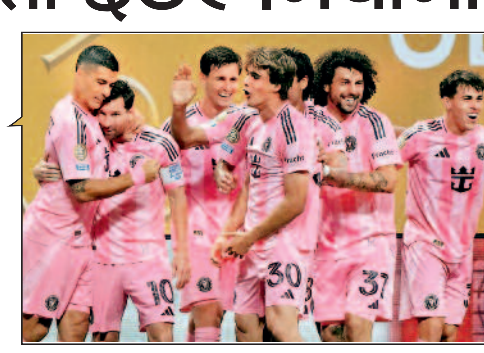

बोटाफोगो ने यूरोपीय चैंपियन पीएसजी को हराया

पासाडेना। बोटाफोगो ने क्लब विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता के अपने दूसरे मैच में चैंपियंस लीग विजेता पेरिस सेंट जर्मेन को 1-0 से हराकर उलटफेर किया। पीएसजी की टीम पहली बार चैंपियंस लीग का चैंपियन बनने के बाद उत्साह से भरी थी और उसने क्लब विश्व कप के अपने पहले मैच में यूरोपीय प्रतिद्वंद्वी एटलेटिको मैड्रिड को 4-0 से पराजित करके अपने अभियान का शानदार आगाज किया था।

हॉकी खिलाड़ियों को मिलेगा 25 हजार अतिरिक्त भत्ता

नई दिल्ली। भारतीय हॉकी को आगामी महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों से पहले प्रोत्साहन देने की कवायद में खेल मंत्रालय ने पहली बार हॉकी खिलाड़ियों को भी 25000 रुपए प्रतिमाह अतिरिक्त भत्ता देने को मंजूरी दी है। मिशन ओलंपिक सेल की गुरुवार को हुई 156वीं बैठक में 'टारगेट ओलंपिक पोडियम' (टॉप्स) योजना के तहत 80 हॉकी खिलाड़ियों को यह भत्ता देने का फैसला लिया गया। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शुक्रवार को यहां मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा, 'हॉकी इंडिया की ओर से बार बार यह अनुरोध आ रहा था जिसे मंजूरी दे दी गई है। इसके तहत 80 हॉकी खिलाड़ियों (40 पुरुष और 40 महिला) को प्रतिमाह 25000 रुपए 'आउट आफ पॉकेट' भत्ता (ओपीए) दिया जाएगा जो टॉप्स योजना के तहत खिलाड़ियों को मिलता है। हमारा लक्ष्य यही है कि खिलाड़ी प्रदर्शन पर फोकस करे और देश के लिए पदक जीतें।'

भारत ने जीते 5 स्वर्ण पदक...

नई दिल्ली। वियतनाम के वूंग ताऊ में आयोजित अंडर-23 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में शुक्रवार को भारत ने प्रतियोगिता के दूसरे दिन पांच स्वर्ण और एक रजत पदक पर कब्जा जमाया।

FORM NO.
[See Regulation 33(2)]
OFFICE OF THE RECOVERY OFFICER - I/II DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR
2nd & 3rd Floor, Sanchar Vikas Bhavan (BSNL Building), Near Head Post Office Residency Road, Jabalpur -482001, MP.
NOTICE FOR SETTLING A SALE PROCLAMATION UNDER RULE 53 OF THE SECOND SCHEDULE TO THE INCOME TAX ACT, 1961 READ WITH THE RECOVERY OF DEBTS & BANKRUPTCY ACT, 1993.
RC/90/2023 09.06.2025
IDBI BANK
Versus
HEMCHAND SAHU
To,
(CD1) HEMCHAND SAHU
H.No. 11, Khapri Parasbod, Barhapur, Teh-Dhamdha, Durg (C.G.)–491331
(CD2) LEELADHAR SAHU
S/o SHRI PANCHANAN SAHU
Vill. Barhapur, Teh-Dhamdha, Durg (C.G.)–491001
Whereas you the **HEMCHAND SAHU** was ordered by the Presiding Officer of DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JABALPUR who had issued the Recovery Certificate dated **09/03/2023** in **OA/6/2020** to pay to the Applicant Bank(s)/Financial Institution(s) Name of applicant, the sum of **Rs. 26,65,738.75 (Rupees Twenty Six Lakhs Sixty Five Thousand Seven Hundred Thirty Eight and Paise Seventy Five Only)** along with pendentellite and future interest @ 10.00 % Simple Interest Yearly w.e.f. **30/12/2019** till realization and costs of **Rs 29000 (Rupees Twenty Nine Thousands Only)**, and whereas the said has not been paid, the undersigned has ordered the sale of undermentioned immovable / Immoveable property.
2. You are hereby informed that the **29/07/2025** at **10.30 A.M.** has been fixed for drawing up the proclamation of sale and settling the terms thereof. You are requested to bring to the notice of the undersigned any encumbrances, charges, claims or liabilities attached to the said properties or any portion thereof.
Specification of property-
Agriculture Land bearing Khasra No.: 65/2, 613, 631, 637, 655/2, 655/3, 735,766, P.H. No. 10, Situated at Village- Khapri, Tehsil- Dhamdha, District- Durg (C.G.), Area admeasuring 2.70 hectare; Property in the name of Shri Hemchand S/o Late Shri Chinta Ram
Given under my hand and the seal of the Tribunal, on this date: **09/06/2025**
SEAL Recovery Officer
Debts Recovery Tribunal, Jabalpur

केनरा बैंक Canara Bank भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking सिंडिकेट Syndicate
शंकर नगर शाखा, रायपुर (छ.ग.)
अचल संपत्ति के लिए कब्जे का नोटिस परिशिष्ट IV नियम 8(1)
अधोहस्ताक्षरकर्ता ने जो वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुर्नगठित तथा प्रतिभूति हित का **प्रवर्तन अधिनियम** 2002 के अधीन **केनरा बैंक की निम्नांकित शाखा का प्राधिकृत अधिकारी है, प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(2)** के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, ऋण लेने वाले निम्नलिखित बकायेदार को निम्नांकित सारणी के अनुरुप मांग सूचना तथा उसमें उल्लिखित रकम उक्त सूचना की प्राप्ति की तारीख से **60 दिन** के भीतर प्रतिदाय करने की मांग करने के लिए जारी की थी।
ऋण लेने वाले द्वारा रकम का प्रतिदेय करने में असफल रहने पर, ऋणी/जमानतकर्ता/बन्धककर्ता और जनसाधारण को यह सूचना दी जाती है कि अधोहस्ताक्षरी ने उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पठित उक्त (अधिनियम) की धारा 13(4) के अधीन उसे प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा ले लिया है। ऋणी/जमानतकर्ता/बन्धककर्ता को विशेष रूप से और सर्वसाधारण को सामान्यतया एतत्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि निम्नलिखित सम्पत्तियों में कोई लेन-देन न करें और उसमें किसी प्रकार का लेन-देन **केनरा बैंक की निम्नांकित संबंधित शाखा** को देय बकाया राशि एवं उस पर ब्याज आदि के प्रभार के अधीन होगा।
उधारकर्ता/गारंटर/बंधककर्ता (यों) का ध्यान सुरक्षित परिसंपत्तियों को छुड़ाने के लिये उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (8) के प्रावधानों के लिये आमंत्रित किया गया है।

क्र. सं.	ऋणी का नाम	कब्जाधीन सम्पत्ति का विवरण	मांग सूचना राशि	मांग सूचना तिथि / कब्जा सूचना तिथि
1.	1. **श्रीमती नीता सिंह ठाकुर मार्फत- बब्लू सिंह ठाकुर**, श्री नगर साहू कलर लेब, गुढ़ियारी दुर्गा मंदिर, रायपुर-492001 2. **श्री बब्लू सिंह ठाकुर पिता अशोक सिंह ठाकुर**, साहू कलर लैब निवास, श्री नगर गुढ़ियारी, रायपुर-492001	खसरा नं. 15/64 का भाग, मौजा- उरकुरा, मां शीतला माता वार्ड क्र. 16, प.ह.नं. 40, आरएनएमः रायपुर -1, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) क्षेत्रफल -750 वर्गफुट में स्थित पर स्थित डायवर्टेड आवासीय भूमि और भवन के समस्त भाग तथा अंश। **चौहद्दीः उत्तर-** चंद्राकर जी का मकान, **दक्षिण-** जायसवाल जी का मकान, **पूर्व-** गुप्ता जी की जमीन, **पश्चिम-** सड़क।	₹ 26,59,202.11 ब्याज एवं उस पर लागू शुल्क के साथ.	11/04//2025 / 18/06/2025

3. **मेसर्स आराध्या सेल्स एंड हार्डवेयर, प्रोपः बब्लू सिंह ठाकुर**, शिवानंद नगर, सेक्टर-3 खमतराई, रायपुर-492001
दिनांक : 20.06.2025, स्थानः रायपुर (छ.ग.) प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक

केनरा बैंक Canara Bank सिंडिकेट Syndicate शाखाः रामसागरपारा रायपुर (छ.ग.)
आम सूचना
आम जन को सूचित किया जाता है कि **श्री जयंत गुरलवार पिता - कृष्णा राव** जो कि केनरा बैंक की (रामसागरपारा) रायपुर शाखा में **NND** एजेंट (कलेक्शन एजेंट) के रूप में दैनिक कलेक्शन कार्य में कार्यरत थे ने **दिनांक 07-04-2025** से सेवा निवृत्ति ले ली है। अगर किसी व्यक्ति की कलेक्शन से संबंधित किसी भी प्रकार के दावे/समस्या **श्री जयंत गुरलवार** के विरुद्ध हो तो वो आज प्रकाशन के तिथि से 30 दिन के अंदर केनरा बैंक, रायपुर शाखा के समक्ष प्रस्तुत करे। दावे की नियत तिथि समाप्ति के बाद किसी भी व्यक्ति से किसी प्रकार के दावे/समस्या स्वीकार नहीं किए जाएंगे।
शाखा प्रबंधक केनरा बैंक, रामसागरपारा, रायपुर

आधिपत्य सूचना
HDFC BANK
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर
Tel: 0771-4243149/240 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com
जबकि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी), प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ('उक्त अधिनियम') और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धारा 13(2) के तहत डिमांड नोटिस जारी किए गए। उक्त अधिनियम के तहत, निम्नलिखित उधारकर्ताओं/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों से आव्हान किया गया है कि वे अपने संबंधित नामों के सामने उल्लेखित राशि का भुगतान उक्त नोटिस में उल्लेखित लागू दरों पर ब्याज सहित करें। उक्त नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिन, आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क आदि भुगतान और/या वसूली की तारीख तक।

क्रं.	ऋणी (ओं) के नाम / कानूनी वारिस (ओं) एवं कानूनी प्रतिनिधि (यों)	बकाया राशि*	मांग सूचना की दिनांक	आधिपत्य दिनांक	अचल संपत्ति (यों) का विवरण
01.	**श्री रोक्कम श्रीधर**, यूनिट-एल-76, लोटस सिटी, स. क्रमांक, खसरा नं. 51-53, 57-59, 72, 73, 80, 81, 83, 84, 86-89, 92-104, 107-123, 128-131, 142, 143 के भाग 148-178, 203, प.ह.नं. 4, ग्राम परसदा, तह. पाटन, दुर्ग-490042. **श्री रोक्कम श्रीधर**, 558 पंचशील नगर पूर्व, पो. बी.एम.वाई. चरोदा वार्ड 20, भिलाई, चरोदा, दुर्ग, भिलाई-493441. **श्री रोक्कम श्रीधर**, मै. श्री ब्रदर्स इंटरप्राइजेज, 01 ग्राम सांकरा, तहसील धरसीवा, पोस्ट सोंद्रा, रायपुर 492001. **श्रीमती आर रजनी**, 558 पंचशील नगर पूर्व, पो. बी.एम.वाई. चरोदा वार्ड 20, भिलाई, चरोदा, दुर्ग, भिलाई-493441. **श्रीमती आर रजनी**, यूनिट-एल-76, लोटस सिटी, स. क्रमांक, खसरा नं. 51-53, 57-59, 72, 73, 80, 81, 83, 84, 86-89, 92-104, 107-123, 128-131, 142, 143 के भाग 148-178, 203, प.ह.नं. 4, ग्राम परसदा, तह. पाटन, दुर्ग-490042. **श्रीमती आर रजनी**, मैसर्स. श्री ब्रदर्स इंटरप्राइजेज, 01 ग्राम सांकरा, तहसील धरसीवा, पोस्ट सोंद्रा, रायपुर 492001.	₹ 9,23,756/- दिनांक 31 जन. 25* तक	25-फरवरी 2025	17-जून-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग, यूनिट एल-76, क्षेत्रफल-690 वर्ग फीट, खाता संख्या-323, खसरा नं.-88/2 भाग, लोटस सिटी, प.ह.नं.-4 आरआईसी-भिलाई-3, ग्राम-परसदा, तहसील-पाटन और जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ में स्थित है जिसकी **चौहद्दी**:-उत्तर -प्लॉट संख्या एल-65, दक्षिण -पथ, पूर्व-प्लॉट संख्या एल-75, पश्चिम-प्लॉट संख्या एल-77 से घिरा है।
02.	**श्री रतेरिया अशोक कुमार**, फ्लैट-बी-302, फ्लोर-3, पार्क सिटी टावर, 2 बीएचके, ब्लॉक बी, स.क्र., खसरा नंबर 109/1(ख) 109/4(क), ग्राम- छातामुरा; प.ह.नं. 23, रायगढ़-छ.ग.-496001. **श्री रतेरिया अशोक कुमार**, मै. नारायणी ट्रेडर्स, 10 राधे कॉम्प्लेक्स, छातामुड़ा, रायगढ़, रायगढ़ - रायगढ़-छ.ग. -496001. **श्रीमती रतेरिया रुक्मणि**, वार्ड क्रमांक-19, आशीष ट्रेंडिंग कंपनी, गांधी चौक, रायगढ़, रायगढ़, छत्तीसगढ़ राज्य-496001. **श्रीमती रतेरिया रुक्मणी**, फ्लैट-बी-302, फ्लोर-3, पार्क सिटी टावर, 2 बीएचके, ब्लॉक बी, स.क्र., खसरा नंबर 109/1(ख) 109/4(क), ग्राम- छातामुरा; प.ह.नं. 23, रायगढ़-छ.ग.-496001.	₹ 24,19,524/- दिनांक 31 दिसंबर. 25* तक	31-जनवरी 2025	18-जून-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग का फ्लैट, जिसका क्षेत्रफल-1377 वर्ग फीट है, खसरा नं.-109/1/ख और 109/4/क, मौजा- चटमुरा में स्थित, फ्लैट सं.- इ-302, तीसरी मंजिल "पार्क सिटी टॉवर, 2BHK" P.H.N.-23/6, वार्ड-34 अंबेडकर नगर, आरआईसी-पुसौर, तहसील-पुसौर और जिला-रायगढ़ छत्तीसगढ़ जिसकी **चौहद्दी**:-उत्तर -खुला आसमान, दक्षिण -फ्लैट इ-303, पूर्व - खुला आसमान, पश्चिम - लॉबी और सीढ़ी.
03.	**श्री शर्मा अनिल**, गोकुलधाम, ब्लॉक सी, फ्लैट-203, फ्लोर-2, खसरा क्र. 23/1-2, प.ह.नं. 23, ग्राम-बैकुण्ठपुर, रायगढ़-छत्तीसगढ़-496001. **श्रीमती शर्मा अनुसुइया**, गोकुलधाम, ब्लॉक सी, फ्लैट-203, फ्लोर-2, खसरा क्र. 23/1-2, प.ह.नं. 23, ग्राम-बैकुण्ठपुर, रायगढ़-छत्तीसगढ़-496001. **श्री शर्मा अनिल**, मकान नंबर 68, ठेठवार पारा, गांजा चौक, वार्ड 10, रायगढ़-छ.ग.-496001. **श्रीमती शर्मा अनुसुइया**, मकान नंबर 68, ठेठवार पारा, गांजा चौक, वार्ड 10, रायगढ़-छ.ग.-496001. **श्री शर्मा अनिल**, शर्मा डेली सर्विसेज, गांजा चौक, ठेठवार पारा, रायगढ़-छ.ग.-496001.	₹ 20,13,962/- दिनांक 31 जन. 25* तक क्रेडिट कार्ड के लिए ₹ 36,592.22/- दिनांक 26 दिसंबर 24* तक	14-फरवरी 2025	18-जून-2025 (सांकेतिक कब्जा)	समस्त भाग एवं आंशिक भाग की आवासीय संपत्ति, फ्लैट, खसरा नं. -23/1 एवं 23/2 मौजा-बैकुंठपुर, प.ह.नं.-23, वार्ड क्रमांक-01, 'गोकुलधाम अपार्टमेंट' फ्लैट-नंबर-सी 203, द्वितीय तल, आरआईसी- तह. रायगढ़ जिला-रायगढ़, छत्तीसगढ़।
04.	**श्री मिश्रा प्रदीप कुमार**, सिंगापुर सिटी, ब्लॉक नं. 6, फ्लैट नं. 2बी, 02वीं मंजिल, कोटा रोड, रायपुर - छत्तीसगढ़, पिन - 492002 - भारत। **श्रीमती मिश्रा मंजरी**, सिंगापुर सिटी, ब्लॉक नं. 6, फ्लैट नं. 2बी, 02वीं मंजिल, कोटा रोड, रायपुर - छत्तीसगढ़, पिन - 492002 - भारत।	₹ 46,79,495/- दिनांक 30 नवंबर 23* तक	09-जनवरी 2024	20-जून-2025 (भौतिक कब्जा)	टावर नं. 5, प्रथम तल, अपार्टमेंट नं.1एफ टाइप एफ, सिंगापुर सिटी (फेज I) होटल पिक्काडिली के पीछे, कोटा रोड, कोटा, रायपुर छ.ग.

*भुगतान और/या वसूली की तारीख तक लागू अतिरिक्त ब्याज, आकस्मिक व्यय, लागत, शुल्क आदि के साथ।
हालाँकि, चूँकि ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि देय राशि चुकाने में विफल रहे हैं, इसलिए ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों को विशेष रूप से और सामान्य रूप से जनता को नोटिस दिया जाता है कि एचडीएफसी के प्राधिकृत अधिकारियों ने धारा 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऊपर वर्णित अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति(यों) पर कब्जा कर लिया है। उक्त अधिनियम ऊपर उल्लेखित तिथियों पर उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पढ़ा जाता है।
विशेष रूप से ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि और सामान्य रूप से जनता को आगाह किया जाता है कि वे उपरोक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ लेनदेन न करें और उक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ कोई भी लेनदेन एचडीएफसी के बंधक के अधीन होगा।
उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा 8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।
निकाले गए पंचनामा और बनाई गई सूची की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं, और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे सामान्य कार्यालय समय के दौरान किसी भी कार्य दिवस पर अधोहस्ताक्षरी से संबंधित प्रति प्राप्त करें।
एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड के लिए
वास्ते
प्राधिकृत अधिकारी
स्थान-रायगढ़, दुर्ग, रायपुर
दिनांक : 21.06.2025
रजिस्टर्ड ऑफिस : एच.डी.एफ.सी. बैंक हाऊस, सेनापती बापत मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई-400013

बैंक ऑफ़ बड़ौदा Bank of Baroda
क्षेत्रीय कार्यालय, प्रथम तल, जोनल मार्केट, सेक्टर -10, भिलाई (छ.ग.) फोनः 0788-2261892, 2264992, ई-मेलः recovery.durg@bankofbaroda.com
सरफेसी अधिनियम 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत 60 दिनों की नोटिस का प्रकाशन
(Publication in the Newspapers in case of return/failure of service of 60 day's Notice U/s.13 (2) of SARFAESI Act,2002)
प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा ने, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के अंतर्गत निम्नलिखित ऋणकर्ताओं / गारंटरो को 60 दिनों के नोटिस, पंजीकृत डाक / पावती सहित डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा जारी की हैं. लेकिन यह नोटिस डाक अधिकारियों द्वारा सुपूर्दगी प्राप्त करने में मना करने / गलत पते / व्यक्ति द्वारा स्थान शहर छोड़े जाने आदि कारणों से लौटा दी गई हैं. इन ऋणकर्ताओं / गारंटरो ने, अपनी निम्नलिखित चल / अचल संपत्तियों को, बैंक द्वारा ऋणकर्ता(ओं) को दी जाने वाली विभिन्न ऋण सुविधाओं को प्राप्त करने के एवज में दृष्टि बंधक/बंधक रखा हैं. बैंक की देय राशि के भुगतान न करने तथा ऋण की नियम एवं शर्तो को पूरा न करने के कारण ऋणकर्ता(ओं) / गारंटर(रों) द्वारा बैंक के ऋण एवं ब्याज के भुगतान में चूक किये जाने के कारण, खाता, भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानुसार एनपीए हो गया हैं। उपर्युक्त को देखते हुए, निम्नलिखित ऋणकर्ता(ओं) / गारंटर(रों) को बैंक द्वारा निम्नलिखित देय के ब्याज सहित भुगतान हेतु 60 दिनों का नोटिस जारी किया गया हैं, जिससे चूकने पर बैंक बिना न्यायालय या ट्रिब्यूनल के हस्तक्षेप के, अधिनियम के चैप्टर III के अंतर्गत एक या अनेक साधनों द्वारा प्रतिभूति हित लागू करने हेतु बाध्य होगा. ऋणकर्ता(ओं) /गारंटर(रों) को इस नोटिस द्वारा यह भी सूचित किया जाता हैं कि वे, अधिनियम की धारा 13(13) की शर्तो के अनुरूप, बैंक की सहमति के बिना बैंक को प्रभारित प्रतिभूत आस्तियों में से किसी को भी बिक्री / पट्टे या किसी अन्य द्वारा (सामान्य व्यवसाय के अलावा) ट्रांसफर नहीं करेंगे. ऋणकर्ता(ओं)/गारंटर(रों) तथा प्रतिभूत आस्तियों के विवरण नीचे दिए गए हैं जिनके विरुद्ध बैंक 60 दिनों के बाद कार्रवाई प्रारंभ करेगा, यदि उनके द्वारा देय राशि का भुगतान नहीं किया जाता हैं.

क्र.	शाखा का नाम और फोन नं.	उधारकर्ता का नाम और पता	बकाया राशि डिमांड नोटिस के अनुसार	(एनपीए दिनांक:08.06.2025) (नोटिस दिनांक:11.06.2025) सुरक्षित संपत्ति का विवरण
01	विश्वदीप स्कूल पद्मनाभपुर शाखा, दुर्ग 6232020423	श्री विवेक कुमार दीक्षित एवं श्रीमती निधि दीक्षित वार्ड क्रमांक 12, विजय नगर के अंदर आरएनएम दुर्ग, छ.ग.	रु. 18,59,321.00 + अप्रयुक्त ब्याज + अन्य प्रभार	साम्यिक बंधक आवासीय भूमि एवं भवन स्थित खसरा नं .- 1267/43, प.ह.नं. - 24, वार्ड नं. - 12 (विजय नगर के अंदर), आरएनएम दुर्ग- 01, तहसील एवं जिला- दुर्ग क्षेत्रफल - 0.004 या 450 वर्गफीट, तहसील एवं जिला-दुर्ग हैं जो श्रीमती निधि दीक्षित के नाम पर हैं. सीमाएं: पूर्व : धशारी देवांगन का मकान, पश्चिम: छगन का मकान, उत्तर: शंकर मर्थी का मकान, दक्षिण : रोड.

दिनांक: 21.06.2025, स्थान: भिलाई, छत्तीसगढ़ प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ़ बड़ौदा

इस मंदिर में चढ़ाया प्रसाद हो जाता है गायब भूख से दुबले हो जाते हैं भगवान, क्या है रहस्य

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

भारत में कई चमत्कारिक और रहस्यमयी मंदिर हैं। इनमें कई ऐसे हैं जिनके रहस्यों को अभी तक वैज्ञानिक भी नहीं सुलझा पाए हैं। ऐसा ही एक दक्षिण भारतीय राज्य केरल के थिरुवरप्पु में एक रहस्यमयी मंदिर है। यह मंदिर भगवान श्रीकृष्ण का है। माना जाता है कि यह मंदिर 1500 साल पुराना है। इसके रहस्य के बारे में जानकर आप हैरत में पड़ जाएंगे। आइए जानते हैं कि आखिर मंदिर का क्या रहस्य है?

भगवान श्रीकृष्ण के इस मंदिर से कई किवदंतियां जुड़ी हुई हैं। कहा जाता है कि वनवास के दौरान पांडव, भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति की पूजा करते और उन्हें भोग लगाते थे। पांडवों ने वनवास खत्म होने के बाद थिरुवरप्पु में ही इस भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति को छोड़कर चले गए थे, क्योंकि यहां के मछुआरों ने मूर्ति को यही छोड़ने का अनुरोध किया था। मछुआरों ने भगवान श्रीकृष्ण की ग्राम देवता के रूप में पूजा करनी शुरू कर दी। हालांकि, मछुआरे एक बार संकट से घिर गए, तो एक ज्योतिष ने उनसे कहा कि आप सभी पूजा ठीक तरह से नहीं कर पा रहे हैं। इसके बाद उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति को एक समुद्री झील में विसर्जित कर दिया।

दिन में 10 बार लगाता है भोग

मान्यता है कि यहां पर स्थित भगवान के विग्रह को भूख बर्दाश्त नहीं होती है, जिसकी वजह से उनके भोग की विशेष व्यवस्था की गई है। भगवान को दिन में 10 बार भोग लगाया जाता है। अगर, भोग नहीं लगाया जाता है तो उनका शरीर सूख जाता है। यह भी मान्यता है कि प्लेट में से थोड़ा-थोड़ा करके चढ़ाया गया प्रसाद गायब हो जाता है। यह प्रसाद भगवान श्रीकृष्ण खुद ही खाते हैं।

सिर्फ 2 मिनट के लिए बंद होता है मंदिर

आदिशंकराचार्य के आदेश के मुताबिक, यह मंदिर 24 घंटे में सिर्फ 2 मिनट के लिए ही बंद किया जाता है। मंदिर को 11.58 मिनट पर बंद किया जाता है और उसे 2 मिनट बाद ही ठीक 12 बजे खोल दिया जाता है। मंदिर के पुजारी को ताले की चाबी के साथ ही कुल्हाड़ी भी दी गई है। पुजारी से कहा गया है कि अगर ताला खुलने में समय लगे तो वह कुल्हाड़ी से ताला तोड़ दें, लेकिन भगवान को भोग लगने में देरी ना हो। इसके अलावा भगवान का जब अभिषेक किया जाता है, तो विग्रह का पहले सिर और फिर पूरा शरीर सूख जाता है। क्योंकि, अभिषेक में समय लगता है और उस समय भोग नहीं लगाया जा सकता है। इस घटना को देखकर लोगों को अचरज होता है।

क्यों हमेशा लगाया जाता है भोग?

केरल के एक ऋषि विल्वमंगलम स्वामीयार नाव से एक बार यात्रा कर रहे थे, लेकिन उनकी नाव एक जगह अटक गई। लाख कोशिशों के बाद भी नाव आगे नहीं बढ़ पाई, तो उनके मन में सवाल खड़ा होने लगा कि ऐसा क्या है कि उनकी नाव आगे नहीं बढ़ रही है। इसके बाद उन्होंने पानी में नीच डुबकी लगाकर देखा तो वहां पर एक मूर्ति पड़ी हुई थी। ऋषि विल्वमंगलम स्वामीयार ने मूर्ति को पानी में से निकाली और अपनी नाव में रख ली। इसके बाद वह एक वृक्ष के नीचे आराम करने के लिए रुके और मूर्ति को वहीं रख दी। जब वह जाने लगे तो मूर्ति को उठाने की कोशिश की, लेकिन वह वहीं पर चिपक गई। इसके बाद वहीं पर मूर्ति स्थापित कर दी गई। इस मूर्ति में भगवान कृष्ण का भाव उस समय का है, जब उन्होंने कंस को मारा था तब उन्हें बहुत भूख लगी थी। इस मान्यता की वजह से उन्हें हमेशा भोग लगाया जाता है।

अंतरिक्ष में हुई किसी की मौत तो शरीर का होगा ये भयानक अंजाम

वॉशिंगटन। धरती पर किसी की मौत होने के बाद उसके धर्म के जुड़े रिजावों के साथ उसका अंतिम संस्कार किया जाता है। लेकिन, क्या आपने कभी सोचा है कि अगर किसी इंसान की मौत अंतरिक्ष में हो जाए तो उसके शरीर के साथ क्या होगा? अगर किसी की मौत स्पेस में होती है तो उसे धरती पर वापस लाना काफी मुश्किल भरा काम होगा।

खा जाएंगे बैक्टीरिया

एक रिसर्च के मुताबिक बैक्टीरिया लगभग 3 सालों तक अंतरिक्ष में जिंदा रह सकते हैं। ये शव को खाने का काम करेंगे। आईएसएस की सतह पर तापमान अक्सर 328एफ से 392 एफ तक पहुंच सकता है। ऐसा होनो से शरीर पर बहुत ही गंभीर प्रभाव पड़ेंगे, जिससे मसल्स और स्किन बुरी तरह से खराब होने लगेंगी।

गैस बन जाएगा शरीर

टेक्सास में बेलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन में ट्रांसलेशनल रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर स्पेस हेल्थ के चीफ इंजीनियर जिमी वू ने बताया कि, स्पेस में दबाव कम होता है जिस कारण से शरीर की आंखें, स्किन, मुंह और फेफड़े गैस में बदल जाएंगे। ऐसा होने पर ब्लड वेसल्स फट सकती हैं, जिनसे खून निकल सकता है।

धरती को गर्म करने वाली मीथेन गैस ही है इन समुद्री मकड़ियों का पेट्रोल

एजेंसी ▶▶| लंदन

समुद्र की गहराइयों में प्रकृति को नुकसान पहुंचाना वाली यह ग्रीनहाउस गैस दुनिया के कुछ सबसे रहस्यमय जीवों के लिए पौष्टिक भोजन है। वैज्ञानिकों का कहना है कि उन्होंने अमेरिका के पश्चिमी तट पर समुद्री मकड़ियों की 3 नई प्रजातियों की खोज की है। हालांकि, अभी इन मकड़ियों का नामकरण होना बाकी है। यह हजारों फीट नीचे उन जगहों पर रहती हैं जहां से मीथेन गैस निकलती है। जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित स्टडी के मुताबिक, बैक्टीरिय मकड़ी के शरीर के बाहरी हिस्से पर रहती है। इसके बदले में ये छोटे से जीव मीथेन गैस को चीनी और फैट में बदल देते हैं जिसे मकड़ियां खा सकें। लॉस एंजिल्स के ऑकिडेंटल कॉलेज में जीव विज्ञान की प्रोफेसर शाना गोफ्रेडी ने बताया कि, मकड़ियों के खाने का यह अनोखा तरीका पहली बार देखा गया है।

वायुमंडल बचाने में अहम भूमिका

गोफ्रेडी का कहना है कि, ऐसा संभव है कि ये मकड़ियां और उनके साथ रहने वाले बैक्टीकरिया मीथेन गैस को हवा में घुलने से रोकने में मदद करते हों। आगे उन्होंने कहा कि, समुद्र बहुत गहरा जरूर है, लेकिन हर जीव एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। ये भले छोटे हैं, लेकिन इनका असर पर्यावरण पर बहुत बड़ा होता है।

समुद्र की समझ

अगर हम समुद्र को सही ढंग से नहीं समझेंगे तो तभी भी इसका सही इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे। गहरे समुद्र को लोग हर जगह एक जैसा ही सोचते हैं पर यह गलत है। कई अलग-अलग जगहों पर बहुत तरह के जीव हैं और समुद्र की सतह में खास जगहों पर सीमित हैं। आगे गोफ्रेडी ने बताया कि अगर आप खनन के लिए समुद्र के नीचे वाली जगह का इस्तेमाल करते हैं तो बहुत सावधानी बरतने की जरूरत होगी। क्योंकि, ऐसी जगहों को नुकसान नहीं पहुंचाया जा सकता जो कहीं और ना हो।

अब 20 रुपए में मिलेगा 1000 लीटर साफ पानी, वैज्ञानिकों ने बनाई कमाल की तकनीक

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

आईआईटी गुवाहाटी के वैज्ञानिकों ने एक बहुत ही सस्ती, देसी और असरदार तकनीक तैयार की है। इसकी मदद से सिर्फ 20 रुपए खर्च कर के 1000 लीटर तक भूमिगत जल को पीने लायक साफ पानी में बदला जा सकता है। या तकनीत पानी का पूरी तरह से सुरक्षित और पानी लायक बना देता है, साथ ही यह बहुत सस्ता भी है। यह सिस्टम 94 प्रतिशत आयरन और 89 प्रतिशत फ्लोराइड को हटाकर पानी को पूरी तरह पीने लायक और सुरक्षित बनाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह तकनीक रोजाना 20,000 लीटर पानी तक को साफ करने में मदद कर सकती है। इस तकनीक को आईआईटी गुवाहाटी के रासायनिक अभियांत्रिकी के प्रोफेसर ने विकसित किया है। विभाग के प्रोसेफर मिहिर कुमार पुरकैत की अगुआई में डॉ. अन्वेषण, डॉ. पियाल मंडल और मुकेश भारती की टीम ने विकसित किया है।

फ्लोराइड से जुड़ी गंभीर समस्या

फ्लोराइड भूजल में प्राकृतिक फिर इंसानों द्वारा की गई गतिविधियों से पहुंचता है। आपको बता दें कि अधिक फ्लोराइड वाला पानी पीने से स्केलेटल फ्लोरोसिस नाम की बीमारी हो सकती है। इस बीमारी में ये होगा कि आपके शरीर की हड्डियां काफी सख्त हो जाएंगी और जोड़ों में दर्द बना रहेगा। लेकिन, इस तकनीक की मदद से आप इस समस्या से बच सकेंगे, क्योंकि यह मजह 20 रुपए में आपके लिए हजार लीटर तक पानी को फ्लोराइड से 89 प्रतिशत तक साफ करने आपको पीने लायक पानी मुहैया कराएगा।

शतरंज का बादशाह!

85 की उम्र में रच रहे नए इतिहास

झांसी। किसी भी खेल में एक्टिव खिलाड़ियों की उम्र आम तौर पर 22,32 या 42 वर्ष तक होती है। हालांकि शतरंज इसका अपवाद है। लेकिन, क्या आप किसी 85 वर्ष के खिलाड़ी को जानते हैं? शायद नहीं, झांसी में एक ऐसे ही खिलाड़ी हैं। इन खिलाड़ी का नाम है राम कृष्ण गुप्ता। 85 वर्ष के यह खिलाड़ी चेस के महारथी हैं। अब तक हजारों मैच खेल चुके हैं और जीत भी चुके हैं। राम कृष्ण गुप्ता ने बताया कि उन्होंने पहली बार 1965 में चेस खेला था। वह अपने ससुराल में जाते थे तो वहां लोग शतरंज खेलते थे। उन्हें वहीं से इस खेल में रुचि लेना शुरू किया। इसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। आज वह देश और दुनिया में हुए हजार से प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुके हैं। भारत के अलावा वह नेपाल, श्रीलंका और म्यांमार में भी आयोजित चेस प्रतियोगिताओं में भी हिस्सा ले चुके हैं। अगले महीने वह थाईलैंड में आयोजित होने जा रही अंतरराष्ट्रीय चेस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। इसके अलावा वह चेस कॉमनवेल्थ में भी हिस्सा ले चुके हैं।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com